- धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत, अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट
- 14

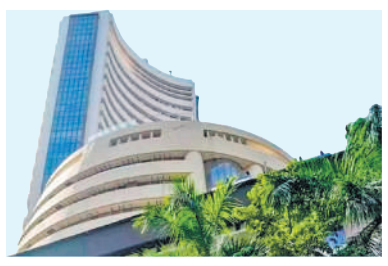

- सेंसेक्स में गिरावट 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर हुआ बंद
- 14

- भारत में जहाज निर्माण नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता
- 15

- सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत
- 16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 26 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 239, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

# युगांतकारी... राम मंदिर के शिखर पर फहरा धर्मध्वज

**अवधपुरी अति रुचिर बनाई... देवन्ह सुमन बृष्टि झरि लाई**

**वैदिक मंत्रोच्चार और जय श्री राम के नारों के बीच की ध्वज स्थापना**

**अनुष्ठान के साथ औपचारिक रूप से पूरा हुआ मंदिर का निर्माण**

**मोदी ने कहा- यह धर्मध्वज 'प्राण जाय पर वचन न जाई का प्रतीक'**

राज्य ब्यूरो/ कार्यालय संवाददाता, अयोध्या

**अमृत विचार:** अयोध्या में मंगलवार की सुबह एक और नया इतिहास रचा गया। विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों सनातन परंपरा और आस्था का प्रतीक धर्मध्वज का राम मंदिर के शिखर पर प्रतिष्ठापित हुआ तो अयोध्यावासियों और संत समाज के साथ यह क्षण जन-जन के लिए भावपूर्ण और ऐतिहासिक बन गया। 500 वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और तपस्या के बाद राममंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ धर्मध्वज सनातन आस्था की वैश्विक प्रतिष्ठा का साक्ष्य बनकर लहराया। मोदी ने इस क्षण को युगांतरकारी कहा।

'सियावर रामचंद्र की जय' का उद्घोष करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर राम से राष्ट्र के संकल्प की चर्चा करते हुए मैंने कहा था कि आने वाले एक हजार वर्षों के लिए भारत की नींव मजबूत करनी है और जो सिर्फ वर्तमान की सोचते हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। हमें वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के बारे में सोचना है। जब हम नहीं थे, यह देश तब भी था और जब हम नहीं रहेंगे, यह देश तब भी रहेगा। हमें दूरदृष्टि के साथ काम करना होगा। हमें आने वाले दशकों और सदियों को ध्यान में रखना ही होगा। उन्होंने कहा, सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहूति है, जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्ज्वलित रही। जो यज्ञ एक पल भी आस्था से डिगा नहीं, एक पल भी विश्वास से टूटा नहीं, आज भगवान श्रीराम मंदिर के गर्भगृह की अनंत ऊर्जा, श्रीराम का दिव्य प्रताप इस धर्मध्वजा के रूप में दिव्यतम, भव्यतम मंदिर में प्रतिष्ठापित हुआ है।

> यह धर्मध्वज केवल ध्वज नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है। इसका भगवा रंग इस पर रचित सूर्यवंश की ख्याति, वर्णित ओम शब्द व अंकित कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को प्रतिरूपित करता है। यह ध्वज संकल्प, सफलता और संघर्ष से सृजन की गाथा है। यह ध्वज सदियों से चले आ रहे सपनों का साकार स्वरूप है। यह ध्वज संतों की साधना और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणति है। सदियों और सहस्राब्दियों तक यह धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों व सिद्धांतों का उद्घोष करेगा। - प्रधानमंत्री मोदी

## पीएम के हैंडल घुमाते ही ऊपर चढ़ने लगा धर्म ध्वज

प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही हैंडल (लीवर सी डिवाइस) घुमाया धर्मध्वज धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा। पीएम ने मंदिर के मुख्य शिखर पर 161 फीट की ऊंचाई पर भव्य धर्म ध्वज फहराकर रामायण कालीन आध्यात्मिक परंपरा को सजीव किया। ध्वजारोहण प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अभिजीत मुहूर्त में पूरे परिसर में शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि गूंज उठी, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

## विश्व ने सुनी अयोध्या से उठी जय श्री राम की गूंज

अयोध्या से फिर उठे जय श्री राम के उद्घोष की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दी। यहां इंटरनेशनल मीडिया की भी निगाहें लगी हुईं थीं। धर्मपथ सहित शहर की सभी प्रमुख सड़कों पर जयघोष करते श्रद्धालु उमड़ पड़े और राम नाम की गूंज से नगर भक्तिरस से सराबोर हो गया। लता मंगेशकर चौक पर हजारों की संख्या में भक्त एकत्रित होकर ध्वजारोहण का सीधा प्रसारण देखते रहे। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर शिखर पर धर्मध्वजा स्थापित की, उपस्थित जनसमूह भावविभोर होकर जय श्रीराम के उद्घोष में डूब गया।

## ध्वज रघुकुल परंपरा और धर्म का प्रतीक : भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रामराज्य का ध्वज, जो कभी अयोध्या में फहराता था और संपूर्ण विश्व में अपने आलोक से सुख-शांति प्रदान करता था, वह ध्वज आज फिर नीचे से ऊपर चढ़कर शिखर पर विराजमान हो चुका है। इसे हमने अपनी आंखों से इसी जन्म में देखा है। ध्वज धर्म का प्रतीक होता है। इतना ऊंचा ध्वज चढ़ाने में भी समय लगा, ठीक ऐसे ही मंदिर बनाने में भी समय लगा। 500 साल छोड़ें तो भी 30 साल तो लगे ही। उस मंदिर के रूप में हमने उन तत्वों को ऊपर पहुंचाया है जिनसे संपूर्ण विश्व का जीवन ठीक चलेगा। उसी धर्म का प्रतीक भगवा रंग इस धर्म ध्वज का रंग है।

## ये यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, नए युग का शुभारंभ: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण को यज्ञ की पूर्णाहूति मात्र नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ करार दिया। उन्होंने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीराम भक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया।

## ब्रीफ न्यूज

### प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन पर सरकार से मांगी रिपोर्ट

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में उच्च न्यायालय प्रशासन समेत राज्य सरकार से प्रगति रिपोर्ट मांगी है। न्यायालय ने कहा कि प्रमुख सचिव विधि/विधि परामर्शी, अपर मुख्य सचिव वित्त अपने अलग-अलग हलफनामे दाखिल करके इन अदालतों के गठन के लिए हुई प्रगति बताएं। अदालत ने मामले को पहले दिए गए आदेश के तहत 26 नवंबर को सुनवाई के लिए पेश करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में इसी वर्ष स्वयं संज्ञान लेकर दर्ज कराई गई जनहित याचिका पर दिया। इससे पहले अदालत ने राज्य सरकार को जवाबी हलफनामे में 9149 अदालतों के गठन मामले में पहले दिए गए आदेश के तहत हुई प्रगति का ब्योरा पेश करने का आदेश दिया था।

### दुर्घटना में मौत पर 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

**नई दिल्ली।** दिल्ली मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने दोपहिया वाहन दुर्घटना में एक युवती की मौत के बाद उसके माता-पिता को 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। युवती की दो दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल से यात्रा के दौरान दुर्घटना में मौत हो गई थी। पीठासीन अधिकारी रुचिका सिंगला ने सात दिसंबर 2020 को हुई दुर्घटना में मारी गई शिल्पा के माता-पिता द्वारा दायर दावा याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। शिल्पा और उसकी दोस्त अंजलि दोपहिया वाहन पर सवार थे, जबकि उनका दोस्त रोहित उस वाहन को चला रहा था। न्यायाधिकरण ने कहा कि वाहन किसी अन्य व्यक्ति का है और उसका बीमा नहीं था। वाहन चालक और मालिक संयुक्त रूप से तथा पृथक रूप से मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी हैं।

# हिरासत में मौत सिस्टम पर धब्बा, देश नहीं करेगा बर्दाश्त

**थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- हिरासत में मौत नहीं होने दे सकते**

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिरासत में हिंसा और मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी संबंधी एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में पारित अपने आदेश का हवाला दिया और कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। पीठ ने कहा, आप हिरासत में मृत्यु नहीं होने दे सकते।

सितंबर में शीर्ष अदालत ने मीडिया की राजस्थान की एक खबर का स्वतः संज्ञान लिया था। यहां पुलिस हिरासत में हुईं 11 लोगों की मौत में से सात मामले उदयपुर संभाग से आए थे। एक अलग मामले में कोर्ट ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें भी सुनीं जो एक अलग मामले में 'एमिकस क्यूरी' के रूप में शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे हैं।

इस मामले में शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2020 में एक आदेश पारित किया था। उस आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और एनआईए सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था। पीठ को बताया गया कि केवल 11 राज्यों ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। दवे ने कहा कि पहले के मामले में भी कई राज्यों ने हलफनामे दाखिल नहीं किए थे। दवे ने कहा कि तीन केंद्रीय जांच एजेंसियों ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं, लेकिन अन्य तीन ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया है।

### बेंच ने पूछा- केंद्र इस अदालत को हल्के में ले रहा है क्या

पीठ ने केंद्र से भी पूछा कि उसने अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने पूछा, केंद्र इस अदालत को बहुत हल्के में ले रहा है, क्यों। मेहता ने कहा कि कोई अदालत को हल्के में नहीं ले सकता, केंद्र तीन सप्ताह में अनुपालन हलफनामा दाखिल करेगा। पीठ ने हलफनामे दाखिल न करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई 16 दिसंबर के लिए निर्धारित की। कहा, यदि इस तिथि तक हलफनामे दाखिल नहीं किए जाते हैं तो गृह विभाग में उनके प्रधान सचिव अपने स्पष्टीकरण के साथ अदालत के समक्ष उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय एजेंसियों के निदेशकों को भी अदालत में आना पड़ सकता है।

### गलत कारावास पर मुआवजे के लिए केंद्र राज्यों को नोटिस

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने गलत कारावास पीड़ितों को मुआवजा दिए जाने संबंधी अनुरोध को लेकर दायर जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। इसमें पीड़ितों को बरी किए जाने के बाद उनके लिए मुआवज़े और पुनर्वास की व्यापक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाने की मांग की गई है। कोर्ट ने केंद्र व सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि गलत या लंबी विचाराधीन हिरासत मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

# जल जीवन मिशन : 7 राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना

- परियोजना में गड़बड़ी पर केंद्र का कदम, गुजरात पर सबसे ज्यादा 120 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में अनियमितताओं को लेकर केंद्र ने सात राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सबसे ज्यादा 120.65 करोड़ का जुर्माना गुजरात पर लगाया गया है। इस जुर्माने की वसूली की भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

केंद्र ने पांच साल की अवधि में देश के हर घर में नल का जल कनेक्शन उपलब्ध कराने की मंशा से 2019 में जल जीवन मिशन शुरू किया था। जिन सात राज्यों से वसूली शुरू की गई है, उनमें गुजरात के अलावा तमिलनाडु, त्रिपुरा, असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान शामिल हैं।

### 20% बढ़ चुका है परियोजना का खर्च

अधिकारी ने बताया, इस योजना का प्रारंभिक परिव्यय 3.60 लाख करोड़ रुपये था, लेकिन इस पर 4.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। योजना में अनियमितताओं को लेकर देश भर से शिकायतें आ रही थीं, जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सख्ती करने के निर्देश जारी किए थे।

एक अधिकारी के मुताबिक केंद्र ने गुजरात से जुर्माना वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है और 6.65 करोड़ रुपये वसूल चुका है।

## इथोपिया से उठी ज्वालामुखी की राख से दिल्ली में कुछ उड़ानें रद्द, कई लेट

नई दिल्ली, एजेंसी

- डीजीसीए ने विमानन कंपनियों को दिया नियमों के पालन का निर्देश

इथियोपिया में ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के गुबार के कारण मंगलवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर करीब सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं और 10 से ज्यादा विदेशी उड़ानें देर से रवाना हो पाईं। अकेले एअर इंडिया ने सोमवार से अब तक 13 उड़ानें रद्द कर दीं।

दरअसल, इथियोपिया में हाल ही में हुए हेली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के बादल उड़ानों के संचालन को प्रभावित कर रहे हैं और ऐसी खबरें हैं कि ये बादल भारत के पश्चिमी हिस्सों की ओर बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी के मुताबिक ज्वालामुखी के राख के गुबार के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर आने और जाने वाली सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया और 12 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें विलंबित रहीं। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है, जहां रोज 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है।

मंगलवार को अन्य भारतीय विमानन कंपनियों की ओर से स्थिति के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई। हालांकि उनकी भी कई उड़ानें प्रभावित होने की संभावना है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सोमवार को विमानन कंपनियों से कहा था कि वे ज्वालामुखी की राख से प्रभावित क्षेत्रों व उड़ान स्तर पर नियमों का सख्ती से पालन करें।

**गंभीर संकट** | सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने जारी की रिपोर्ट, दिल्ली के बाद असम प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित

# दिल्ली में मानक से 20 गुना ज्यादा हुआ पीएम- 2.5 का स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय राजधानी में देश भर में सबसे ज्यादा प्रदूषण का जहर

देश के 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली सबसे प्रदूषित हो गई है. जहां पीएम 2.5 प्रदूषक तत्वों की सांद्रता का वार्षिक औसत 101 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया है। यह भारतीय मानक से 2.5 गुना और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से 20 गुना ज्यादा है। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' ने उपग्रह-आधारित विश्लेषण के आधार पर इस संबंध में रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 से फरवरी 2025 तक चंडीगढ़ में पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर 70 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया और वह इस मामले में दूसरे स्थान पर रहा, जिसके बाद हरियाणा में 63 और त्रिपुरा में 62 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर का स्तर दर्ज किया गया। असम 60, बिहार 59, पश्चिम बंगाल 57, पंजाब 56, मेघालय 53 और नगालैंड 52 में भी स्तर राष्ट्रीय मानक से अधिक था। कुल 749 जिलों में से 447 यानी 60 प्रतिशत जिलों में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से अधिक स्तर दर्ज किया गया। इन जिलों में वार्षिक पीएम2.5 का स्तर 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। विश्लेषण से पता चला कि सबसे प्रदूषित जिले कुछ ही राज्यों के हैं। इनमें दिल्ली और असम के 11-11 जिले मिलकर इस मामले में शीर्ष 50 में से लगभग आधे जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसके बाद बिहार और हरियाणा में सात-सात का स्थान है। उत्तर प्रदेश में चार, त्रिपुरा में तीन, राजस्थान में दो और पश्चिम बंगाल में दो जिले शामिल हैं।

### आशंका: इथोपिया से उठा ज्वालामुखी की राख का गुबार और जहरीली हो सकती है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को भी घनी धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता ' 'बेहद खराब'' बनी रही। इस बीच आशंका जताई जा रही है कि इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने के बाद उठा राख का गुबार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को और बढ़ा सकता है। इथियोपिया के अफार क्षेत्र में स्थित ढाल-ज्वालामुखी हायली गुब्बी रविवार को फट गया, जिससे राख का गुबार करीब 14 किमी (45,000 फुट) की ऊंचाई तक गया और लाल सागर की ओर पूर्व दिशा में फैलने लगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार ये राख के गुबार चीन की ओर बढ़ रहे हैं और मंगलवार शाम साढ़े सात बजे तक भारत से दूर चले जाएंगे। विभाग ने बताया कि पूर्वानुमान मॉडल के मुताबिक मंगलवार को गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा पर राख का कुछ प्रभाव देखा जा सकता है।

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मोहम्मद हनीफ वारसी
प्रमुख राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
भारतीय किसान यूनियन भानू
जनपद रामपुर
आकिल
वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रामपुर
शोएब अली पाशा
राष्ट्रीय महासचिव युवा
निजाम अली
जिला सचिव
बाबा सुरेंद्र सिंह
जिला प्रभारी
आरिफ अली एड
युवा जिला प्रभारी
सलीम वारसी
जिला अध्यक्ष
अकरम खान
ब्लॉक उपाध्यक्ष, शाहबाद


दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ST. PAUL'S SCHOOL RAMPUR
FOR TRUTH AND COUNTRY
ST.PAUL'S SCHOOL
RAMPUR (U.P.)
(Affiliated to C.B.S.E. New Delhi)
FACILITIES
Qualified, Dedicated & Inspiring Faculty
Ideal Student-Teacher Ratio
Child Centered Curriculum
Podium Friendly Activities & Stage Exposure
Digital E-Learning In Classroom
Enhanced Safety Features
Well Equipped Activity Room
Biggest Field in Rampur for Sports Activities
Separate Wing for Girls
DIGITAL CLASSES
LAB ACTIVITIES
CULTURAL ACTIVITIES
SPORTS ACTIVITIES
PHONE : 2350433, 2357089, 9219404596
website: www.saintpaulsrampur.in


दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Radico
Radico Khaitan Limited
रेडिको खेतान लिमिटेड
ISO-9001:2015 एवं 22000:2005 प्रमाणित कम्पनी
रजिस्टर्ड ऑफिस एवं वर्क्स : बरेली रोड, रामपुर (उ.प्र.) 244901
फोन : 0595-2350601/602, 2351391 फैक्स 0595-2350009
ई-मेल : rampur@radico.co.in
कॉर्पोरेट ऑफिस : जे-1, ब्लाकप्लाट बी-1 मोहन कॉपोरेटिव इंडस्ट्रियल
एरिया मथुरा रोड, नई दिल्ली-110044
फोन : 011-40975450, 444, 500, 555
फैक्स : 011-41678841-4, 4167618
ई-मेल : info@radico.co.in

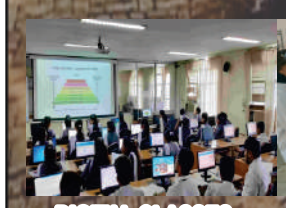

आज का मौसम
22.0° अधिकतम तापमान
13.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.39
सूर्यास्त 05.16

## सिटी ब्रीफ

### यात्रियों की सुविधा के लिए चली सहारनपुर बनारस अनारक्षित ट्रेन

**मुरादाबाद, अमृत विचार :** रेल मंडल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए सहारनपुर बनारस-सहारनपुर अनारक्षित स्पेशल गाड़ी संख्या 04552 व 04551 का संचालन एक फेरे के लिए किया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि ट्रेन संख्या 04552 सहारनपुर से दोपहर 2:00 बजे चलेगी। यह गाड़ी शाम 5:50 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी। यहां स्टापेज 10 मिनट का होगा। इसके बाद यह ट्रेन बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, आलमनगर, रायबरेली होकर मां बेहलादेवी धाम प्रतापगढ़, जंघई होकर अगले दिन सुबह 7:00 बजे बनारस पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 04551 दोपहर 2:00 बजे बनारस से चलकर वापसी में बरेली-मुरादाबाद होकर सहारनपुर आएगी।

### अलग-अलग दुर्घटनाओं में पांच लोग घायल

**ठाकुरद्वारा, अमृत विचार :** ठाकुरद्वारा क्षेत्र के अलग-अलग मार्गों पर दुर्घटनाओं में पांच लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोतवाली क्षेत्र के गांव रतुपुरा निवासी सरवर अली पुत्र शमसुद्दीन अपनी बाइक से ठाकुरद्वारा आ रहे थे पीछे से अज्ञात कर चालक ने बाइक में टक्कर मार दी जिस पर वह सड़क पर गिर कर घायल हो गए। वहीं कोतवाली क्षेत्र के गांवरामपुर बलभद्र निवासी मयंक यादव पुत्र नरपल सिंह ठाकुरद्वारा से अपने गांव वापस जा रहे थे। रामू वाला गणेश में पिलकपुर गांव के निकट सामने से वहां से बाइक को बचाने चक्कर में वह बाइक सहित सड़क पर गिर कर घायल हो गए। थाना डिलारी क्षेत्र के गांव जटपुरा निवासी जाकिर पुत्र जफर अलीबैग पिलकपुर निवासी विकास कुमार मैं गोपी वाला निवासीअंसार पुत्र सगीर अहमद अलग-अलग दुर्घटना में घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद सभी घायलों को घर भेज दिया गया।

# पीएनबी का एटीएम उखाड़ ले गए चोर अमरोहा में मिला, 7 लाख रुपये गायब

## नकाब लगाकर एटीएम में घुसे चोर ने सीसीटीवी को स्प्रे से किया निष्क्रिय

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

**अमृत विचार :** दिल्ली रोड स्थित हाईवे पर लोकोशेड पर कंटेनर डिपो के समीप पंजाब नेशनल बैंक के आईसीडी ब्रांच के बाहर लगे एटीएम को बदमाश दीवार में सेंधमारी कर चुरा ले गए। सूचना मिलते ही पुलिस महकमें में हलचल मच गई। मौके पर सिविल लाइन पुलिस के साथ एसपी सिटी ने चोरों की तलाश में पुलिस की कई टीमें दौड़ाई। फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की। हालांकि एटीएम अमरोहा जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में क्षतिग्रस्त हालत में मिला। लेकिन उसमें रखे सात लाख रुपये गायब थे। बताया जा रहा है कि एमटीएम में घुसे चोर ने सीसीटीवी कैमरों स्प्रे की मदद निष्क्रिय कर दिया। पुलिस ने बैंक प्रबंधक की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सोमवार की देर रात 3 बजे के करीब लोकोशेड पुल के पास हाईवे पर चोर पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को उखाड़ ले गए। पुलिस के अनुसार एटीएम में सात लाख



चोरों द्वारा तोड़ा गया एटीएम।

- थाना सिविल लाइंस पुलिस के अलावा एसपी सिटी फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे

रुपये उस वक्त मौजूद थे। वारदात का पता मंगलवार की सुबह लगा तो क्षेत्रीय लोगों के साथ पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई। सिविल लाइन प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना के अलावा एसपी सिटी कुमार रणविजय भी फॉरेंसिक टीम लेकर मौके पर पहुंचे। जिसके बाद एसपी सिटी ने बैंक प्रबंधक मिंटू शर्मा से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि एक दिन पहले एटीएम में 8 लाख रुपये डाले गए थे, जिसमें से एक लाख रुपये उपभोक्ताओं ने निकाले थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि चोरों में एक ने नकाब लगाया था। वह एमटीएम में घुसा और फिर वहां लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे कर उन्हें निष्क्रिय करता दिखाई दे रहा था। पुलिस ने आसपास के मकानों व प्रतिष्ठानों के सीसीटीवी कैमरे चेक किए। उनकी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कराई तो अमरोहा जिले के रजबपुर थाने के टोल प्लाजा के पास लोकेशन के पास में ही क्षतिग्रस्त हालत में एटीएम पड़ा मिला।

घटनास्थल पर पुलिस कर्मियों से जानकारी लेते एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह।

### बदमाशों की तलाश में एसओजी समेत चार टीमें लगाई

एसपी सिटी ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी कैमरों में देखने लगता है चोरों के पास कोई लग्जरी कार थी।उन्होंने बताया पुलिस ने रजबपुर थाना क्षेत्र से एटीएम बरामद कर लिया है। चोरों की तलाश में एसओजी समेत चार टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही घटना का खुलासा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बैंक प्रबंधक मिंटू शर्मा की ओर से मिली तहरीर के आधार पर सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

## भूमिगत गैस पाइपलाइन लीक, लोगों की सूझबूझ से बचा हादसा

**बिलारी,अमृत विचार:** सोमवार की दोपहर बिलारी नगर के भीड़भाड़ वाले चौराहे रैली चौक में टोरेंट गैस कंपनी की भूमिगत पाइपलाइन में गैस लीक होने लगी। जहां कुछ दिन पूर्व विद्युत का एक नया खंभा लगा है। जिसके गाड़े जाने से भूमिगत गैस पाइप लाइन कहीं से क्षतिग्रस्त हो गई। जिस कारण दोपहर से ही गैस लीक होने लगी थी तभी शाम को अचानक खंभे की जड़ में से गैस ने आग पकड़ ली। आग लगने से लोगों और दुकानदारों में डर की स्थिति बन गई दुकानदारों ने एकत्र होकर पानी डालकर गैस बुझाने की कोशिश की लेकिन बेकाबू होती चली गई तभी समझदार लोगों ने कंपनी के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर कंपनी को सूचना दी। मौके पर कंपनी के कर्मचारियों ने पहुंचकर आग बुझाई तब लोगों ने राहत की सांस ली। लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से टल गया।

खंभे के नीचे से लीक गैस में लगी आग।

# आरोप: जेल में आजम खां को नहीं मिल रहीं मूल सुविधाएं



राजद्वारा स्थित कैंप कार्यालय में प्रेसवार्ता करते सपाई। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- राजद्वारा स्थित कार्यालय में हुई प्रेसवार्ता में बोले सपाई

**अमृत विचार :** राजद्वारा स्थित सपा कैंप कार्यालय पर प्रेसवार्ता करते हुए सपाइयों ने जेल में आजम खां से आम बंदियों की तरह बर्ताव करने का आरोप लगाया है। नगर अध्यक्ष आसिम राजा ने कहा कि न्यायालय के आदेश से बंद सपा नेता आजम खां को मूल सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है।

आसिम राजा ने कहा कि वरिष्ठ राजनेता की हैसियत रखने वाले मोहम्मद आजम खां को सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। जबकि न्यायालय ने ए श्रेणी की सभी आवश्यक सुविधाएं देने के निर्देश दिए हैं। आरोप है कि आजम खां की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। जिस बैरक में उन्हें रखा गया है, उसमें 28 खिड़कियां है जो कि क्षतिग्रस्त हैं, उनमें शीशे तक नहीं हैं। रात में बंद न होने के कारण बैरक में ठंडी हवाएं आती हैं। जमीन पर सोने के लिये मजबूर किया जा रहा है। नमाज पढ़ने तथा वजू करने के लिए कुर्सी या स्टूल भी नहीं दिया जा रहा है। ओढ़ने के लिये कंबल आदि उपलब्ध नहीं कराया है। इससे सपा कार्यकर्ताओं और रामपुर के लोगों में बहुत बेचैनी और परेशानी है। उनका कहना है कि न्यायालय के आदेश के बावजूद मोहम्मद आजम खां को सुविधाओं से वंचित रखना अत्यंत चिंता का विषय है। प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष अजय सागर, पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल, वरिष्ठ नेता अमित शर्मा मौजूद रहे। जेल प्रशासन व जिला प्रशासन से अपील की कि उनकी आयु व राजनैतिक कद को देखते हुए आवश्यक सुविधाएं दी जाएं।

**सामान्य बंदियों की तरह दी जा रही सुविधा :** जेल अधीक्षक राकेश कुमार यादव ने बताया कि आजम खां को सामान्य बंदियों की तरह ही सुविधाएं दी जा रही हैं। कौन क्या आरोप लगा रहा है इसकी जानकारी नहीं है। उनके पास को पत्र ऐसा नहीं आया है।

# 18 उप निरीक्षकों का स्थानांतरण, कई थानों के प्रभारी बदले गए

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- एसएसपी बोले, तत्काल प्रभाव से लागू होंगे आदेश

**अमृत विचार:** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने 18 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में फेर बदल कर दिया है। वहीं कुछ थानों में उप निरीक्षकों के खाली पदों पर तैनाती भी की है। कहा कि सभी स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

जारी सूची के अनुसार उपनिरीक्षक सुरेन्द्र कुमार को थाना ठाकुरद्वारा से थाना कोतवाली में वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाया गया है। उपनिरीक्षक यशवीर सिंह को थाना कोतवाली से थाना ठाकुरद्वारा में वरिष्ठ उपनिरीक्षक और उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार गौतम को चौकी कस्बा थाना कांठ से थाना गलशहीद भेजा गया है। उपनिरीक्षक राहुल राघव को चौकी फैजगंज थाना मुगलपुरा से चौकी कस्बा थाना कांठ में स्थानांतरित किया गया है। उपनिरीक्षक ओम पुंडीर को चौकी गुलाबबाड़ी थाना कटघर से हटाकर थाने में भेजा गया है। उपनिरीक्षक योगेश कुमार को मझोला के टीपी नगर चौकी से पुलिस चौकी गुलाबबाड़ी कटघर भेजा गया है। उपनिरीक्षक सतीश को थाना मझोला से चौकी टीपी नगर, उपनिरीक्षक राहुल गोयल को चौकी वीरपुर थाना भगतपुर से चौकी फैजगंज थाना मुगलपुरा में, उपनिरीक्षक विनीत गौतम को थाना ठाकुरद्वारा से चौकी वीरपुर थाना भगतपुर भेजा गया। उपनिरीक्षक मृनेश कुमार को पुलिस लाइन से चौकी नई बस्ती थाना कोतवाली में तैनात किया गया है। उपनिरीक्षक गौरव कुमार को थाना छजलैट से चौकी नई बस्ती थाना कोतवाली, उपनिरीक्षक पवन कुमार शर्मा को थाना पाकबड़ा से चौकी मंडी चौक थाना कोतवाली में प्रभारी बनाया गया है। उपनिरीक्षक अजय कुमार दुबे को थाना बिलारी से चौकी पीपलसाना थाना भोजपुर भेजा गया है। उपनिरीक्षक विपिन कुमार को थाना नागफनी से चौकी बंगला गांव थाना नागफनी में ही तैनाती दी गई है। उपनिरीक्षक बृजपाल सिंह को थाना सोनकपुर भेजा गया है।

### महिला उपनिरीक्षक सोनम पूनिया को थाना कटघर भेजा

उपनिरीक्षक जुगेंद्र तेवतिया को पुलिस लाइन से चौकी कस्बा थाना भोजपुर में प्रभारी बनाया गया। महिला उपनिरीक्षक सोनम पूनिया को महिला थाना से स्थानांतरित कर थाना कटघर भेजा गया है। उपनिरीक्षक सुधीर कुमार को पुलिस लाइन से न्यायालय सुरक्षा ड्यूटी में लगाया गया है। एसएसपी ने बताया कि इन तबादलों का उद्देश्य कार्य क्षमता में सुधार और कानून व्यवस्था को और चुस्त बनाना है।

## दो पैनकार्ड सजा मामले में 5 दिसंबर को सुनवाई

दो पैनकार्ड मामले में सपा नेता आजम खां और बेटे अब्दुल्ला आजम खां ने सजा के खिलाफ सेशन कोर्ट में अपील दाखिल की है। जिसमें मंगलवार को अभियोजन पक्ष ने समय मांगा है। अब इस मामले में 5 दिसंबर को सुनवाई होगी। दो पैन कार्ड से जुड़े मामले में भाजपा के शहर विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 छह साल पहले सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। असत्य एवं कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर पैन कार्ड बनवाया गया। उसके बाद उसका उपयोग में भी लाया गया था। एक पैनकार्ड में जन्म तिथि 1 जनवरी 1993 है। दूसरे में जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्ज है। पुलिस ने जांच पूरी करके आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिए थे। 18 नवंबर को आजम खां और उनके बेटे को सात-सात साल की सजा के साथ 50 हजार का जुर्माना किया था। पुलिस कस्टडी में दोनों जिला कारागार में चले गए थे। आजम खां और उनके बेटे ने अधिवक्ता के माध्यम से सजा के खिलाफ सेशन कोर्ट में अपील की है। एडीजीसी सीमा सिंह राणा ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने समय मांगा है। अब इस मामले में 5 दिसंबर को सुनवाई होगी।

# 6 घंटे गुल रही बिजली, 10 हजार की आबादी प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- घोषित समय से तीन घंटे अधिक लगने पर बिजली के न होने से दिनचर्या प्रभावित

**अमृत विचार:** शहर के पीलीकोठी और पीटीसी विद्युत केंद्र से जुड़े करीब 10 हजार उपभोक्ताओं को मंगलवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा, जब सुबह 11 बजे से शाम तक बिजली आपूर्ति ठप रही। विभाग ने पेड़ों की कटाई-छंटाई के लिए दोपहर 3:30 बजे का शटडाउन लिया था लेकिन बिजली इससे कई घंटे पहले ही काट दी गई,जिससे उपभोक्ताओं का दिनभर का कार्यक्रम अस्त-व्यस्त हो गया।

मंगलवार दिन में 11 बजे पीली कोठी और पीटीसी विद्युत केंद्र से जुड़े उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति तय शट डाउन के मुताबिक बंद कर दी गई थी। बिजली गुल होने से लोगों को सुबह से ही दिक्कतें शुरू हो गईं। विभागीय लापरवाही का आलम यह रहा कि निर्धारित समय के बाद भी शाम 6 बजे तक बिजली बहाल नहीं हुई। लंबे समय तक बिजली आपूर्ति न रहने से सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को हुई। घरेलू कामकाज ठप पड़ गया और घरों के पानी के टैंक खाली हो गए, जिससे पीने और खाना बनाने का संकट खड़ा हो गया। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि विभाग की ओर से दी गई सूचना के अपेक्षा 3 घंटे अतिरिक्त बिजली आपूर्ति बंद होने से सबसे ज्यादा पानी की किल्लत पैदा हो गई। विभाग पेड़ों की कटाई के नाम पर लंबे शटडाउन दे रहा है, लेकिन समय से बिजली बहाल नहीं कर रहा है। इससे पहले भी तय समय सीमा के बाहर बिजली गुल रहने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।उपभोक्ताओं का कहना है कि जरूरत से ज्यादा देर बिजली कटौती और गलत शटडाउन टाइमिंग विभाग की तैयारी और तालमेल पर सवाल खड़े करती है।

> सुबह 11 बजे 3:30 बजे तक पेड़ों की कटाई छटाई का कार्य किया जाना था। कार्य के दौरान प्रेम फिलिंग स्टेशन के सामने बने फीडर फाल्ट होने से ब्रेक डाउन हो गई थी। जिससे ठीक करने ढाई से तीन घंटे लग गए।
>
> **-नागेंद्र कुमार**, सहायक अभियंता तकनीकी

# संभल में शराब कारोबारी के मैनेजरों से 8 लाख की लूट

कार्यालय संवाददाता,संभल

**अमृत विचार:** संभल में मंगलवार शाम बदमाशों ने शराब की दुकानों से कलेक्शन कर लौट रहे शराब कारोबारी के मैनेजरों से आठ लाख की रकम लूट ली।

शराब कारोबारी के मैनेजर राजेंद्र भाटी व सौरभ चौधरी असमोली थाना क्षेत्र के हरथला,टांडा कोठी,महमूदपुर व सिरसी सहित कई दुकानों से शराब बिक्री की रकम लेने के बाद देर शाम लौट रहे थे। मैनेजर राजेंद्र का कहना है कि फिरोजपुर पुल पर पीछे से आये बाइक सवार बदमाशों ने उनकी बाइक में टक्कर मार रोक लिया और चाभी निकाल ली। तमंचे तान दिये और उनकी बाइक,मोबाइल व आठ लाख रुपये लूट लिए। जान से मार देने की धमकी देते हुए बदमाश सिरसी की तरफ चले गये। बदमाशों ने कुछ दूर चलने के बाद उनकी बाइक सड़क किनारे फेंक दी। दोनों ने घटना की जानकारी पुलिस व अपने ऑफिस में दी। सीओ आलोक भाटी भी मौके पर पहुंच गये। हजरतनगर गढ़ी व कोतवाली पुलिस देर रात तक बदमाशों की तलाश में जुटी रही लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग पाया।

सिरसी चौकी में खड़े दोनों मैनेजर।

## बाइक सवार युवक की दुर्घटना में मौत

**बिजनौर, अमृत विचार:** बाइक सवार एक युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर में मौत हो गई। मृतक की पहचान जन्दरपुर थाना कोतवाली शहर बिजनौर निवासी फुरकान (22) पुत्र अनीस के रूप में हुई है। फुरकान मण्डावर से अपनी बाइक पर घर लौट रहा था, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। फुरकान मण्डावर से अपना आधार कार्ड सही कराकर वापस घर लौट रहा था। वह एक टेलर के कारखाने में काम करता था। वाहन चालक की तलाश जारी है।

दिक्कत | वाहनों का धुआं, सड़कों से उड़ती धूल और फैक्ट्रियों का प्रदूषण बना वजह

# प्रदूषण बढ़ा, दिल्ली रोड पर एक्यूआई रेड जोन में

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में एक्यूआई सर्वाधिक 239 पीजीएम में किया गया रिकॉर्ड
- सबसे कम महानगर के जिगर कॉलोनी क्षेत्र में 100 पर रहा सूचकांक

**अमृत विचार:** दिल्ली में खतरनाक होते वायु प्रदूषण का असर मुरादाबाद में भी पड़ रहा है। मंगलवार सुबह दस बजे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की साइट पर मुरादाबाद में वायु प्रदूषण स्तर तेजी से बढ़ना दर्ज किया गया। दिल्ली रोड पर ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सर्वाधिक 239 पीजीएम जो रेड जोन में रिकॉर्ड किया गया।

पिछले कई दिनों से दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ने का असर आसपास के क्षेत्रों में भी पड़ रहा है। इसके अलावा शहरों में बढ़ते वाहनों के धुएं से हो रहे प्रदूषण से भी सांस लेना मुश्किल हो रहा है। बेहतर हवा का मानक 50 पीजीएम (घन प्रति मिलियन) तक रहता है। लेकिन मंगलवार की सुबह दिल्ली रोड पर ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर 239 पीजीएम तक पहुंच गया। जिससे प्रदूषित हवा में सांस लेना इस क्षेत्र के लोगों के लिए मुश्किल होने लगा। वहीं कांशीराम नगर में 150, दिल्ली रोड पर स्थित बुद्धि विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 140, ट्रांसपोर्ट नगर में 132, कांठ रोड के सेवायोजन कार्यालय क्षेत्र में 137 और सबसे कम महानगर के जिगर कालोनी क्षेत्र में 100 पर सूचकांक रहा। वायु प्रदूषण के लिए प्रमुख कारण शहरों में वाहनों से निकलने वाला हानिकारक धुआं, सड़कों से उड़ती धूल, औद्योगिक इकाइयों से निकलता धुआं व रसायन आदि भी माना जाता है।

### वाहनों की बढ़ती संख्या बन रही वजह, लोगों के स्वास्थ्य पर असर

वाहनों की बढ़ती संख्या भी प्रदूषण बढ़ाने में सहायक बन रही है। इससे क्लीन एंड ग्रीन मुरादाबाद की संकल्पना को नुकसान पहुंच रहा है। वायु प्रदूषण के चलते अस्थमा और सांस लेने में परेशानी वाले मरीजों की दिक्कत बढ़ रही है। ऐसे में लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए नगर निगम की सहयोगी संस्थाएं लोगों को जागरूक कर रही हैं। लेकिन महानगर में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए नगर निगम की नागरिकों से अपील बेअसर साबित हो रही है।

### शहर को क्लीन एंड ग्रीन रखने में निभाएं भूमिका

नगर निगम के पर्यावरण अभियंता अभिषेक कुमार का कहना है कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाता है। इसके साथ ही नगर निगम मैकेनिकल रोड क्लीनिंग कराने के साथ ही वाटर स्प्रिंकलर से पेड़ों व सड़कों पर पानी का छिड़काव करता है। जिससे धूल के कण ऊपर आकर हवा में न मिल सकें। लोगों से अपील है कि वह मुरादाबाद को क्लीन एंड ग्रीन रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

अमृत विचार

मुरादाबाद , बुधवार,26 नवंबर 2025



# गुरु साहिब से मिलती है निडरता और सेवा की प्रेरणा

## लालबाग गुरुद्वारे में शबद कीर्तन से संगत ने गुरु तेग बहादुर को किया नमन, गुरुवाणी से गहराया भक्ति का रंग

गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब में गुरुवाणी गाती रागी जत्था। ● अमृत विचार

गुरुद्वारे में गुरुवाणी सुनतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह को सम्मानित करते गुरुद्वारा कमेटी के सदस्य व पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

**अमृत विचार :** लालबाग स्थित गुरु तेग बहादुर साहिब गुरुद्वारा में मंगलवार को गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस पर शबद कीर्तन का आयोजन सादगी और श्रद्धा के साथ किया गया। सुबह से ही संगत गुरुद्वारे में माथा टेकने पहुंचने लगी और दीवान हाल 'वा हे गुरु' के जयकारों से गूंज उठा। पटियाला से पहुंचे कुलविंदर सिंह कौर के जत्थे ने गुरुवाणी का रस बरसाते हुए गुरु तेग बहादुर साहिब के जीवन और उनके बलिदान की गाथा संगत के सामने रखी। कीर्तन के दौरान जब शीश दिया पर सिर न दिया जैसे शबद कीर्तन की स्वर लहरियां गूंजीं तो हॉल में बैठे श्रद्धालु भाव-

तेजेंद्र सिंह।

जसप्रीत सिंह सॉफ्टी।

गुरविंदर सिंह बिट्टू।

भगवंत सिंह।

विभोर हो उठे। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने आंखों में नमी और जुबां पर गुरुवाणी के साथ गुरु साहिब के चरणों में नमन करते हुए अद्वितीय शहादत को याद किया। कार्यक्रम के अंत में अरदास के बाद गुरुद्वारा परिसर में लंगर लगाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने बैठकर प्रसाद ग्रहण किया और सेवा का सुख महसूस किया।

**यह है गुरुद्वारे का इतिहास :** सिख धर्म के संगठन और सेवा कार्यों के लिए गुरु तेग बहादुर 13 सितंबर 1670 में मुरादाबाद आए थे। परंपरानुसार, वह गुरु नानक देव जी के यात्रा-स्थलों की दृष्टि से भारत भ्रमण के क्रम में असम से लौटते समय पटना, बनारस, अयोध्या, लखनऊ होते हुए शाहजहांपुर और बरेली के रास्ते मुरादाबाद पहुंचे थे। इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य गुरु नानक देव जी के आगमन स्थल रतनपुर कलां के पास स्थित नानकबाड़ी गुरुद्वारा में सेवा कार्य को आगे बढ़ाना था, जो आज भी दिल्ली रोड पर गागन नदी के किनारे सिख इतिहास की जीवंत निशानी के रूप में जाना जाता है। यहां से हरिद्वार, जगाधरी, अंबाला होते हुए लखनौर पहुंचे। सिख समाज ने गुरु तेग बहादुर साहिब के मुरादाबाद आगमन की स्मृति को स्थायी रूप देने के लिए उनके प्रवास स्थल को भव्य गुरुद्वारे का रूप दिया। लालबाग में छोटी काली मंदिर के उत्तर दिशा में काली मंदिर प्रशासन के सहयोग से प्राप्त भूमि पर गुरु तेग बहादुर साहिब का यह गुरुद्वारा लगभग 1940 के आसपास, स्वाधीनता से पहले स्थापित किया गया। समय के साथ बढ़ती संगत और सुविधाओं को देखते हुए गुरुद्वारे का जीर्णोद्धार वर्ष 1992 में किया गया, जिसके बाद यहां धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक और सेवा कार्यों की गतिविधियां और गति से चलने लगीं। वर्तमान में गुरुद्वारा प्रबंधन की बागडोर प्रधान गुरप्रीत सिंह दुआ संभाल रहे हैं।

### मंडलायुक्त बोले-ऐसे आयोजन समाज को एकता, भाईचारे और सेवा की देते हैं प्रेरणा

गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें बलिदान दिवस के अवसर पर मंगलवार को गुरुद्वारा लालबाग में समागम आयोजित किया गया। शबद कीर्तन में श्रद्धालुओं ने गुरु साहिब की शिक्षाओं को स्मरण करते हुए अरदास में हिस्सा लिया। संगत ने लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह, एसपी सिटी रणविजय सिंह, एसपी ट्रैफिक सुभाष गंगवार आदि अतिथि रहे। आयोजकों ने अतिथियों को सरोपा और प्रतीक स्वरूप तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने मानवता की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनकी याद में किए ऐसे आयोजन समाज को एकता, भाईचारे और सेवा की प्रेरणा देते हैं। लालबाग गुरुद्वारे के प्रधान सरदार गुरप्रीत सिंह दुआ, सरदार मंजीत सिंह सदर, अमरजीत सिंह, सतनाम सिंह, सतवीर सिंह, तरनदीप सिंह, नवनीत सिंह, हरबंस सिंह चड्ढा, राजेंद्र सिंह सहितद अन्य लोग मौजूद रहे।

### अन्याय के सामने न झुकने का संदेश देती है शहादत

श्रद्धालु जसप्रीत सिंह सोफ्टी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी सिख ही नहीं, पूरे मानव समाज के लिए निडरता की जीवंत मिसाल हैं। उनकी शहादत हर व्यक्ति को यही संदेश देती है कि अन्याय और जबरन धार्मिक परिवर्तन के सामने कभी झुकना नहीं चाहिए, चाहे इसके लिए प्राणों की आहुति ही क्यों न देनी पड़े। तेजेंद्र सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन त्याग, सहनशीलता और आत्मबल का पाठ पढ़ाता है। उन्होंने बताया कि गुरु साहिब ने अत्याचार झेलकर भी न तो अपने सिद्धांत छोड़े और न ही किसी अन्य के धर्म पर अंगुली उठने दी। बल्कि, हर इंसान के धार्मिक अधिकार की रक्षा की।

भगवंत सिंह ने गुरु साहिब के जीवन से सेवा और सबके प्रति समान दृष्टि की सीख को सबसे बड़ी पूंजी बताया। कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने दिखाया कि धर्म का सार जरूरतमंदों के साथ खड़ा होना और कमजोरों का सहारा बनना है, न कि केवल कर्मकांडों तक सीमित रहना। गुरविंदर सिंह बिंटू ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी बच्चों और युवाओं के लिए आदर्श चरित्र हैं, जिन्होंने भय के बजाय भरोसे और भरोसे के साथ परोपकार का रास्ता चुना।

## ब्रीफ न्यूज

### गुरु तेग बहादुर ने की हिंदू समाज की रक्षा

**मुरादाबाद, अमृत विचार :** भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई के पूर्व अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता एडवोकेट मंगलवार को गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर लालबाग स्थित गुरुद्वारे में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां सिख समाज के लोगों ने उन्हें सम्मानित किया। भाजपा नेता ने गुरुद्वारे में माथा टेक कर आशीर्वाद प्राप्त कर गुरु तेग बहादुर जी को नमन किया। कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने अपना बलिदान देकर पूरे हिंदू समाज की रक्षा कर एक अनोखी मिसाल कायम की, साथ ही युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम किया। उनके बलिदान को पूरा समाज शहीदी दिवस के रूप में मनाकर उनके त्याग एवं बलिदान को याद करता है। हमें उनके बलिदान से सीख लेनी चाहिए।

### फिल्म अभिनेता धर्मेन्द्र को दी श्रद्धांजलि

**मुरादाबाद, अमृत विचार :** जाने माने फिल्म अभिनेता धर्मेन्द्र के निधन पर आर्य समाज स्टेशन रोड पर शोकसभा में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई है। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानेंद्र गांधी ने बताया कि फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र का घर वैदिक रीति से ओतप्रोत था। उनका अंतिम संस्कार आर्य समाज सांताक्रूज के पुरोहित आचार्य भूपेंद्र शास्त्री ने वैदिक रीति कराया। इससे आर्य समाज के आर्यबंधुओं में गौरव की अनुभूति हो रही है। श्रद्धांजलि देने वालों में डॉ. अभय श्रोत्रिय, एडवोकेट रमेश सिंह आर्य, लोकेश आर्य, सुदेश आर्य, मीरा सोती, डॉ. राममुनि, यशपाल आर्य, कपिल मुनि, अजब सिंह आर्य आदि शामिल रहे।

# उत्कृष्ट ग्राम पंचायत बनने की होड़, ग्राम प्रधान विकास कार्यों में जुटे

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

**अमृत विचार:** प्रदेश में उत्कृष्ट ग्राम पंचायत घोषित होने की प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। करोड़ों रुपये का पुरस्कार हासिल करने के लिए जिले की कई ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की रफ्तार अचानक बढ़ गई है। ग्राम प्रधान अपने-अपने गांवों को उत्कृष्ट श्रेणी में लाने के लिए हर संभव प्रयास करने में जुट गए हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित मानकों स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण, कूड़ा प्रबंधन, शौचालय उपलब्धता, स्ट्रीटलाइट, डिजिटल सेवा केंद्र और सामाजिक विकास को पूरा करने के लिए ग्राम प्रधान लगातार नए कार्य शुरू करा रहे हैं। कई पंचायतों में पहले से लंबित काम भी तेजी से पूरे कराए जा रहे है। सूत्रों के अनुसार, पंचायती राज विभाग की ओर से जारी होने वाली उत्कर्ष ग्राम पंचायत सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए कई ग्राम प्रधान विभागीय अधिकारियों से निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं। वह बेहतर अंक सुनिश्चित करने के लिए गोटी फिट कर रहे हैं। क्योंकि ग्राम पंचायतों को उत्कर्ष श्रेणी में चयनित होने पर करोड़ों रुपये की धनराशि पुरस्कार स्वरूप मिलती है। ग्रामीण भी सोच रहे हैं कि इस होड़ में उनके गांव का स्वरूप भी बेहतर होगा।

> यदि कुछ प्रधान ऐसा सोचते हैं कि निचले स्तर पर सांठगाठ करने से कुछ किए बिना बेहतर अंक मिल जाएगा तो यह संभव नहीं है। सभी ग्राम पंचायतों का मूल्यांकन पारदर्शी तरीके से किया जाएगा, और अनियमितताओं में लिप्त कर्मचारी-अधिकारी पर कार्रवाई भी होगी। **-आलोक कुमार शर्मा,** जिला पंचायत राज अधिकारी

# डेंगू से संक्रमित मरीजों में फिर हो रही बुखार की शिकायत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

**अमृत विचार :** मौसम में हुए बदलाव की वजह से सबसे ज्यादा परेशानी पिछले दिनों डेंगू से ठीक हुए मरीजों को हो रही है। डॉक्टरों के अनुसार पिछले एक सप्ताह में मौसम में काफी बदलाव आया है। शुष्क या नम हवा में वायरस और बैक्टीरिया आसानी से फैलते हैं। हवा में नमी और तापमान में बदलाव के कारण वायरस, बैक्टीरिया और फंगस तेजी से बढ़ते हैं। ऐसे में सर्दी-खांसी, फ्लू, और अन्य सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है।

जिला अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों में कुछ मरीज ऐसे भी आ रहे हैं जो हाल के दिनों में डेंगू का इलाज कराने के बाद स्वस्थ हुए थे।

ऐसे मरीज फिर संक्रमण और बुखार होने पर पर डेंगू की आशंका के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं, जांच के बाद पुष्टि हुई कि वे मौसम बदलाव की वजह से संक्रमण से ग्रसित हैं न कि डेंगू की वजह से।

### ठंडी हवा चलने पर सिकुड़ने लगते है नाक और गले के ऊतक

जनरल फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि तापमान में गिरावट होने से जब ठंडी हवा चलती है तो नाक और गले के ऊतक सिकुड़ने लगते हैं। इससे व्हाइट ब्लड सेल्स वहां तक आसानी से नहीं पहुंच पाते। इम्युनिटी कमजोर होती है और वायरस को हमला करने का मौका मिल जाता है। हवा की नमी बदलना, सर्द मौसम में हवा शुष्क हो जाती है। ठंड में राइनोवायरस और इन्फ्लूएंजा वायरस ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं। नाक का तापमान जैसे ही शरीर के औसत तापमान से 3-4 डिग्री कम होता है, वैसे ही वायरस का हमला तेज हो जाता है।

### ये बरतें सावधानी

● घर के आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरदानी लगाए। ● पानी हमेशा उबालकर या फिल्टर करके पिएं।

● गीले कपड़े तुरंत बदलें और त्वचा को सूखा रखें। ● बाहर का खुले में बिकने वाला खाना न खाएं। ● तेज बुखार या उल्टी-दस्त में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

### सर्दी में नवजातों की बढ़ी परेशानी,ओपीडी में 30 प्रतिशत तक बढ़ी संख्या

**मुरादाबाद, अमृत विचार :** सर्दी के साथ ही नवजात शिशुओं में बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। महिला अस्पताल, जिला अस्पताल और निजी क्लीनिकों में इन दिनों ऐसे मरीजों की भीड़ है। कई बच्चे खांसी, जुकाम, बुखार और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याओं से पीड़ित हैं। चिकित्सकों का कहना है कि तापमान में अचानक गिरावट और नवजातों को पर्याप्त गर्मी न मिल पाने के कारण यह स्थिति बन रही है। जिला अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एके सिंह के अनुसार नवजात शिशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर होती है, इसलिए सर्दी की शुरुआत उनके लिए अधिक संवेदनशील होती है। पिछले एक सप्ताह में ओपीडी में मरीजों की संख्या में 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है। कई बच्चों में सांस फूलने और सीने में जमाव जैसे लक्षण देखे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवजातों की देखभाल में अभिभावकों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। जरा सी लापरवाही बच्चों के लिए गंभीर हो सकती है। उन्होंने सलाह दी कि सर्दियों में नवजातों को सुबह 7 से 10 बजे और शाम चार बजे के बाद की धूप में 15 से 20 मिनट तक रखा जा सकता है। इस समय की धूप शरीर को विटामिन डी प्रदान करने के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य के लिए सबसे उपयोगी होती है। बताया कि अभिभावकों को सलाह दी जा रही है कि बच्चों को 30 मिनट से अधिक समय तक धूप में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि उनकी त्वचा अत्यंत संवेदनशील होती है। दोपहर की तेज धूप से बचना चाहिए। बच्चों को ऐसे कपड़े पहनाकर धूप में ले जाएं जिससे छाती और पीठ तक हल्की धूप पहुंच सके। इससे उन्हें प्राकृतिक गर्मी मिलेगी और संक्रमण का खतरा कम होगा। बच्चों को नहलाने का सही समय सुबह 11 से दोपहर 12 बजे के बीच माना जाता है, जब तापमान कुछ गर्म होता है। साथ ही घर में ठंडी हवाओं से बचाव के लिए कमरे का तापमान संतुलित रखना जरूरी है। चिकित्सकों ने माता-पिता से अपील की है कि वे सर्दी के इस शुरुआती दौर में नवजातों की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

# रिस्ट्रक्चर अभियान में एसडीओ, जेई के दफ्तर बदले उपभोक्ता काट रहे चक्कर

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● विभागीय ढांचे को व्यवस्थित करने के लिए कई उपखंड कार्यालयों का पुनर्गठन

**अमृत विचार:** बिजली विभाग में चल रहे रिस्ट्रक्चर अभियान के तहत जिले में एसडीओ और जेई के कार्यालयों में फेरबदल किया गया है। विभागीय ढांचे को नए सिरे से व्यवस्थित करने के लिए कई उपखंड कार्यालयों का पुनर्गठन किया गया है। बदलाव के कारण उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं।

मुख्य अभियंता ने अशोक कुमार चौरसिया ने बताया कि नए कार्यालय आवंटन और अधिकारियों के स्थानांतरण की वजह से बिजली बिल, कटौती, मीटर, ट्रांसफॉर्मर और लाइन संबंधी शिकायतों के समाधान में देरी हो रही है। टाउन हॉल विद्युत केंद्र से जुडे. डॉ. एस कुमार चौराहा निवासी मोहम्मद अनवर ने बताया कि उन्हें यह पता ही नहीं चल पा रहा कि उनका क्षेत्र किस एसडीओ और जेई के अंतर्गत आ गया है। उन्होंने बताया पिछले एक सप्ताह से इधर-उधर चक्कर काटते हुए परेशान हो गया हूं। मुख्य अभियंता ने बताया कि रिस्ट्रक्चर अभियान में एसडीओ कार्यालयों के क्षेत्रों का पुनर्विन्यास कर दिया गया है। कुछ कार्यालयों को नए स्थानों पर शिफ्ट किया गया है, जबकि कई एसडीओ और जेई को अलग-अलग फीडरों और जोन में नियुक्त किया गया है। उनका कहना है कि यह बदलाव विभाग की कार्यक्षमता बढ़ाने और उपभोक्ताओं तक तेज सेवा पहुंचाने के लिए किए गए हैं। कुछ दिनों में सभी उपखंडों की नई सूची, जोन वार संपर्क नंबर और अधिकारियों के नए कार्यक्षेत्र सार्वजनिक कर दिए जाएंगे। इसके बाद उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो.7906815587

सूचना

दिनांक 27.05.2025 को श्री आकाश पुत्र लीलाधर से रानी पत्नी विनोद के नाम पर बैनामा कराया था। जिसमें विक्रेता आकाश बैनामा के द्वारा ही मालिक थे। जो बैनामा 02.03.2021 का था। वह बैनामा असल बैनामा के समय प्राप्त कर लिया था। कुछ समय बाद मैंने अपने घर का पुनर्निर्माण कराया, तब मूल बैनामा कहीं गुम हो गया था। ढूंढने पर बैनामा की मूल प्रति नहीं मिली। प्रार्थी के पास बैनामा की प्रामाणिक द्वितीय प्रतिलिपि उपलब्ध है। दिव्यांशु पुत्र विनोद निवासी- रजपुरा, परगना - रजपुरा तहसील - गुन्नौर जिला सम्भल ।

सूचना

मैंने अपना नाम KAUKAB MAIRAJ से बदल कर नया नाम KAUKAB ZUBAIR W/O, ZUBAIR AHMAD R/o, लाजपत नगर मुरादाबाद रख लिया है। अब भविष्य में मुझे नए नाम से पहचाना जाए।

AMANI GROUP OF INSTITUTIONS
WALK-IN-INTERVIEW
Asstt. Professors & Principal
D.El.Ed.
Qualification & Salary as per UGC Norms
Interested candidates are requested to bring their detailed CV with Photograph and Scanned Copies of ducuments as per following Schedule
Date : 01 December 2025 Monday
Time : 10:00 am to 05:00 pm
Venue : Amani Group of Institutions
Bijnor Road, Amroha UP 244221
Contact us for more details :
9548395563, 9759066555
e-mail : amanicampus@gmail.com

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

# यात्रियों की सुरक्षा की अनदेखी, रोडवेज बसों में अब तक नहीं लगी एंटी फॉग लाइट

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

**अमृत विचार:** सर्दी के साथ इन दिनों घना कोहरे के बावजूद अभी तक उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम प्रबंधन यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है। निगम की अधिकांश बसें बिना कोहरा लाइट के ही मार्गों पर दौड़ रही हैं। रात को घने कोहरे के बीच बसों का संचालन किसी खतरे से कम नहीं है। यात्रियों के साथ ही चालकों व परिचालकों के बारे में प्रबंधन गंभीरता नहीं दिखा रहा है। मंगलवार को पीतल नगरी रोडवेज डिपो पर सुबह कारोबार के सिलसिले में दिल्ली जा रहे बुधबाजार निवासी अमिल रस्तोगी ने बताया कि सुबह चार बजे इतना कोहरा था बस 5 से 10 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से रेंगती हुई जा

पीतल नगरी डिपो पर बिना कोरलाइट के खड़ी रोडवेज परिवहन निगम की बसें।

> अधिकतर बसों में फैदर बल्ब लगे हैं। कुछ बसें पुरानी है उनमें हो सकता है कि फैदर बल्ब न हो या फिर चालक परिचालक को इसकी जानकारी नहीं होगी। **- अनुराग यादव,** क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज मुरादाबाद परिक्षेत्र

रही थी। परिचालक से एंटी फॉग लाइट के बारे में पूछा तो बताया कि किसी बस में कोई कोहरा लाइट नहीं लगी है। बस में बैठे रामपुर दोराहा निवासी मोहम्मद उमर भी दिल्ली जा रहे थे उन्होंने बताया कि सुबह चार बजे बस से जाने के बाद आठ बजे तक पहुंचे जाते थे लेकिन कोहरे के चलते एक घंटे में जिलो की सीमा ही पार कर पाए हैं। कोहरे के कारण हाईवे पर दृश्यता बेहद कम होने के बावजूद कोहरा लाइटें न लगाने से दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है।

# ओपीडी रजिस्टर में दर्ज करें डायरिया केस

**मुरादाबाद, अमृत विचार:** स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से जिले में चलाये जा रहे डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम की प्रगति व समीक्षा बैठक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय स्थित सभागार में हुई। अध्यक्षता उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीन श्रीवास्तव ने की।

उप मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि डायरिया के मामलों को स्वास्थ्य इकाई के ओपीडी रजिस्टर में दर्ज करने के साथ ही स्थिति के अनुसार इलाज करें। सेवाओं की रिपोर्टिंग एचएमआईएस पर अपलोड करना सुनिश्चित किया जाए। पीएसआई इंडिया के मो. रिजवान ने डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत अब तक आयोजित की गई गतिविधियों और अलावा आगामी कार्ययोजना के बारे में भी बताया। उस पर स्वास्थ्य विभाग का सुझाव भी प्राप्त किया।

# एनसीसी कैडेट ने निकाली साइकिल रैली

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

**अमृत विचार:** 23 यूपी बटालियन एनसीसी मुरादाबाद की सब यूनिट महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को साइकिल रैली निकाली। कैडेटों ने रैली प्रारंभ करने से पहले देश धर्म के वास्ते बलिदान होने वाले गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस पर उन्हें नमन कर चित्र के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की।

फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र को के निधन पर श्रद्धांजलि दी। कंपनी कमांडर मेजर राजीव ढल ने बताया की एनसीसी दिवस नवंबर माह के चौथे रविवार को मनाया जाता है। रैली में कैडेट भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाते हुए चल रहे थे। सड़क के दोनों तरफ खड़े लोगों ने तालियां बजाकर कैडेटों का उत्साहवर्धन किया।

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर उन्हें नमन करते एनसीसी के अधिकारी व कैडेट्स।

● एनसीसी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

साइकिल रैली महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर ग्रीन मिडोज स्कूल, अटल पथ पर होती हुई पुलिस लाइन के गेट के आगे से जिगर कॉलोनी, चक्कर की मिलक होती हुई वापस महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज पर आकर समाप्त हुई।

मेजर राजीव ढल ने कहा कि रैली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया गया। गुरु तेग बहादुर ने परिवार को देश-धर्म के वास्ते बलिदान कर दिया हमें उनकी शहादत को नहीं भूलना चाहिए। एनसीसी कैडेट सिद्धार्थ कुमार ने अभिनेता धर्मेंद्र का सुंदर चित्र बनाकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर फैजान, विशेष कुमार, अमन, अमन वर्मा, मोनू, अर्पित कांत, सिद्धार्थ, सुमित कुमार, अनुज, कृष्ण शर्मा, अंकित,भव्य बंसल सहित अन्य एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे।

# अभी और गिरेगा पारा...

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● पछुआ हवा ने बढ़ाई ठंड, दो दिन में तीन डिग्री गिरा पारा

**अमृत विचार :** पछुआ हवा के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदल गया है। बीते दो दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में क्रमश 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। दिन में धूप तो निकल रही है, लेकिन पछुआ हवा के ठंडे तेवरों ने धूप की गर्माहट को बेअसर कर दिया है। सुबह से लेकर देर शाम तक लोग गर्म कपड़ों में ही दिखाई दे रहे हैं।

मंगलवार की सुबह कोहरा छाया रहा। सूरज की किरणें निकलीं तो लोगों को कुछ राहत की उम्मीद जगी, मगर ठंडी पछुआ हवा ने सर्दी का असर और बढ़ा दिया। दिन चढ़ने के बावजूद धूप में गर्मी महसूस नहीं हुई। अधिकतम तापमान जहां 24 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। तापमान में इस गिरावट के कारण सुबह और रात के समय गलन का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी-पश्चिमी हवा का प्रभाव बना हुआ है। आने वाले दो दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। इससे सर्दी और गलन और बढ़ेगी।

# हिंदू कॉलेज ने 54 रनों से जीता दूसरा टी-20

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● प्राचार्य सत्यव्रत सिंह रावत की हैट्रिक और नाबाद पारी से टीम को बड़ी जीत

**अमृत विचार :** केजीके कॉलेज के मैदान पर मंगलवार को खेले गए क्रिकेट सीरीज के दूसरे मैच में हिंदू कॉलेज ने ब्राइट क्लब को 54 रनों के अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में हिंदू कॉलेज के प्राचार्य सत्यव्रत सिंह रावत ने बल्ले और गेंद दोनों से उम्दा प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत की राह दिखाई। टॉस जीतकर हिंदू कॉलेज ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 168 रन बनाए। बल्लेबाजी में जी. मैसी ने 25 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से तेजतर्रार 36 रन बनाए, जबकि प्राचार्य सत्यव्रत सिंह रावत ने 33 गेंदों पर 5 चौके लगाते हुए नाबाद 40 रन की जिम्मेदार पारी खेली। ब्राइट क्लब की ओर से अरविंद ने 37 रन देकर सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए, जबकि पीयूष ने 16 रन देकर दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्राइट क्लब की टीम ने तेज शुरुआत की, लेकिन नियमित अंतराल पर गिरते विकेटों ने उनके रन चेज को मुश्किल बना दिया। अमन ने 16 गेंदों पर 5 चौकों के सहारे 27 रन बनाए, जबकि शेखर ने 12 गेंदों पर एक छक्का और दो चौकों से 24 रन जोड़े। इसके बावजूद टीम 19वें ओवर में 114 रन पर सिमट गई। गेंदबाजी में प्राचार्य सत्यव्रत सिंह रावत ने कातिलाना प्रदर्शन करते हुए मात्र 19 रन देकर चार विकेट चटकाए और अपनी गेंदबाजी से हैट्रिक भी पूरी की। उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं, रामेश्वर सिंह ने 23 रन देकर दो विकेट लिए। इस जीत के साथ हिंदू कॉलेज ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

# श्रीराम मंदिर की पेंटिंग ने मोहा मन

**मुरादाबाद, अमृत विचार:** अयोध्या में श्रीराम मंदिर पर धर्म ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर महानगर में उल्लास रहा। चित्रगुप्त इंटर कॉलेज के छात्रों ने अपनी धार्मिक आस्था और भावनाओं को अभिव्यक्त करते हुए विद्यालय परिसर में दो मंजिला श्रीराम मंदिर की आकर्षक पेंटिंग डॉ. नवनीत गोस्वामी के निर्देशन में बनाई गई।

छात्रों ने बताया कि वे और शहर के कई लोग अयोध्या में होने वाले इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल नहीं हो सके, लेकिन अपनी भक्ति और श्रद्धा को व्यक्त करने के लिए उन्होंने राम मंदिर की यह खूबसूरत पेंटिंग बनाई है।पेंटिंग बनाने वाले छात्रों में अंश,वंश,ध्रुव,प्रिंस और केशव थे। उनका कहना है कि यह उनका धार्मिक आस्था का प्रतीक है और वे इस माध्यम से भगवान श्रीराम के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं।विद्यालय प्रशासन ने छात्रों की रचनात्मकता और धार्मिक भावनाओं की सराहना की तथा कहा कि यह प्रयास बच्चों की कला प्रतिभा और संस्कृति के प्रति सम्मान को दर्शाता है।

छात्रों द्वारा बनाई गई पेंटिंग।

## न्यूज ब्रीफ

### डंपर सहित दर्जनभर वाहनों के काटे चालान

**कांठ, अमृत विचार :** यातायात माह के तहत पुलिस लगातार लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ वाहन चेकिंग अभियान चला रही है। इसी क्रम में उपनिरीक्षक संजीव कुमार ने चेकिंग अभियान चलाकर एक डंपर सहित लगभग एक दर्जन वाहनों के चालान किए। उपनिरीक्षक संजीव कुमार ने वाहन चालकों को जागरूक करते हुए कहा कि सभी चालक अपने वाहनों के आगे–पीछे रिफ्लेक्टर अवश्य लगवाएं और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में कोहरा बढ़ जाता है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की।

### तस्कर गिरफ्तार, 300 ग्राम चरस बरामद

**बिलारी, अमृत विचार :** उप निरीक्षक आनंदपाल सिंह ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 25 नवंबर की दोपहर कोतवाली क्षेत्र के ग्वालखेडा मोड से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जिसके पास से 300 ग्राम चरस बरामद हुई है। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम इरफान पुत्र अलीजान निवासी ग्वालखेड़ा बताया है। आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट के तहत पूर्व में भी तीन मुकदमे पंजीकृत है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

### बिजली कटौती से नहीं मिल पा रही निजात

**कांठ, अमृत विचार :** नगर में तमाम प्रयासों के बावजूद क्षेत्र की बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं हो पा रहा है। लगातार बिजली कटौती से मरम्मत की दुकानो में कार्य प्रभावित हो रहा है। शाम के वक्त कटौती की वजह से चोर उचक्कों की सक्रियता बढ़ जाती है। इससे नगर व ग्रामीणों के लोग भयभीत है। सुबह बिजली न होने से पेयजल की समस्या से उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ता हैं। लोकल फॉल्ट से उपभोक्ताओं की मुश्किलें और बढ़ जाती है। शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं। कर्मचारी फोन भी नहीं उठाते हैं। विभाग की इस लचर व्यवस्था से जहां आमजन परेशान है वहीं व्यवसायी भी नाराज है।

# बीएलओ से अभद्रता करने पर होगी कानूनी करवाई

## अभद्रता से परेशान होकर बीएलओ ने की एसडीएम से शिकायत

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

**अमृत विचार :** क्षेत्र के सूरजनगर स्थित ताज मार्केट में मंगलवार को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य के दौरान मतदाताओं द्वारा अभद्रता किए जाने से परेशान एक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) ने एसडीएम प्रीति सिंह से शिकायत की। शिकायत मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और तहसीलदार मौके पर पहुंचकर जांच की। साथ ही संबंधित लोगों को सख्त चेतावनी भी दी गई।

ताज मार्केट क्षेत्र में मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य कर रही बीएलओ से कुछ मतदाताओं ने फार्म भरने को लेकर विवाद किया। मतदाताओं द्वारा बहस और बदसलूकी किए जाने से परेशान होकर बीएलओ ने तत्काल एसडीएम को शिकायत दी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए

बीएलओ के साथ अभद्रता करते लोग। ● अमृत विचार

**● तहसीलदार ने पहुंचकर कराई जांच, मतदाताओं को दी चेतावनी**

तहसीलदार प्रवीण सिंह पहुंचे और लोगों से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें बीएलओ केवल अपने दायित्व के तहत कार्य कर रहे हैं। किसी भी प्रकार की अभद्रता या बाधा निर्माण करना दंडनीय है। तहसीलदार ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि आगे किसी भी व्यक्ति ने बीएलओ के साथ दुर्व्यवहार किया, काम में बाधा डाली या विवाद किया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी मतदाता का नाम बिना कारण नहीं काटा जाएगा और न ही किसी पर दबाव बनाया जाएगा। प्रशासन की इस तत्परता से क्षेत्र के अन्य बीएलओ में भी सुरक्षा और आत्मविश्वास की भावना बढ़ी है।

## एसएमएस फेल होने पर मिल कम क्षमता पर चलाने के निर्देश

**कांठ, अमृत विचार:** सहकारी गन्ना समिति के सचिव खेत सिंह ने दीवान शुगर मिल द्वारा किसानों को भेजे गए एसएमएस फेल होने पर मिल अधिकारियों को कम क्षमता पर चलाने के निर्देश दिए हैं। कहा कि पेड़ी गन्ना में रेड-रॉट बीमारी से कम पैदावार निकल रही है। किसानों द्वारा बताया गया है कि पेड़ी गन्ना में 30 से 40 क्विंटल प्रति बीघा की पैदावार हो रही है।

दीवान शुगर मिल लिमिटेड अगवानपुर की पेराई क्षमता 800 टीसीडी निश्चित है। पेराई क्षमता बढ़ाकर 1000 टीसीडी कर दी जिसकी विभाग से स्वीकृति नहीं है। गन्ना इंडेंट के सापेक्ष कम आने का कारण बीमारी और किसानों को भेजे जाने वाले एसएमएस का फेल होना है। विगत दिवस 280 किसानों के पर्ची एसएमएस फेल हुए हैं जिसमें 270 किसान केवल अगवानपुर मिल के हैं। मिल की कृषि योग्य भूमि 22 हजार 500 हेक्टेयर है जिसमें गन्ना 18650 हेक्टेयर ही हो सकता है। शुरु में कम क्षमता पर चलाना आवश्यक है।

## न्यूज डायरी

### एसआईआर फार्म को लेकर बने हंगामे के हालात

**चौधरपुर, अमृत विचार :** अमरोहा तहसील क्षेत्र के गांव चौधरपुर में मंगलवार को अफरा तफरी मच गई जब उन्हें ये पता चला कि जिस बीएलओ को उन्होंने गणना पत्र भरकर जमा किए हैं उसने उनके गणना पत्र को एक कॉलम के बजाय सी कॉलम में अपलोड कर दिए। एक के बाद एक लोग बीएलओ के पास आना शुरू हो गये। बीएलओ से ए बी सी कॉलम के बारे में जानकारी की तो वह उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। कई बार स्कूल में हंगामे की स्थिति बनी। मौके पर पहुंचे ईएआरओ नीरज गर्ग और लेखपाल प्रशांत कुमार ने लोगो को शांत किया और तीनों कॉलमों के बारे में जानकारी दी। एईआरओ ने बताया कि ए कॉलम में उनका फॉर्म अपलोड किया जाएगा जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में है। बी कॉलम में उन लोगों के फॉर्म अपलोड किये जा रहे है जिन का नाम 2003 की सूची में नहीं है और सी में उन लोगों के फॉर्म को अपलोड किया जा रहा है जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं है न हीं उनके किसी संबंधी का नाम इस मतदाता सूची में है। लोगों को समझाते हुए कहा कि अफवाह न फैलाए और न ही किसी को डरने की जरूरत नहीं है।

### पुनरीक्षण में उत्कृष्ट कार्य के लिए बीएलओ हेमवीर सम्मानित

**ठाकुरद्वारा, अमृत विचार :** ठाकुरद्वारा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 21 पर तैनात बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) हेमवीर सिंह को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने पर डीएम अनुज सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय मुरादाबाद में प्रदान किया गया।

बीएलओ हेमवीर सिंह ने अपना कार्य निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी प्रीति सिंह के निर्देशन तथा सुपरवाइजर अकरम हुसैन के पर्यवेक्षण में पूरा किया। बताया गया कि बूथ संख्या 21 पर लगभग 1200 मतदाता पंजीकृत हैं, इसके बावजूद बीएलओ हेमवीर सिंह ने निर्धारित समय सीमा में शुद्धता और तत्परता के साथ अपना कार्य पूरा किया।

### किसानों ने मृदा परीक्षण केंद्र स्थापित कराने की उठाई मांग

**कांठ, अमृत विचार :** खेतों की सेहत सुधारने के लिए किसान कई बार ब्लॉक छजलेट या तहसील कांठ में मृदा परीक्षण केंद्र स्थापित किए जाने की मांग कर चुके हैं लेकिन अब तक पूरी नहीं हो सकी। किसानों का कहना है कि उन्हें खेतों की मिट्टी की जांच कराने के लिए जिला मुख्यालय की दौड़ लगानी पड़ती है। जिससे समय और पैसा दोनों बर्बाद होते हैं। तहसील कांठ किसान बाहुल्य क्षेत्र है। यहां सबसे अधिक गन्ने की पैदावार होती है। इसी के साथ ही किसान धान, गेंहू, मक्का आदि की खेती भी करते हैं। बीमार खेतों की उर्वरा शक्ति घटने के कारण फसलों की पैदावार में किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भाकियू टिकैत के पश्चिमी प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल सिंह का कहना है कि खेतों में जिन उर्वरकों को आवश्यकता है उनके बारे में मिट्टी की जांच कर ही पता लगाया जा सकता है। इसके लिए यूनियन कई बार मृदा परीक्षण केंद्र खुलवाने की मांग कर चुकी है। मांग जल्दी पूरी नहीं हुई तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

### पांच लाख रुपये व कार मांगने का विरोध, विवाहिता से दुष्कर्म का प्रयास

**ठाकुरद्वारा, अमृत विचार :** थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस क्षेत्राधिकारी आशीष प्रताप सिंह को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि उसका विवाह जनपद इंदौर के थाना चांदपुर क्षेत्र के एक युवक से हुआ था। कुछ समय बाद ही ससुरालियों ने पांच लाख रुपये नकद और एक कार की मांग करना शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर उसे लगातार प्रताड़ित किया जाने लगा। पीड़िता के अनुसार, जब उसने दहेज का विरोध किया तो देवर ने उससे दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर मचाने पर देवर भाग निकला। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त की रात उसका पति नशे की हालत में घर पहुंचा और गाली-गलौज कर मारपीट की। विरोध करने पर घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस क्षेत्राधिकारी के आदेश पर पति, देवर, ससुर समेत कुल आठ आरोपियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और दुष्कर्म प्रयास सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

### एसआईआर: भरवाए वोटरों के फार्म

**कांठ, अमृत विचार :** मंगलवार को एसआईआर (स्पेशल समरी रिवीजन) के क्रम में बूथ संख्या 43, पट्टी मोढ़ा में मतदाता सूची से जुड़े फार्म भरवाए गए। बीएलओ व बीएलए की टीम ने ग्राम पट्टी मोढ़ा में घर–घर जाकर लोगों से बातचीत की और जिनके फार्म अब तक नहीं भरे गए थे, उनके फार्म मौके पर ही भरवाए गए। जो घर पर मौजूद नहीं मिले उनके परिवार के सदस्यों को जानकारी देकर बताया गया कि जिनका फार्म शेष है वह जल्द भरवा दें, ताकि किसी भी योग्य व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से न रह जाए। इस अभियान में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बीएलओ की सक्रिय रूप से मदद की। इस दौरान बीएलओ मोनिका, बीएलए भूरे सिंह यादव, सपा जिला उपाध्यक्ष विक्रम सिंह यादव, अमजद अली, भूरे खान, अंजार खां आदि मौजूद रहे।

## विवादित भूमि पर निर्माण का आरोप नायब तहसीलदार ने गठित की टीम

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

**अमृत विचार:** नगर के नांगलिया रोड स्थित वीआईपी कॉलोनी में विवादित भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण किए जाने के आरोपों के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया है। नायब तहसीलदार आदित्य मौर्य ने राजस्व विभाग की संयुक्त जांच टीम का गठन कर जांच के आदेश दिए हैं।

चार दिन पूर्व नगर निवासी साजिद खान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी स्वामित्व वाली भूमि पर कुछ लोग निर्माण कर रहे हैं, जिसे तत्काल रोका जाना चाहिए। आरोपित पक्ष का कहना है कि भूमि उनकी है, जिसे उन्होंने रजिस्ट्री से खरीदा है। उनके पक्ष में न्यायालय द्वारा यथास्थिति (स्टे) आदेश भी जारी है और इसी मामले में उन्होंने पुलिस में मुकदमा भी दर्ज करा रखा है।

शिकायतकर्ता साजिद खान का दावा है कि वह पिछले 25 वर्षों से इस भूमि पर कब्जे में हैं। भूमि की चारदीवारी भी उन्होंने ही बनाई है। मामले ने तूल तब पकड़ा जब सपा के विधायक नवाब जान खां भी कोतवाली परिसर पहुंचे और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग उठाई। शिकायत प्राप्त होने के बाद नायब तहसीलदार आदित्य मौर्य ने राजस्व निरीक्षक व कोतवाली प्रभारी को मौके का निरीक्षण कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही अगली कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी।

## ठंड में बढ़ती हैं आपराधिक घटनाएं, चौकस रहें ग्राम प्रहरी

संवाददाता, कांठ

**अमृत विचार:** थाना कांठ परिसर में मंगलवार को क्षेत्र के ग्राम चौकीदारों प्रहरियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ठंड के मौसम को देखते हुए बढ़ती चोरी की घटनाओं को रोकने और अन्य मामलों को गंभीरता से लेकर ग्राम प्रहरियों को निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर थाना प्रभारी निरीक्षक कांठ सुदेश पाल सिंह ने कहा कि सभी ग्राम प्रहरी अपने-अपने क्षेत्र पर नजर रखें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ठंड के मौसम में चोरी की घटनाएं बढ़ती है। पुलिस को इसमें सक्रियता बरतनी है। सबसे पहली

**● थाना कांठ में चौकीदारों को दिये गए आवश्यक दिशा निर्देश**

कड़ी ग्राम प्रहरी होता है उसे अपने गांव की अच्छी बुरी हर गतिविधि की जानकारी होती है। इसलिए सभी अपने-अपने गांव क्षेत्र पर पूरी तरह नजर रखें और कोई संदिग्ध व्यक्ति शरारती तत्व इधर-उधर कहीं घूमता दिखाई दे या शांति व्यवस्था बिगड़ने का प्रयास करें उसके बारे में तत्काल थाने पर सूचना दें ताकि समय रहते ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम प्रहरी अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाएं। इस अवसर पर पुलिस उप निरीक्षक एवं सभी गांव के प्रहरी मौजूद रहे।

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Dayawati Modi Academy

Bareilly Road, Modipur, Rampur Website : dmarampur.com Contact: 0595-2357087/034/198, 9759259400

Excellence Galore of our Alumni

अमृत विचार

मुरादाबाद , बुधवार,26 नवंबर 2025



## न्यूज ब्रीफ

### बच्चों के विवाद में दंपती को पीटा, रिपोर्ट

**रामपुर, अमृत विचार :** कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला अखाड़ा मल्ली खां निवासी कमल कुमार का कहना है 22 नवंबर की शाम को सात बजे मेरा बेटा शिवम मंदिर के पास खेल रहा था। तभी वहां से सेवाराम उनका बेटा मनोज कुमार और सौरभ वहां से गुजरे तो उन्होंने बेटे से गाली गलौज कर दी। जब उसने विरोध किया, तो उसके चिल्लाने पर कमल कुमार आ गया। आरोपियों के विरोध करने पर पिता पुत्रों ने मिलकर कमल और उसकी पत्नी सुमंती को पीटकर घायल कर दिया। शोर मचाने पर लोग आ गए। जहां दंपती को अस्पताल में भर्ती कराया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी सेवाराम, मनोज कुमार, सौरभ और नथीया पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

### फरार आरोपी गिरफ्तार

**मसवासी, अमृत विचार :** सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है, जहां से उसे जेल भेज दिया। चौकी क्षेत्र के बिजारखाता निवासी मुनव्वर हुसैन पुत्र अता हुसैन पिछले कई बरसों से एक मुकदमे में वांछित था। मुकदमा सरकारी कार्य में बाधा डालने का था। उसमें वह नामजद आरोपी है। न्यायालय के समक्ष पेश न होने पर उसके खिलाफ वारंट जारी किया। पुलिस उसकी कई दिनों से तलाश में जुटी थी। मंगलवार को उसे बिजारखाता के चौराहे से हिरासत में लिया। तलाशी लेकर रामपुर न्यायालय के समक्ष पुलिस ने पेश किया है न्यायालय से पेशी के बाद उसे जिला कारागार भेज दिया है।

### हनुमान चालीसा का पाठ किया

**रामपुर, अमृत विचार :** मंगलवार को अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर पर केसरिया पताका जोकि 22 फीट लंबी 11 फीट चौड़ी फहराई गई। इसी उपलक्ष्य में राष्ट्रीय शिव शक्ति सेना के राष्ट्रीय कार्यालय पर भगवान श्रीराम की प्रतिमा को फूलों की माला पहनाकर एवं फूल अर्पित किए गए। जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय गुप्ता ने केसरिया ध्वज फहराया। उसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्रीराम की स्तुति की गई। श्रीराम की आरती कर प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश प्रभारी गेंदन लाल सैनी, मास्टर रोशन लाल, अमित शर्मा, किशन पाल यादव,पप्पू, बॉबी, शिवम गुप्ता, अंश, आदेश गुप्ता रहे।

# जयपुर से चचेरे भाई की शादी में आए युवक की हादसे में मौत

## स्वार-बाजपुर मार्ग पर सोमवार रात हुआ हादसा

संवाददाता, स्वार

**अमृत विचार :** जयपुर से चचेरे भाई की शादी में शामिल होने आए युवक को तेज रफ्तार डंपर ने रौंद दिया। घायल युवक को जिला अस्पताल में लाया गया, लेकिन उपचार के कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। शादी की खुशियां मातम में बदल गई।

कोतवाली क्षेत्र के गांव गुलड़ पीपलसाना निवासी रफी अहमद जयपुर में रहकर सिलाई का कारखाना चलाते हैं। उनके भाई के बेटे की शादी होने पर रफी अहमद ने अपने 18 वर्षीय बेटे समीर को गांव भेजा था। सोमवार रात समीर बाइक पर जा रहा था। जब वह स्वार–बाजपुर मार्ग स्थित गांव जामिन गंज के निकट पहुंचा, तभी बाजपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने अनियंत्रित होकर उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना परिजनों एवं पुलिस को दी। जबकि चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लिया है। पुलिस की मदद से घायल युवक को सीएचसी ले जाया गया। चिकित्सक ने घायल की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। परिजनों ने पुलिस को कोई कार्रवाई न करने का आश्वासन दिया। जिस पर पुलिस ने मृतक युवक के शव को परिजनों को सौंप दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घर में चल रही शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। सोमवार को परिजनों ने युवक के शव को सुपुर्दे खाक कर दिया।

### दो बाइकों की भिड़ंत, एक घायल

**मसवासी, अमृत विचार :** बिजारखाता में स्वार बाजपुर मार्ग पर दो बाइकों की आमने–सामने से भिड़ंत हो गई। जिसमें एक व्यक्ति का पैर टूट गया। उसे गंभीर अवस्था में काशीपुर के एक अस्पताल भर्ती कराया है। मंगलवार शाम बरेली निवासी विक्की अपने तीन साथियों के साथ बाइक से अपनी रिश्तेदारी में धनोरी से बिजारखाता लौट रहा था। बिजारखाता में मोतीपुरा के निकट मार्ग पर अपने खेत से लौट रहे बिजारखाता निवासी मोहम्मद नबी उम्र 55 पुत्र जुम्मा की बाइक आमने–सामने से भिड़ गई। जिसमें मोहम्मद नबी का पैर टूट गया। उसे गंभीर अवस्था में बाजपुर से काशीपुर के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को अपने कब्जे में ले लिया है। किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है।

## इमरजेंसी में 5 मरीजों की मौत से मचा हड़कंप

**रामपुर, अमृत विचार :** जिला अस्पताल में रविवार रात से सोमवार तक इमरजेंसी में पांच लोगों की मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। मुख्य चिकित्साधीक्षक ने शिकायत मिलने पर कार्रवाई की बात कही है।

जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मरीजों की कोई देखभाल नहीं हो रही है। जिसके कारण मरीजों की जान खतरे में पड़ गई है। मरीजों के तीमारदारों ने बताया कि इमरजेंसी के डॉक्टर मरीजों को नहीं देख रहे हैं। तीमारदार मोहम्मद अहमद ने बताया कि इमरजेंसी में वह डॉक्टर के पास गए, लेकिन इमरजेंसी में कोई डॉक्टर नहीं था। मरीजों को पैरामेडिकल स्टाफ देखता रहा और मरीज अपनी जान गंवाते रहे। मरीजों के तीमारदारों ने कहा कि जिला अस्पताल में मरीजों की कोई देखभाल नहीं हो रही है और लोग अपनी जान गवां रहे हैं।

तीमारदार मोहम्मद अहमद ने बताया कि रविवार रात से सुबह तक पांच मरीजों की मौत की बात सामने आई है। मुख्य चिकित्साधीक्षक बीसी सक्सेना ने कहा कि तीन लोगों की मौत हुई है, मामले में शिकायत आती है तो मामले में कार्रवाई करेंगे।

टांडा में डंपर पलटने से धंसी सड़क। ● अमृत विचार

# मिट्टी से भरा डंपर पलटा नाले की दीवार धंसी

संवाददाता, टांडा

**अमृत विचार :** नगर में मिट्टी से भरा डंपर अचानक सड़क पर बने टाइल्स रोड पर धंस गया और देखते ही देखते पलट गया। हादसे के दौरान सड़क का हिस्सा धंसने के साथ ही समीप बने नाले की दीवार भी गिर गई।

नगर के मोहल्ला झंडा चौक स्थित खाली भूमि पर निर्माण और प्लॉटिंग का कार्य चल रहा था। निर्माण कार्य के लिए लगातार मिट्टी भरान किया जा रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते कई दिनों से इस मार्ग पर मिट्टी से भरे भारी-भरकम डंपरों का लगातार आवागमन हो रहा था, जिससे पहले भी सड़क पर दरारें दिखाई देने लगी थीं। लोगों का कहना है कि बार-बार भारी वाहनों के गुजरने से सड़क की क्षमता पर असर पड़ा। सोमवार रात डंपर का वजन ज्यादा होने के कारण रोड धंस गई। धंसे रोड पर जैसे ही डंपर आगे बढ़ा, अचानक सड़क बैठने लगी। कुछ ही क्षण में पूरा वाहन पलट गया। पलटने के बाद नाले की दीवार का बड़ा हिस्सा टूटकर गिर गया। इस हादसे में सड़क व नाले को भारी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने वाहनों के अनियंत्रित आवागमन पर नाराजगी व्यक्त की। मिट्टी भरे डंपर की परमिशन थी या नहीं इसकी जानकारी नहीं मिल पाई। उपजिलाधिकारी राजकुमार भास्कर ने बताया इस विषय में जानकारी नहीं है।

## खुशहालपुर में नवनिर्मित शौचालय में पड़े ताले

**मसवासी, अमृत विचार :** क्षेत्र के खुशहालपुर ग्राम पंचायत में बने शौचालय ग्रामीणों के लिए शोपीस बने हुए हैं। ग्राम पंचायत में उसमें ताले डालकर बंद कर रखा है। जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ भारत अभियान का लाभ नहीं मिल रहा है।

ग्राम पंचायत खुशहालपुर में नवनिर्मित शौचालय में ग्राम पंचायत प्रशासन ताले डालकर बंद कर दिया है। ग्रामीणों को स्वच्छ भारत अभियान के तहत इसका लाभ नहीं मिल रहा है। शौचालयों का निकट विद्यालय भी स्थित है, लेकिन ग्राम पंचायत इसे खोलने के लिए तैयार नहीं है। जिससे बाहरी लोगों को भी आवश्यकता पड़ने पर शौचालय तलाशना पड़ता है। लेकिन इस शौचालय में ताले पड़े मिलते हैं। ग्रामीणों को जंगल में जाकर शौच करना पड़ता है। इस मामले में ग्राम पंचायत अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि उन्हें इस मामले में कोई जानकारी नहीं है। ग्राम प्रधान को ही इसके कारण का पता होगा। ग्राम प्रधान साजिद हुसैन का कहना है कि नवनिर्मित शौचालय में ताला पड़ने का उन्हें भी कारण ज्ञात नहीं है।

## 12 ओवरलोड डंपरों को एआरटीओ ने किया सीज

**रामपुर, अमृत विचार :** एआरटीओ ने पांच दिन में अभियान चलाकर 12 ओवरलोड वाहनों को बंद किया। जबकि 125 वाहन चालकों का बिना हेलमेट के वाहन चलाने में चालान किया। इसके अलावा अन्य वाहनों का चालान भी किया। सभी से 11 लाख 79 हजार का जुर्माना वसूला गया।

ओवरलोड डंपर को लेकर प्रशासनिक अधिकारी सक्रिय हो गए हैं। रोजाना अभियान चलाया जा रहा। उसी के चलते एआरटीओ राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि पांच दिन में 12 डंपरों को सीज किया। बिना हेलमेट के 125 वाहनों का चालान किया गया। टैक्स जमा नहीं करने पर 9 वाहनों का चालान काटे गए। वहीं बिना हाई सिक्योरिटी प्लेट नंबर के वाहन चलाने में 22 चालान काटे गए। परमिट शर्तों का उल्लंघन करने में पांच निजी बसों का चालान किया गया। इस तरह से सभी वाहनों से 11 लाख का जुर्माना डाला गया। जिससे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया है।

# धान खरीद में गड़बड़ी पर किसानों का प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

**अमृत विचार :** सरकारी धान खरीद में गड़बड़ी के विरोध में भाकियू टिकैत के किसान सड़कों पर उतरे। जांच कराने की मांग के लिए धरना दिया। नगर मजिस्ट्रेट सालिग राम को ज्ञापन भी सौंपा और कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

भाकियू के कार्यकर्ता प्रदेश महासचिव के नेतृत्व में कैंप कार्यालय पर एकत्रित हुए। उसके बाद पार्क में ही धरने पर बैठ गए । प्रदेश महासचिव हसीब अहमद ने कहा कि जिले के किसानों को एमएसपी का लाभ नहीं मिल रहा है। किसान फर्जीवाड़े के साक्ष्य लेकर जुलूस की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा। कहा शाहबाद के सोहना निवासी करन देव ने कागजों में फर्जीवाड़ा कर 21 नवंबर को पीसीएफ के भोट एट मोहनपुर गोदाम केंद्र पर 125.2 क्विंटल धान बिचौलियों का बेचा है। स्वार के लखीमपुर निवासी रामोतार और दोकपुरी टांडा के शाहिदनूर ने भी कागजों में हेरीफेरी कर यूपीसीयू के समोदिया बी पैक्स समिति केंद्र पर राइस मिलर्स का धान बेच डाला। ज्ञापन में हसनपुर गोहरा में छुट्टा पशु पकड़वाने, एनएच 24 से शाहबाद रोड पर जाने के सर्विस रोड अजीतपुर से होकर अलीनगर , अब्बासनगर, पट्टी कल्याणपुर और ककरोआ को जोड़ने वाले मार्ग की मरम्मत कराने सभी ब्लॉकों में जन्म प्रमाण पत्र बनाने में तेजी लाने की मांग की। इस दौरान राहत खां, मोहम्मद मुस्तकीम, दरवारी लाल शर्मा, जेपी सागर, डीपी सिंह, खूब सिंह चौहान, दरियाव सिंह, राजपाल चौधरी, शंकर सिंह, मुकाबिर, प्रेमराज, छिड़ा नेता, रामदास मौर्य, रामस्वरूप, मोहम्मद तालिब, इकरामुद्दीन, इंतजार अली, बाल किशोर पांडे, निरोत्तम सिंह रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते किसान। ● अमृत विचार

● डीएम को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा

## धान क्रय केंद्रों पर गलत तौल की शिकायत

**रामपुर, अमृत विचार :** अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष आदेश शंखधार ने मिलक एसडीएम को शिकायत पत्र दिया है। इसमें बताया गया है कि सरकार द्वारा प्रदेश में धान खरीद के लिए हजारों क्रय केंद्रों की स्थापना की गई है। तहसील मिलक क्षेत्र में कुल 22 क्रय केंद्रों की स्थापना की गई है। जिसमें से कुल 18 क्रय केंद्र नवीन मंडी समिति मिलक में संचालित हो रहे हैं। क्रय केंद्रों पर वास्तविक किसान अपना धान तौल कराने के लिए दुःखी और परेशान है। 24 नवंबर को मंडी समिति मिलक में 4341 क्विंटल धान की तौल दिखाई है, जोकि पूरी तरह से फर्जी और झूठ है। यह सभी खरीद केवल कागजों में ही की जा रही है। क्रय केंद्रों पर धान का स्टॉक दिखाया जा रहा है। उठान न कराकर किसानों को दिखाया जा रहा है कि धान की खरीद चल रही है। जबकि हकीकत कुछ अलग है। संगठन ने एसडीएम से कार्रवाई की गुहार लगाई है।

# भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

**अमृत विचार :** भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली का मंगलवार को रामपुर जीरो प्वाइंट पहुंचने पर मोर्चा के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। कुंवर बासित अली ने कहा कि मोदी के विकास रथ को समाज के अंतिम आदमी तक पहुंचाने का काम अल्पसंख्यक मोर्चा करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास-सबका विश्वास तथा सबका प्रयास को मजबूती से आगे बढ़ाया है। विकास के रथ को समाज के अंतिम आदमी तक पहुंचाकर उनका विकास करना अल्पसंख्यक मोर्चा की जिम्मेदारी है जो हमको निभानी है। प्रधानमंत्री मोदी ने समाज के बीच की दूरी को खत्म किया है। महिला को आगे बढ़ने का रास्ता साफ किया है। नारी वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा विधानसभा में बहनों को आरक्षण प्रदान कर देश के सबसे बड़े मंदिर लोकसभा तक पहुंचाने का रास्ता साफ किया है। इस दौरान अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष वसीम खान, राष्ट्रीय सह-मीडिया प्रभारी फैसल मुमताज, जिला उपाध्यक्ष फसाहत अली खां, नूर आलम, मोहम्मद इश्तियाक, लालभाई सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जीरो प्वाइंट पर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

## मसवासी में कुत्तों का आतंक, लोग परेशान

**मसवासी, अमृत विचार :** नगर में आवारा कुत्तों को पकड़ने का अभियान असफल होता दिख रहा है। आवारा कुत्ते लोगों पर हमलावर हो रहे हैं। नगर पंचायत प्रशासन ने पिछले दिनों इस अभियान के तहत चार कुत्ते पकड़कर अभियान को विराम लगा दिया। नगर पंचायत के मोहल्ला भूबरा चाउपुरा, मोहल्ला इस्लामनगर तेलीपुरा ढीमरखेड़ा समेत कई मोहल्ले में कुत्तों का आतंक बना हुआ है। आवारा कुत्ते नगर में झुंड बनाकर घूम रहे हैं जिन्हें पकड़ने के लिए नगर पंचायत कर्मचारी के पास समय नहीं है। आवारा कुत्ते कई बच्चों को काटकर जख्मी कर चुके हैं और इसकी शिकायत नगर पंचायत प्रशासन से की जा चुकी है। इस मामले में अधिशासी अधिकारी सचिन कुमार ने बताया की अभियान के तहत कुत्तों को पकड़ने का अभियान फिर शुरू किया जाएगा और आवारा कुत्तों को जाल डालकर पकड़ा जाएगा और दूर छोड़ा जाएगा।

# लुढ़का पारा, बढ़ा सर्दी का सितम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

**अमृत विचार :** मौसम का मिजाज बदल रहा है सर्दी में एहतियात बरतने की जरूरत है, लापरवाही बरतने पर बीमार हो सकते हैं। मंगलवार को अधिकतम तापमान 16 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह और शाम को सर्दी बढ़ गई है लोग दोपहर में गुनगुनी धूप का लुत्फ लेने लगे हैं।

इन दिनों में सुबह के समय घास और पत्तों पर बर्फ जैसी ओस जमी दिखाई दे रही है ऐसे में ओस पर चलने से बचें। सड़कों पर कोहरा होने से वाहनों की रफ्तार सुस्त हो गई है। नवंबर के अंतिम सप्ताह में मौसम में ठंडक आ गई है। सर्दी बढ़ने से ज्यादातर लोगों ने फुल स्वेटर और जैकेट पहन रहे हैं। कुछ लोगों को अलाव की भी आवश्यकता महसूस हुई। मंगलवार को कोहरे के कारण लोगों को ठंड का खूब अहसास हुआ। कोहरे की चादर इतनी घनी थी कि सूर्य देव के दर्शन सुबह 8 बजे के बाद हुए। दरअसल, कोहरे का असर सोमवार की देर रात से दिखाई देने लगा था। धीरे-धीरे कोहरा घना होता चला गया और सुबह होते-होते सड़कों को कोहरे की चादर ने अपनी आगोश में लपेट लिया।आर्द्रता 64 प्रतिशत रही और हवा 8 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली, लेकिन कोहरा होने के कारण लोगों को ठंडी हवा का अहसास हुआ।

मंगलवार की शाम राहे रजा पर उतरती कोहरे की चादर। ● अमृत विचार

### नहीं बने रैन बसेरे

रोडवेज, रेलवे स्टेशन, जिला अस्पताल समेत कहीं भी रैन बसेरे का इंतजाम नहीं है। ट्रेनें लेट होने के कारण लोग रेलवे स्टेशन पर ही कंपकपाते रहते हैं। बस के इंतजार में लोग होटल की भट्टियों के आसपास खड़े रहते हैं। जिला अस्पताल में भी रैन बसेरे का इंतजाम नहीं हुआ है तीमारदारों को परेशानी हो रही है।

## वन तस्करों ने काटा खैर का पेड़

**स्वार, अमृत विचार :** स्वार मिलकखानम मार्ग स्थित डिलारी पुल के निकट वन तस्करों ने रविवार रात खैर के पेड़ को काट दिया। सड़क किनारे आवाजाही के बावजूद तस्कर पेड़ को वाहन में लादकर फरार हो गए। पुल के निकट जिस स्थान पर कटान हुआ, वहां अक्सर पुलिस और वनकर्मी गश्त के नाम पर गुजरते हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग की शह पर ही तस्कर इतने निडर होकर पेड़ों का कटान कर रहे हैं। इससे पहले भी इस क्षेत्र में प्रतिबंधित पेड़ों के अवैध कटान की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। वन विभाग के अधिकारी मामले की पुष्टि करने से बचते रहे। ग्रामीणों ने वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। वन रेंजर सुरेश चंद्र जोशी ने बताया कि वन तस्करों को चिह्नित कर कार्रवाई होगी।

## न्यूज डायरी

### मोनू पंडित बने उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक अध्यक्ष

**रामपुर, अमृत विचार :** भाकियू सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील चौधरी के निर्देश पर तहसील मिलक गांव रठौंडा निवासी वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोनू पंडित को संगठन का उत्तर प्रदेश का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया है। जब तक उत्तर प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा नहीं होगी, तब तक मोनू पंडित ही उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। मोनू पंडित के कार्यवाहक उप्र अध्यक्ष बनने पर राष्ट्रीय सचिव सन्नू खान, लालता प्रसाद गंगवार, मंगलसेन लोधी, देवेंद्र गंगवार, लालमन लोधी, विनोद गंगवार, राजीव गंगवार, पुरुषोत्तम पंडित, वीरेंद्र गंगवार, हरीश गंगवार, पंडित आकाश शर्मा ने हर्ष जताया।

### सैफई में शादी में शामिल हुए सांसद

**रामपुर, अमृत विचार :** सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के चचेरे भाई आर्यन यादव की सैफई में शादी हुई। रामपुर सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी ने सैफई पहुंचकर दूल्हा–दुल्हन को गुलदस्ता देकर मुबारकबाद दी। शादी समारोह में देश की कई हस्तियां व समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता व नेता पहुंचे। सांसद के मीडिया प्रभारी महबूब अली पाशा ने यह जानकारी दी।

### आज धरना प्रदर्शन करेगी भाकियू

**बहजोई, अमृत विचार :** किसान संयुक्त मोर्चा व भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय आह्वान पर बुधवार को संगठन के लोग जिला मुख्यालय पर किसानों की लंबित मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करेंगे। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपेंगे। प्रदेश प्रमुख महासचिव विजेंद्र सिंह यादव ने बताया कि किसान आंदोलन 2020–21 के दौरान केंद्र सरकार तथा संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं के साथ कई मांगों पर सहमति बनी थी। पर केंद्र सरकार तथा प्रदेश सरकार ने वायदा खिलाफी की। सरकार को नींद से जगाने वायदा खिलाफी की याद दिलाने को लेकर बुधवार को जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

### एसपी ने महिला सिपाहियों को किया सम्मानित

**रामपुर, अमृत विचार :** पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र द्वारा पुलिस कार्यालय पर पुलिस कर्मियों की (बीट बुक) बीट संबंधी अभिलेखों का निरीक्षण किया। बीट अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्र में नियमित गश्त,निगरानी, अपराधियों की गतिविधियों पर नियंत्रण एवं जनसंपर्क बनाए रखने के निर्देश दिये। उत्तम बीट बुक तैयार करने एवं बीट से संबंधित पूर्ण एवं अद्यतन जानकारी रखने के लिए महिला आरक्षी रमा निगम थाना खजुरिया व मुख्य आरक्षी गनवीर सिंह थाना शहजाद नगर को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा यह सम्मान पुलिस कर्मियों के श्रेष्ठ कार्य, लगन तथा बीट प्रबंधन में उनकी दक्षता को प्रतिबिंबित करता है।

### अपना दल के कार्यकर्ताओं ने भरवाए एसआईआर फार्म

**मसवासी, अमृत विचार :** मानपुर उत्तरी में एसआईआर फॉर्म भरने को लेकर बीएलओ के साथ समाज सेवी संगठनों ने सहायता करना शुरू कर दी है। मानपुर में एसआईआर फॉर्म भरने को लेकर ग्रामीण अब तेजी दिखा रहे हैं। अपना दल एस के जिला सचिव शकील अहमद अंसारी, जमशेद आलम, नईम अहमद, नदीम कुरैशी आदि ने बूथ स्थल के बाहर फॉर्म भरकर लोगों की सहायता शुरू कर दी है। एसआईआर फॉर्म भरने को लेकर मतदान स्थलों पर बीएलओ काम कर रहे हैं। तमाम ग्रामीणों का बीएलओ के पास जमघट लगा हुआ है। मतदाता फॉर्म भरने से अनजान हैं, इसलिए उनकी सहायता के लिए कुछ समाजसेवी लोगों ने टेबिल लगाकर फॉर्म भरवाना शुरू कर दिए हैं, जिससे लोगों ने कुछ राहत की सांस ली है।

योग शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करतीं रामपुर की पदाधिकारी। ● अमृत विचार

# रामपुर के पदाधिकारियों ने शिविर में लिया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

**अमृत विचार :** हरिद्वार में योग गुरु बाबा रामदेव के निर्देशन में हो रहे योग प्रशिक्षण शिविर में महिला पतंजलि योग समिति रामपुर के सदस्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण शिविर 27 नवंबर तक आयोजित होगा। योग शिविर महिला पतंजलि योग समिति की केंद्रीय प्रभारी साध्वी आचार्य देवप्रिया के निर्देशन में हो रहा है। शिविर में 5000 योग साधक प्रशिक्षण ले रहे हैं। स्वामी रामदेव ने कहा कि पिंड में ब्रह्मांड है और शरीर में परमात्मा का वास है। प्रशिक्षण शिविर में महिला पतंजलि योग समिति रामपुर से जिला प्रभारी बहन मधुबाला गुगलानी, जिला महामंत्री अनिता शुक्ला, वंदना अग्रवाल, कमलेश गंगवार और अंतरा यादव प्रशिक्षण ले रही है। डॉ. अनूप सिंह ने बताया कि रामपुर के ब्लॉकों में महिला पतंजलि योग समिति के द्वारा योग शिविर के आयोजन कराए जाएंगे।

## एसआईआर फार्म भरने में नहीं बरतें लापरवाही

**रामपुर, अमृत विचार :** मुस्लिम महासंघ के अध्यक्ष फरहत अली खां ने कहा कि अपने कामों से एक दिन की छुट्टी एसआईआर फॉर्म भरें। लापरवाही बरतने पर मतदाता सूची में नाम नदारद हो जाएगा। कहा कि यह भी देश की नागरिकता का प्रमाण है। सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारी अशिक्षित लोगों के एसआईआर फार्म भरने में मदद करें। पढ़े लिखे लोगों की मदद किसी की मुसीबत को टाल सकती है। बीएलओ लोगों को दो फार्म उपलब्ध कराएं। शहर के मोहल्ला लाल कबर क्रम संख्या 405 और भाग संख्या 148 के बाशिंदों को एक-एक फार्म दिया है। एक फार्म होने के कारण लोगों के पास रिसिविंग नहीं रहेगी। जिसके कारण उन्हें भविष्य में दिक्कत हो सकती है। महासंघ के अध्यक्ष ने कहा कि सभी बीएलओ लोगों को दो-दो फार्म उपलब्ध कराएं। कहा कि एसआईआर फार्म निर्धारित तिथि से पूर्व भरकर अपलोड कर दें।

# कोर्ट के आदेश पर पांच लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, मिलक

**अमृत विचार :** कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ चोरी और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि महंत विजय गिरी के सभी दस्तावेज और खाते में पड़े 5 लाख 85 हजार रुपये फर्जी विरासत बनाकर धोखाधड़ी से हड़प लिए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

लोहा पट्टी गांव स्थित बूढ़े बाबा मंदिर के महंत विजय गिरी महाराज के अनुसार 17 अप्रैल को बूढ़े बाबा मंदिर पर ग्रामवासियों की सहमति से प्रार्थी को महंत नियुक्त किया था। मंदिर पर बतौर मैनेजर संकेत सक्सेना उर्फ चिंटू मंदिर पर कार्य कर रहे थे। आरोप है महंत विजय गिरी के सभी दस्तावेज और खाते में पड़े 5 लाख 85 हजार रुपये फर्जी विरासत बना कर धोखाधड़ी से गांव निवासी संकेत सक्सेना व उसके सहयोगी महेश गंगवार, सतीश गंगवार, पुरूषोतम, उर्फ लाला, रामप्रकाश सक्सेना ने आश्रम से सोने की अंगूठी, चांदी के चार सिक्के, बाजूबंद, माथे की विंदा, सोने के सूरज, सोने की ईंट, कूलर, फ्रीज, बर्तन व अन्य समान गायब कर दिए। पीड़ित ने 10 जुलाई को सभी समान वापस करने के लिए कहा तो सभी आरोपी मारपीट कर जान से मारने के लिए आमादा हो गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत कोतवाली में तहरीर दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने मामले में न्यायालय की शरण ली। जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने सभी पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

● खाते में पड़े 5.85 लाख रुपये हड़पने का मामला

## न्यूज ब्रीफ

### आज संविधान दिवस मनाएंगे अधिवक्ता

**रामपुर, अमृत विचार :** बार अध्यक्ष सतनाम सिंह मट्टू ने बताया कि बुधवार आज बार सभागार में संविधान दिवस पर कार्यक्रम होगा। जिसको लेकर बार सभागार में तैयारियां शुरू कर दी है। जिसमें अधिवक्ता पहुंचेंगे।

### 6 व 27 को सांसद सुनेंगे जनसमस्याएं

**रामपुर, अमृत विचार :** सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी 26 व 27 को दो दिवसीय दौरे पर अपने लोकसभा क्षेत्र में रहेंगे। क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं सुनेंगे। उनका निस्तारण करेंगे। यह जानकारी सांसद मीडिया प्रभारी महबूब अली पाशा ने दी।

### आज से होंगे ओलंपिक्स

**रामपुर, अमृत विचार :** व्हाइटहाल पब्लिक स्कूल में बुधवार से लेकर 28 नवंबर तक तीन दिवसीय व्हाइटहाल ओलंपिक्स का आयोजन होगा। जिसमें छात्रों द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, मार्च पास्ट एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। सुबह 10 :30 से आयोजन होगा। जबकि 28 नवंबर को 1 :30 बजे समापन होगा। यह जानकारी प्रधानाचार्य वसंत गुप्ता ने दी।

# रामपुर डीएसए, गाजियाबाद हरदोई और प्रतापगढ़ ने जीते मैच

## महात्मा गांधी स्टेडियम में हो रही हसन आगा मेमोरियल स्टेट हॉकी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

मैच से पहले टीमों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** स्वार रोड स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम में मंगलवार को हसन आगा मेमोरियल स्टेट हॉकी के चार मैच हुए। जिसमें रामपुर डीएसए, हरदोई, गाजियाबाद और प्रतापगढ़ की टीमों ने जीत दर्ज की। पहला मैच रामपुर डीएसए की टीम ने सहारनपुर को 2 गोल से हराया।

स्टेडियम पर पहला मैच रामपुर डीएसए और सहारनपुर की टीमों के बीच खेला गया। संघर्षपूर्ण मुकाबले में अंत तक कोई टीम गोल नहीं कर सकी। टाई ब्रेकर में रामपुर डीएसए ग्रीन ने सहारनपुर की टीम को 2-0 शिकस्त दे दी। दूसरा मैच चांदपुर और हरदोई की टीमों के बीच खेला गया। हरदोई की टीम के खिलाड़ी अभिषेक एवं प्रशांत ने एक-एक गोल किया। जनपद बिजनौर के चांदपुर की ओर से नदीम एवं तरुण ने गोल किए मैच ड्रॉ होने पर टाई ब्रेकर में हरदोई ने 3-1 से मैच जीत लिया। तीसरा मैच गाजियाबाद और काशीपुर की टीमों के बीच खेला गया। गाजियाबाद की ओर से हस्सान, अभय, विनोद सैनी, प्रह्लाद ने गोल कर टीम को 4-0 से जीत दिलाई। चौथा मैच रामपुर छात्रावास व प्रतापगढ़ की टीमों के बीच खेला गया 19 वें मिनट में प्रतापगढ़ के दिव्यांशु ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। रामपुर छात्रावास के आकाश ने 49 वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर किया। अन्त में टाइब्रेकर में प्रतापगढ़ ने 3-2 से मैच जीत लिया।

अंपायरिंग मोहम्मद जावेद, सुनील चौधरी, मुशीर अहमद, तजम्मुल जैदी, बृजेश कुशवाहा और मुनीश द्विवेदी ने की। टेक्निकल टेबिल का कार्य महेंद्र बोरा ने देखा। टूर्नामेंट मीडिया प्रभारी फहीम कुरैशी ने बताया कि 26 नवंबर को तीन मैच खेले जाएंगे। पहला मैच रामपुर ग्रीन व शाहजहांपुर की टीमों के बीच, दूसरा मैच सोनीपत रोहतक और बिजनौर की टीमों के बीच और तीसरा मैच आगा इलेवन और हरदोई की टीमों के बीच खेला जाएगा। अतिथियों का स्वागत जमशेद आगा और फैजान आगा ने बुके देकर किया।

# शहीदी दिवस पर हुआ विशेष समागम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

गुरुद्वारा संत भाई बाबा में शबद कीर्तन से निहाल होती संगत। ● अमृत विचार

गुरुद्वारा में मौजूद डीएम और एसपी।

**अमृत विचार :** सिविल लाइंस स्थित गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा में मंगलवार को गुरु तेग बहादुर साहिब एवं भाई मति दास, भाई सती दास एवं भाई दयाला के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में विशेष समागम हुआ।

सुबह 5 बजे से सुखमणि साहिब के पाठ नितनेम साहिब का पाठ हुआ। गुरुद्वारा पहुंचकर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान व पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने मत्था टेका। गुरुद्वारे में सुबह 8:30 से 9 बजे तक अखंड पाठ साहिब एवं सहज पाठ साहिब की समाप्ति हुई। उसके बाद 9 बजे से 10 बजे तक पटियाला से आए रागी जत्था बीबी जसप्रीत कौर द्वारा शबद कीर्तन किए और इसके बाद अरदास हुई। विशेष दीवान पूर्वाह्न 11 बजे सजा। सबसे पहले नाम सिमरन जत्थे की महिलाओं द्वारा उसके बाद हजूरी रागी जत्था भाई कुलदीप सिंह द्वारा शबद कीर्तन किए। 12 बजे चौपाई साहिब के पाठ हुए, भाई सतनाम सिंह उत्तराखंड वालों द्वारा गुरु महाराज के शहीदी दिवस के संबंध में जानकारी दी। उसके पश्चात नानपुरी टांडा से आए कथा वाचक ग्रंथि भाई हरदीप सिंह द्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी दिवस पर कथा सुनाई। अपराह्न 2:30 से 3:30 बजे तक दरबार साहिब दरबार साहिब अमृतसर से आए हजूरी रागी जत्था भाई हरपाल सिंह द्वारा शबद कीर्तन किए गए। गुरुद्वारा साहिब में आए हुए मेहमानों में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक रामपुर विद्यासागर मिश्र, एडीएम प्रशासन डॉ. नितिन मदान, सुरेश ध्यानी, डॉ. सुमन तोमर, आदित्य वर्मा, लखविंदर सिंह, सतनाम सिंह मट्टू ने आकर गुरु महाराज जी के आगे मत्था टेका।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं सिंह सेवक जत्थे के प्रधान दर्शन सिंह खुराना, गुरचरण सिंह आहूजा, भूपेंद्र सिंह, त्रिलोचन सिंह वाधवा, मीत प्रधान सुरेंद्र सिंह चावला, हरपाल सिंह, महेंद्र सिंह होरा, पपिंदर सिंह, हरजीत सिंह, राज सिंह, जसमीत सिंह, अमरजीत सिंह, हरमिंदर लाल अरोड़ा, प्रेम अरोड़ा, तरनदीप सिंह ग्रोवर, संतोख सिंह खालसा, हरीश अरोड़ा, धनवंत सिंह, गुरदेव सिंह, रवींद्र सिंह, कंवलजीत सिंह और राधेश्याम अरोरा रहे।

# 5.17 करोड़ से होगा भमरौआ रोड का चौड़ीकरण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

**अमृत विचार :** दिल्ली-लखनऊ हाइवे से भमरौआ शिव मंदिर तक जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण होगा। शासन ने शहर विधायक आकाश सक्सेना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मार्ग बनने से भमरौआ शिव मंदिर को आने जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही दर्जनों गांवों के लोगों का आवागमन सुलभ हो जाएगा। साथ ही उद्योगों की भी सालों पुरानी मांग पूरी हो जाएगी।

भमरौआ में प्राचीन श्री पातालेश्वर शिव मंदिर है। जहां प्रत्येक दिन हजारों श्रद्धालुओं का आवागमन रहता है। वहीं शिवरात्रि और सावन माह में यह संख्या लाखों हो जाती है। ऐसे में मार्ग संकरा और ऊबड़-खाबड़ होने की वजह से आएदिन जाम लग जाता है। वहीं, इस मार्ग पर पिलिंग मशीनों समेत कई उद्योग भी स्थापित हैं, जिस कारण ट्रैफिक का दबाव काफी अधिक हो गया है। इसके अलावा भमरौआ, चमरपुरा समेत कई गांवों का जिला मुख्यालय से सीधा संपर्क भी इस मार्ग के माध्यम से होता है। लिहाजा, क्षेत्रीय लोगों और मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की काफी समय से मांग थी कि मार्ग का चौड़ीकरण होने के साथ ही सड़क का निर्माण कराया जाए। इस संबंध में क्षेत्रीय लोगों ने शहर विधायक आकाश सक्सेना से भी बात की थी, जिसके बाद विधायक ने मार्ग के चौड़ीकरण का प्रस्ताव शासन को भेज दिया था। शासन ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। जिसके तहत मार्ग के चौड़ीकरण में 5.17 करोड़ रुपये की लागत आएगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जल्द टेंडर प्रक्रिया पूरी कर मार्ग का निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गौरव ने बताया कि भमरौआ शिव मंदिर मार्ग का चौड़ीकरण होगा। इसके लिए 5.17 करोड़ रूपये मंजूर हुए हैं। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर मार्ग का चौड़ीकरण शुरू करा दिया जाएगा।

**मार्ग चौड़ीकरण के बाद जाम से मिलेगी राहत :** भमरौआ शिव मंदिर को जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण होने के बाद लोगों को जाम से राहत मिल जाएगी। वर्तमान में एक वाहन ही निकल पाता है, लेकिन, अब यह रोड डबल हो जाएगी। जिसके बाद आए दिन लगने वाला जाम बंद हो जाएगा।

> भमरौआ शिव मंदिर ऐतिहासिक है। ऐसे में मंदिर को जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण होना अत्यंत आवश्यक था। इसके लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। जिसके बाद शासन ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह मार्ग चौड़ा होने के बाद जाम की समस्या से निजात मिलने के साथ ही कई गांवों का संपर्क आसान हो जाएगा। विकास के मामले में सरकार रामपुर की जनता के साथ है।
>
> **-आकाश सक्सेना,** नगर विधायक

# 19 दिसंबर तक जमा करें मुंशी, मौलवी और आलिम का परीक्षा शुल्क

**रामपुर, अमृत विचार :** प्रभारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत ने बताया कि उ.प्र. मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा संचालित मुंशी, मौलवी, आलिम की परीक्षा वर्ष 2026 के लिए फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा शुल्क ट्रेजरी चालान के माध्यम से राजकीय कोष में 19 दिसंबर तक जमा की जा सकती है। मदरसे के प्रधानाचार्य द्वारा छात्र-छात्राओं की परिषद की मुंशी, मौलवी सेकेण्डरी फारसी एवं अरबी, आलिम सेकेंडरी फारसी एवं अरबी, परीक्षा वर्ष 2026 के आवेदन पत्रों को ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर भरा जा सकता है। परीक्षा शुल्क ट्रेजरी चालान के माध्यम से राजकीय कोष में जमा करने की अवधि 20 नवंबर से 19 दिसंबर तक है। आवेदन पत्रों को ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर भरने की अंतिम तिथि 20 दिसंबर एवं मदरसे के प्रधानाचार्य द्वारा छात्र-छात्राओं के आवेदन पत्रों को नियमानुसार मदरसा पोर्टल पर लॉक करने की अंतिम तिथि 22 दिसंबर है। मदरसा बोर्ड की परीक्षा 1 से 15 फरवरी तक होगी।

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के स्थापना दिवस पर

East West Public School

(Shankarpur-Daniapur) Bareilly Highway RAMPUR Mob 9359323326

सी.बी.एस.ई. दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त

की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सत्र 2024-25 कक्षा-12 के मेधावी छात्र

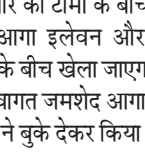

95.60% Kunwar Anurag Singh

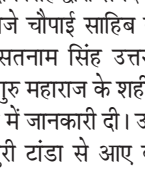

93.40% Nizba

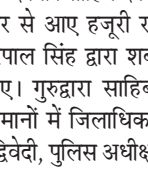

93.20% Sunaina

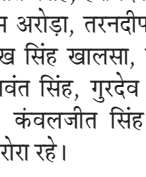

89.80% Sahar Khan

सत्र 2024-25 कक्षा-10 के मेधावी छात्र

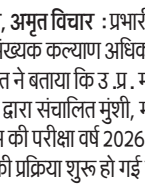

92.60% Bushra Khanam

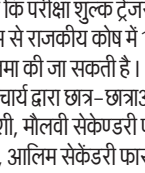

92.00% Aamina Maryam Khan

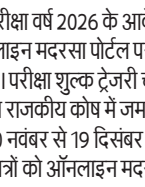

90.40% Arshi Naaz

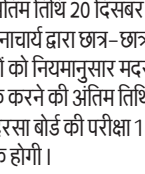

88.20% Sana Bi

प्रवेश प्रारम्भ दिनांक 25 नवम्बर 2025 से कक्षा नर्सरी से कक्षा 9 व 11 (सत्र 2026-27)

अनवार उल्लाह खाँ (एडवोकेट) डायरेक्टर, ईस्ट वैस्ट पब्लिक स्कूल

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रामपुर जिला सहकारी बैंक लि० रामपुर

बैंक की योजनाएं

1. बैंक में संचालित आवर्ती एवं सावधि जमा (FD/RD/RID) पर वरिष्ठ नागरिकों को अधिकतम 7.40% वार्षिक ब्याज दर।
2. सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं अन्य नागरिकों के लिए मासिक आय योजना (MID) के अंतर्गत एकमुख्त निवेश/जमा पर प्रत्येक माह निर्धारित धनराशि भुगतान की सुविधा।
3. ग्राहकों का जमा धन, निक्षेप बीमा गारण्टी प्रत्यय निगम के अंतर्गत नियत सीमा तक बीमा से सुरक्षित।
4. किसान क्रेडिट कार्ड योजनांतर्गत किसानों को अंकन 3.00 लाख रू. तक 3% ब्याज दर पर फसली ऋण की सुविधा उपलब्ध।
5. पशुपालन एवं मछली पालन को बढ़ावा देने हेतु 3% ब्याज दर पर नगद ऋण की सुविधा उपलब्ध।
6. दुग्ध उत्पादन/डेयरी व्यवसाय हेतु दीर्घकालीन अवधि (05 वर्ष) हेतु रू. 10.00 लाख तक की ऋण सुविधा उपलब्ध।
7. रिन्यूबल एनर्जी स्कीम के तहत जनपद के निवासियों को सोलर लगाये जाने हेतु ऋण की सुविधा उपलब्ध।
8. सामाजिक सुरक्षा स्कीम के अंतर्गत रू. 436.00 की वार्षिक प्रीमियम पर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, रू. 20.00 की वार्षिक प्रीमियम पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा तथा अटल पेंशन योजना की सुविधा उपलब्ध।
9. विविधीकरण ऋण योजनाओं के अंतर्गत वेतनभोगी कर्मचारियों एवं जन सामान्य को व्यवसायिक ऋण, व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण, स्वरोजगार प्रारम्भ करने हेतु पी.एम.स्वनिधि ऋण की सुविधा।
10. बैंक की समस्त शाखायें CBS युक्त RTGS/NEFT एवं IMPS/BBPS. UPI की सुविधा एवं बैंक की 17 शाखाओं पर ATM समस्त शाखाओं में माइक्रो ATM एवं बंक में 2-मोबाईल ए.टी.एम. वैन के माध्यम से बैंकिंग की सुविधाएं उपलब्ध।
11. समस्त शाखाओं में समय की बचत हेतु माइक्रो ए.टी.एम. द्वारा धन जमा व निकासी की सुविधा एवं बैंक से सम्बद्ध बी-पैक्स पर विद्युत बिल जमा की सुविधा उपलब्ध।
12. बैंक की शाखाओं यथा-सिविल लाईन्स, सफदरजंग, गुईयां तालाब, पुरानागंज, राजद्वारा, ज्वालानगर, पनवड़िया, स्वार, मिलक एवं टाण्डा में रियायती दर पर लॉकर सुविधा उपलब्ध।

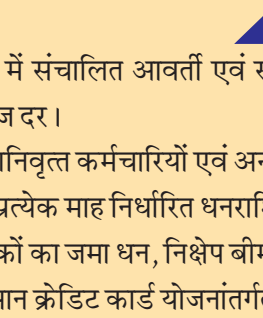

मोहन लाल सैनी
मा. सभापति, जिला सहकारी बैंक

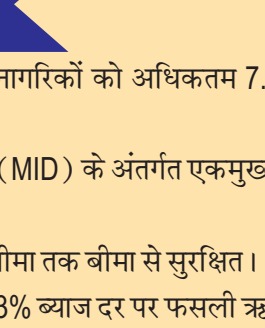

श्रीप्रकाश त्रिपाठी
सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी रामपुर

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के

स्थापना दिवस

की

हार्दिक शुभकामनाएं

WHITEHALL PUBLIC SCHOOL

8th Milestone Bareilly Road, P.O. Kakrawa, Rampur (U.P.)

अमृत विचार

मुरादाबाद , बुधवार,26 नवंबर 2025



## न्यूज ब्रीफ

### बाइकों की टक्कर में छह लोग घायल

चंदौसी, अमृत विचार : गांव आटा के पास बाइकों की टक्कर में तंजू कुमार निवासी मोहल्ला चुन्नी चंदौसी व जतिन और दूसरी बाइक पर सवार राजू कश्यप निवासी गांव आटा,उसका साथी घायल हो गए। वहीं सीता रोड की पुलिस चौकी के पास दो बाइकों की टक्कर में फरमान निवासी गांव मंगलपुर थाना गढ़ी और कयाद गंभीर रूप से घायल हो गया।

### बाइक टकराने से पिता पुत्र सहित तीन घायल

बहजोई,अमृत विचार : थाना बनियाठेर के गांव अफजलपुर डरौली निवासी वेद प्रकाश पुत्र लाल सिंह अपने बेटे ओंकार सिंह के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। गांव लहरावन निकट चंदौसी की ओर से बाइक से आ रहे थाना कैला देवी के गांव खजरा इकौना निवासी राजेश की बाइक से टक्कर गई। तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।

### वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बहजोई,अमृत विचार : बरेली के अलीगंज निवासी राज पुत्र शोयराज सिंह बाइक से हरियाणा के रेवाड़ी से अपने घर बरेली लौट रहा था। बहजोई रजपुरा मार्ग पर नवीन पुलिस लाइन चौकी के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बहजोई सीएचसी लाया गया जहां मृत घोषित कर दिया।

# साठा के स्थाई वारंट के साथ रेड कॉर्नर नोटिस की तैयारी

## संभल हिंसा के मास्टरमाइंड शारिक साठा को भारत लाकर सजा दिलाने के प्रयास तेज,एसपी ने कहा- वह कहीं भी छुपा हो बच नहीं पायेगा

कार्यालय संवाददाता,संभल

**अमृत विचार:** संभल हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता शारिक साठा को गिरफ्तार कर उसके किये की सजा दिलाने के लिए पुलिस ने अब खास रणनीति के साथ कार्रवाई आगे बढ़ाने की कवायद शुरू कर दी है। संभल पुलिस एक-दो दिन में ही शारिक साठा के खिलाफ अदालत से स्थाई वारंट जारी कराएगी। इसके साथ ही रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराकर साठा की गिरफ्तारी के लिए केंद्रीय एजेंसियों के साथ सामंजस्य बनाकर इंटरपोल की मदद लेने की भी तैयारी है।

संभल में 24 नवंबर 2024 को अदालत के आदेश पर जामा मस्जिद में सर्वे की कार्रवाई के दौरान हिंसा की बड़ी घटना हुई थी। इस हिंसा में गोली लगने से चार लोगों की मौत हुई थी जबकि भीड़ द्वारा किये गये पथराव व फायरिंग में 29 सिपाही व पुलिस अधिकारी घायल हुए थे। दर्जनों वाहनों को आग के हवाले करने के साथ ही पुलिस कर्मियों से पिस्टल की मैगजीन व कारतूस लूट लिये गये थे। बवाल इतना बड़ा हुआ था कि भारी पुलिस बल की तैनाती के साथ ही संभल में कई दिन तक इंटरनेट सेवाएं भी बाधित रखनी पड़ी थीं। हिंसा की जांच के लिए गठित एसआईटी ने अपनी जांच में पाया था कि दुबई में बैठे देश के बड़े ऑटो लिफ्टर गैंग सरगना शारिक साठा हिंसा का मास्टरमाइंड था। उसने हथियार उपलब्ध कराकर भीड़ में अपने गुर्गे शामिल कराए थे जिन्होंने न सिर्फ पुलिस पर फायरिंग की बल्कि भीड़ में शामिल चार युवकों की भी जान ली ताकि हिंसा बड़ा रूप ले ले।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शारिक साठा ने मुल्ला अफरोज, वारिस, गुलाम आदि गुर्गों को 10 से 15 लोगों और पुलिसकर्मियों की हत्या कराने का टास्क दिया था ताकि संभल के बाद हिंसा पूरे देश में फैल जाये। पुलिस ने अयान, बिलाल, नईम व कैफ की हत्या और भीड़ को विदेशी हथियार उपलब्ध कराने के मामले में मुल्ला अफरोज, वारिस और गुलाम नबी को गिरफ्तार कर लिया लेकिन शारिक साठा पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका। वह दुबई में छिपा बैठा है। अब पुलिस दुबई से उसे भारत लाने के प्रयास कर रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि एक दो दिन में ही अदालत से शारिक साठा का स्थाई गैर जमानती वारंट जारी कराने का काम किया जायेगा। इसके साथ ही पुलिस अब शारिक साठा को अंतरराष्ट्रीय अपराधी के रूप में चिह्नित कर उसकी गिरफ्तारी के लिए रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाने की प्रक्रिया में है। दावा है कि नोटिस जारी होते ही शारिक साठा दुनिया के किसी भी देश में छिपा हो, पुलिस उसे पकड़ सकेगी। संभल हिंसा और शारिक साठा के अपराध नेटवर्क से जुड़ी यह कार्रवाई जिले में अब तक के सबसे बड़े पुलिस ऑपरेशन के रूप में देखी जा रही है।

संभल में हिंसा के दौरान पुलिस पर हमलावर भीड़। (फाइल फोटो) ● अमृत विचार

### जो कोई कानून से खिलवाड़ करेगा वह भुगतेगा सजा: एसपी

कृष्ण कुमार विश्नोई

एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि संभल अतिसंवेदनशील जनपद रहा है। कुछ ऐसे असामाजिक तत्व यहां थे, जिनको जरूरत से ज्यादा बढ़ावा देकर उनके दिमाग खराब कर दिये गये थे। उनके दिमाग ठीक करने का काम पुलिस के द्वारा किया गया है। कानून व्यवस्था और कानून के प्रति हर व्यक्ति के मन में सम्मान हो,यही संदेश प्रत्येक व्यक्ति को देने का प्रयास किया गया है। एसपी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति इस बात को समझना होगा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। जो व्यक्ति कानून का सम्मान करेगा, उसका संभल पुलिस और प्रशासन के द्वारा भी सम्मान किया जाएगा, जो व्यक्ति कानून व्यवस्था को अपने हाथ में लेगा तो शत-प्रतिशत सजा पाएगा।

### देश के सबसे बड़े ऑटो लिफ्टर में है शारिक साठा, 2020 में भागा दुबई

शारिक साठा।

एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि शारिक साठा देश के सबसे बड़े ऑटो लिफ्टरों में से एक है। उसके गिरोह द्वारा हर वर्ष 300 से अधिक वाहन चोरी किए जाते रहे। यह गैंग देश के तमाम प्रदेशों से कारों की चोरी कर उन्हें नाथ ईस्ट में बेचता है। वहां कारों को बेचने से मिली रकम से अत्याधुनिक हथियार खरीदकर लाने की बात भी सामने आ रही है। शारिक साठा वर्ष 2020 में दिल्ली की जेल से रिहा होने के बाद फर्जी नाम से पासपोर्ट बनवाकर दुबई चला गया था। दिल्ली पुलिस, यूपी एसटीएफ और कई जिलों की पुलिस उसके खिलाफ पहले से ही कार्रवाई में जुटी है। शारिक साठा मूलरूप से संभल के थाना नखासा क्षेत्र के हिंदूपुरा खेड़ा का रहने वाला है। वहां उसके मकान पर पिछले कई महीनों से ताला लटका है। पिछले दिनों पुलिस ने उसके मकान पर कुर्की का नोटिस भी चस्पा किया था। कहा जा रहा है कि शारिक साठा के दुबई में रहते हुए भी उसका गिरोह सोशल मीडिया और वीओआईपी कॉल के जरिए काम कर रहा था।

## कैंसर पीड़ित संभल के एडीएम न्यायिक का निधन

**संभल, अमृत विचार:** संभल जनपद के अपर जिलाधिकारी न्यायिक सतीश कुमार कुशवाहा का नई दिल्ली स्थित एम्स में उपचार के दौरान देर रात निधन हो गया। कुशवाहा चेस्ट कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। लगातार उपचार के चलते वह पिछले चार महीने से मेडिकल लीव पर थे।

सतीश कुशवाहा।

करीब छह महीने पहले सतीश कुमार कुशवाहा की तैनाती संभल में हुई थी। हालत बिगड़ी तो संभल में तैनाती के दो माह बाद ही वह मेडिकल लीव पर चले गये थे। पिछले कुछ दिन से वह गंभीर हालत में दिल्ली एम्स में भर्ती थे। सोमवार रात 2:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। मूल रूप से देवरिया जिले के निवासी सतीश कुशवाहा ने 1986 में नायब तहसीलदार के रूप में शासकीय सेवा में प्रवेश किया था। इसके बाद प्रमोशन पाकर वह मेरठ, नोएडा, श्रावस्ती, बुलंदशहर, गौतम बुद्ध नगर और आगरा में एसडीएम के पद पर तैनात रहे। अधिकारियों,कर्मचारियों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

# गुरुद्वारों में गूंजे शबद कीर्तन, लंगर बरताया

संवाददाता,चंदौसी

**अमृत विचार:** गुरु तेग बहादुर के 350 वें शहीदी दिवस पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

मंगलवार को गुरुद्वारा परिसर में सुबह 6 बजे से कीर्तन दरबार शुरु होकर किया गया जिसमें रागी जत्था ने गुरुवाणी व शबद कीर्तन किया। दोपहर 1 बजे से तेगबहादुर मार्ग पर सरदार स्वर्ण सिंह सिमरन सिंह की तरफ से लंगर लगाया गया । कथावाचक भाई सिमरनजीत सिंह व जसप्रीत कौर पटियाला वाले ने शबद कीर्तन सुनाया। इसके उपरान्त शुरु का अटूट लंगर बरता गया । प्रधान सरदार गोपाल मिह, सचिव सरदार चरन सिंह, सरदार महिन्दपाल सिहं, गुरवख्श सिहं, कमलजीत सिह, अवतार सिंह देनेन्द्रसिह, गुरदीप सिंह, हरचरज सिंह, हरमीत सिह दिलीप कौर, गुरुचरन कॉर, अमरजीत कौर आदि संगत का सहयोग रहा ।

गुरुद्वारा श्री गुरुनानक दरबार पथरा में भी श्री गुरु तेग बहादुर का शहीदी पर्व मनाया गया। सुबह से ही विभिन्न कार्यक्रमों के साथ श्लोक,वाणी उपरांत कीर्तन-दरबार सजाया गया। गुरुद्वारा के हजूरी रागी जत्था ने सबद गुरुबाणी में गुरु तेग बहादुर की महिमा का बखान किया। गुरु तेग बहादुर सिख धर्म के नौवें गुरु थे. उन्हें पूरे भारत में 'हिंद की चादर' के नाम से सम्मान दिया जाता है । उनका जीवन साहस, त्याग और मानवता की रक्षा के लिए किए गए महान बलिदान का प्रतीक है ।

चंदौसी के गुरुद्वारे में शबद कीर्तन करते रागी। ● अमृत विचार

## चार दिन पहले मिले जंगली जानवर की मौत

**संभल/ओबरी,अमृत विचार:** संभल के जंगल में चार दिन पहले मिले जंगली जानवर की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद दोपहर में उसे दफना दिया गया।

शनिवार को कुतुबपुर मुरथुला-भटपुरा संपर्क मार्ग पर यह शावक पकड़ा गया था। ग्रामीणों में तेंदुआ की अफवाह फैल गई थी। वनरक्षक आशुतोष देवल ने बताया कि पिछले चार दिनों से शावक का उपचार चल रहा था, लेकिन मंगलवार सुबह उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि असमोली क्षेत्र में तालाब के किनारे जंगली बिल्ली पाई जाती है और हाल ही में गांव मबई ढोल में मिले बच्चे भी संभवतः इसी प्रजाति के थे। वनरक्षक ने बताया कि इस जंगली बिल्ली ने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया था और उसे बेहोश कर सुरक्षित पिंजरे में रखा गया था। शव दफना दिया गया।

# बंद की गई ट्रेनें दोबारा संचालित करने की मांग

- कोहरे का बहाना बनाकर बंद न की जाए कोई ट्रेन
- व्यापारियों ने स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से जीएम को भेजा ज्ञापन

संवाददाता,चंदौसी

**अमृत विचार:** अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कार्यवाहक स्टेशन अधीक्षक रजनीश कुमार के माध्यम से रेलवे महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने चंदौसी जंक्शन की लगातार हो रही उपेक्षा पर कड़ी नाराजगी जताते हुए मांग की कि कोविड काल में बंद की गई सभी ट्रेनों को पुनः संचालित किया जाए। कोहरे का बहाना बनाकर किसी भी ट्रेन को बंद न किया जाए।

व्यापारियों का कहना है कि ट्रेनों के बंद होने से व्यापार पर भारी असर पड़ा है। बाहर से माल मंगाने की लागत बढ़ गई है और छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। ट्रेनों की कमी के कारण चंदौसी जैसे पुराने जंक्शन पर खरीदारों की संख्या भी घटती जा रही है, जिससे पूरे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि चंदौसी रेलवे स्टेशन सफेद हाथी बनता जा रहा है। जंक्शन सिर्फ नाम का रह गया है। चंदौसी के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में बंद हुई कई ट्रेनें अभी तक बहाल नहीं हुईं, जबकि कुछ ही महीनों में कोहरे के नाम पर बची हुई ट्रेनों को भी बंद करने की तैयारी शुरू कर दी जाएगी। इससे यात्रियों को भी असुविधा होगी और व्यापारियों को भी राहत नहीं मिलेगी।

शाह आलम मंसूरी ने कहा कि जब ट्रेनें बंद होती हैं तो लोगों को मजबूरी में बस या निजी वाहनों से यात्रा करनी पड़ती है, जिससे किराया कई गुना बढ़ जाता है। इससे आम नागरिकों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और व्यापारियों के लिए माल ढुलाई भी महंगी पड़ती है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही ट्रेन सेवाएं बहाल नहीं की गईं तो व्यापारी समुदाय बड़ा आंदोलन करने पर बाध्य होगा। इस दौरान डॉ. टीएस पाल, शुभम अग्रवाल, विक्रम आदित्य राणा, रितिक वार्ष्णेय, जावेद आदि शामिल रहे।

चंदौसी रेलवे स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते व्यापारी। ● अमृत विचार

# बाहरी लोगों के सत्यापन को पुलिस ने चलाया अभियान

कार्यालय संवाददाता,संभल

**अमृत विचार:** दिल्ली में हाल ही में हुए आतंकी विस्फोट और उससे जुड़े कश्मीर कनेक्शन के बाद संभल पुलिस भी पूरी तरह अलर्ट मोड में है। संभल शहर में बाहर से आकर रहने वाले लोगों का सत्यापन करने के लिए पुलिस ने अभियान चलाया। मंगलवार को कोतवाली पुलिस ने हसनपुर रोड स्थित मुसाफिर खाने सहित कई स्थानों पर जांच अभियान चलाया।

पुलिस टीम ने मुसाफिर खाने में जाकर कमरों की जांच की तो पुलिस को मुसाफिर खाने में उत्तर प्रदेश के अमरोहा, शाहजहांपुर, मेरठ और सहारनपुर जनपदों के 10 लोग वहां ठहरे मिले। इनमें से कुछ लोग तीन महीने से रुके थे, जबकि कुछ एक दो दिन पहले ही आए थे। ये सभी लोग सर्दियों के मौसम में शहर और गांवों में घूमकर दवाई, सुरमा और अन्य वस्तुओं का व्यापार करते हैं। पुलिस ने सभी से आधार कार्ड लेकर सत्यापन करवाने के निर्देश दिए। वहीं मुसाफिर खाना और अन्य आवासीय संस्थानों के संचालकों को आदेश दिया गया है कि वे किसी भी व्यक्ति का आधार कार्ड जमा करें और तुरंत संबंधित थाने को जानकारी दें। पुलिस ने सभी स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। जहां कैमरे नहीं लगाए गए थे, वहां तुरंत लगाने के निर्देश दिए गए ताकि बाहरी लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। सहारनपुर निवासी फिरोज ने बताया कि मुसाफिर खाने में पहुंची पुलिस ने उनसे आधार कार्ड मांगा था जो उन्होंने दिखा दिया। बताया कि वह दवाई बेचने का काम करते हैं। वह तीन-चार महीने से यहां रुके हुए हैं ।

- हसनपुर रोड स्थित मुसाफिर खाने में 10 लोग मिले
- दिल्ली में विस्फोट और कश्मीर कनेक्शन के बाद पुलिस सतर्क

संभल के मुसाफिर खाने में ठहरे लोगों से पूछताछ करती पुलिस। ● अमृत विचार

## रजपुरा चीनी मिल ने किया 18 करोड़ भुगतान

**संभल/रजपुरा, अमृत विचार:** रजपुरा चीनी मिल ने पेराई सत्र 2025-26 के तहत किसानों को पहला गन्ना मूल्य भुगतान कर दिया है। मिल प्रशासन के अनुसार 18 करोड़ रुपये की राशि किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई है।

चीनी मिल के उपाध्यक्ष आशीष कुमार शर्मा ने बताया कि अब तक मिल में 15.16 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की जा चुकी है। किसान अपने गन्ने को औने-पौने दामों पर कहीं भी न बेचें। पौधा गन्ना बिल्कुल भी सप्लाई न करें, क्योंकि वह अभी अपरिपक्व है और उसकी पेड़ी का फुटाव भी सही नहीं होगा। केवल पेड़ी एवं शरदकालीन गन्ने की ही सप्लाई करें। वरिष्ठ महाप्रबंधक, गन्ना इकबाल सिंह ने किसानों से कहा कि वे साफ-सुथरा, जड़-पत्ती एवं अगोला रहित गन्ना ही मिल को आपूर्ति करें।

## न्यूज डायरी

### तय समय में मतदाता सूचियों का डिजिटलाइजेशन करें बीएलओ

संभल/चंदौसी,अमृत विचार : निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची के डिजिटाइजेशन सहित अन्य कार्य के बीच मंगलवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने तहसील सभागार चंदौसी में बीएलओ के साथ बैठक कर कार्य प्रगति की समीक्षा की।बैठक में जिलाधिकारी ने गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और डिजिटलाइजेशन की स्थिति की जानकारी ली। जिनके क्षेत्र में अब तक 20 प्रतिशत से भी कम डिजिटलाइजेशन हुआ है उन्हें चेतावनी भरे लहजे में स्पष्ट निर्देश दिए कि तय समय सीमा में शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन हर हाल में पूर्ण कराएं। जिलाधिकारी ने एनआईसी के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर भी समीक्षा की। कहा कि मतदाता सूची का समयबद्ध और सटीक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना बेहद महत्वपूर्ण है।

### डिप्टी कलेक्टर ने किया ओबरी बूथ का निरीक्षण

संभल/ओबरी,अमृत विचार : असमोली क्षेत्र के ओबरी गांव स्थित उच्च प्राथमिक विधालय का सोमवार की दोपहर डिप्टी कलेक्टर निधि पटेल ने निरीक्षण किया। उन्होने बीएलओ से जिन लोगों के फार्म नहीं बंटे हैं उनके बारे में जानकारी की तथा मृतकों व शादीशुदा लड़कियों और जो बाहर चले गए हैं उनकी जानकारी प्राप्त की । मतदाताओं द्वारा बीएलओ के जमा हुए एसआईआर के कई आवेदनकर्ताओं के नामों को ग्रामीणों के बीच बोलकर चैक किया। उन्होंने कहा एक मतदाता केवल एक ही एसआईआर का आवेदन करे। यदि एक मतदाता के एक पते के दो आवेदन पत्र करता है तो ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बीएलओ को जल्द से जल्द मतदाताओं से एसआईआर फ़ार्म जमा करने को निर्देश दिए।

### वैदिक मंत्रोच्चार संग हुआ माता अन्नपूर्णा का अभिषेक

चंदौसी,अमृत विचार : श्री देवी गंगा मंदिर में चल रहे 17 दिवसीय श्री अन्नपूर्णा व्रत महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के माहौल में संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पंडित मनोज शर्मा एवं श्रीमती प्रवेश शर्मा ने माता अन्नपूर्णा का अभिषेक किया। इसके बाद माता की मूर्ति का आकर्षक श्रृंगार कर पूजन-अर्चन किया गया। कथा व्यास पंडित भूदेव शंखधार ने कहा कि अन्नपूर्णा माता की सेवा करने से मनुष्य को सुख की प्राप्ति होती है और जीवन में दरिद्रता, वैर तथा वियोग जैसे कष्ट नहीं आते। भगवती प्रसाद, शारदा देवी, लक्ष्मीनारायण, अर्चना, बंशी, जगदीप, ऊषा, पारुल, कृष्णा, सौम्या, वैष्णवी, सीताराम, सरोजिनी, मोहिनी, राधा, प्रवीण, साधना, अंशिका, कुमकुम, शीला, मीना, नीरू, अनन्या, पूजा, पुष्पा देवी सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

### हर धर्म- वर्ग को समान रूप से देखें प्रधानमंत्री :बर्क

संभल,अमृत विचार : सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराने को गलत बताया है। सांसद बर्क ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक देश है, न कि धार्मिक देश। ऐसे में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री को हर धर्म और हर वर्ग का समान रूप से सम्मान करना चाहिए। सांसद बर्क ने जनता से अपील की कि वह जागरूक रहें और समझें कि उनके हित में क्या है। बर्क ने कहा कि धर्म सभी के लिए महत्वपूर्ण है। देश का नेतृत्व हर धर्म और हर समाज को साथ लेकर चले, यही लोकतंत्र की भावना है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी विधायक हमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद बनाने के ऐलान पर सांसद बर्क ने कहा कि धार्मिक स्थलों को राजनीतिक रंग देना गलत है। उन्होंने कहा कि मस्जिद बनना मुसलमानों का मजहबी और संवैधानिक अधिकार है ताकि मुसलमान इबादत कर सकें। टीएमसी नेता के निमंत्रण पर उन्होंने कहा कि उन्हें कोई आमंत्रण प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए टिप्पणी का सवाल ही नहीं उठता।

जियाउर्रहमान बर्क।

# किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म कर वीडियो किया वायरल

**संभल,अमृत विचार:** तीन किशोरों ने किशोरी के साथ खेत में सामूहिक दुष्कर्म कर वीडियो बनाने के बाद वायरल कर दिया। पिता ने तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

थाना असमोली क्षेत्र के एक गांव में 10-12 दिन पहले किशोरों ने अपनी हम उम्र किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। सोमवार की रात को दुष्कर्म का वीडियो गांव के लोगों के मोबाइल पर आया तो लोग चौंक गये। बात पूरे गांव में फैली तो पिता को जानकारी हुई। उसने बेटी से पूछा तो उसने घटना के बारे में बताया कि किशोरों ने किसी को बताने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी थी। पिता द्वारा कानूनी कार्रवाई करने की बात कही गई तो तीनों किशोरों के परिजन हाथ जोड़ने लगे। मामला निपटाने के लिए गांव में पंचायत की बात भी की गई। किशोरी के पिता पर दबाव बनाने का प्रयास होता रहा। परिवार के लोगों से विचार-विमर्श करने के बाद मंगलवार की सुबह पिता व अन्य परिजन पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेने के बाद पॉक्सो एक्ट एवं धमकाने सहित गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस ने किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए सरकारी अस्पताल भेजा है। थाना प्रभारी राजीव कुमार मलिक ने बताया कि पीड़ित किशोरी के पिता की शिकायत के आधार पर गांव के रहने वाले तीन किशोरी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। जल्दी ही उन्हें गिरफ्तार करते हुए बाल न्यायालय में पेश किया जाएगा।

- पिता की तहरीर पर तीन किशोरों पर रिपोर्ट दर्ज

# हर कालखंड में ट्रांसजेंडर महत्वपूर्ण

कार्यालय संवाददाता,संभल/बहजोई

**अमृत विचार:** सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस, विद्या देवी चैरिटेबल ट्रस्ट और जिला प्रशासन संभल की ओर से ट्रांसजेंडर अधिनियम 2019 पर एक दिवसीय जागरुकता एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया।

ट्रांसजेंडर रविना वहिर ने पुराने समय से लेकर आधुनिक भारत तक ट्रांसजेंडर्स की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रामायण, महाभारत, गुप्तकाल सहित विभिन्न कालखंडों में ट्रांसजेंडर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने संविधान के मूल अधिकारों और धारा 377 से जुड़े प्रावधानों पर भी जानकारी दी। बताया कि 2019 में भारत सरकार ने ट्रांसजेंडर्स को तृतीय लिंग के रूप में विधिक मान्यता प्रदान की और विभिन्न पहचान दस्तावेजों में उन्हें सम्मानजनक स्थान दिया। राष्ट्रीय सेवा भारती के महासचिव ऋषिपाल सिंह डडवाल ने नालसा जजमेंट, किन्नर अखाड़ा और ट्रांसजेंडर्स के सामाजिक उत्थान पर विचार रखे। जिलाधिकारी द्वारा नामित ट्रांसजेंडर प्रतिनिधि चाहत ने भी अपने अनुभव साझा किए। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने निर्देश दिए कि ट्रांसजेंडर समुदाय को अधिनियम में वर्णित सभी लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जाएं और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोडने के प्रयास तेज किए जाएं। संचालन डॉ. एसएन शर्मा ने किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार, अधिशासी अभियंता सुनील प्रकाश, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रमाण पत्र के साथ अधिकारी व अतिथि। ● अमृत विचार

- रविना वहिर ने जागरुकता कार्यक्रम में दी संवैधानिक अधिकारों की जानकारी

ब्रीफ न्यूज

## डॉ. पवन कोहली को पीएचडी की उपाधि

**हसनपुर, अमृत विचार :** गांव अंधेरपुरी के साधारण परिवार से संबंध रखने वाले डॉ. पवन कुमार कोहली को सीएसआईआर द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। डॉ. पवन ने अपना शोध कार्य सीएसआईआर पुणे से किया। डॉ. पवन का हाल ही में दिल्ली विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन हुआ है। डॉ. पवन कुमार ने पांच शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित किए हैं। उन्होंने सल्फोन युक्त यौगिकों के निर्माण हेतु अनेक नई एवं उन्नत विधियों का विकास किया। वह इस उपलब्धि का संपूर्ण श्रेय वे अपने माता-पिता, परिवार, गुरुजनों और ईश्वर को देते हैं।

डॉ. पवन कुमार।

## दुर्घटना में बाइक सवार घायल

**डिडौली, अमृत विचार :** संभल जिले के थाना एहचोड़ा कोम्बोह क्षेत्र के गांव कुतुबपुर सत्ता निवासी दानवीर सिंह का बेटा मोहित सोमवार देर रात रजबपुर क्षेत्र स्थित एक गांव में शादी समारोह से बाइक से घर लौट रहा था। जोया के आनन्द विहार के पास पीछे से आ रही दूसरी बाइक उनकी बाइक में घुस गई। पुलिस ने मोहित कुमार को सीएचसी जोया पहुंचाया। जहां हालत गंभीर देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया। दानवीर सिंह ने डितहरीर दे दी है।

## दुर्घटना में किशोर और घोड़े की मौत

**बिजनौर, अमृत विचार :** शेरकोट थाना क्षेत्र के गांव मुबारकपुर कुंडा चौराहे के पास मंगलवार सुबह ट्रक और घोड़ा-बग्गी में टक्कर हो गई। घोड़ा-बग्गी में सवार प्रशांत (18) पुत्र नरेंद्र निवासी ग्राम बुडेरन थाना स्योहारा की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि घोड़ा भी मर गया। अलीम पुत्र फईम निवासी ग्राम मुकरपुरी थाना स्योहारा, वीरू और नितिन निवासी गांव बुडेरन गंभीर रूप से घायल हो गए।

## डाक कर्मी ने फंदा लगाकर दी जान

**बिजनौर, अमृत विचार :** साकेत कॉलोनी में डाक विभाग के एक कर्मचारी ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान 32 वर्षीय सोनू पुत्र बृजेश निवासी ग्राम सिमला के रूप में हुई। सोनू साकेत कॉलोनी में किराए पर रहता था। परिजनों ने बताया कि उसके तीन बच्चे हैं। हाल के दिनों में पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था। पुलिस जांच कर रही है।

# एसआईआर में लापरवाही: 23 शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों के वेतन पर लगाई रोक

### एसडीएम और पर्यवेक्षकों के निरीक्षण में सभी बीएलओ ड्यूटी पर नहीं मिले थे

संवाददाता, हसनपुर

- कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई
- उपजिलाधिकारी ने इस मामले में कड़ी चेतावनी जारी की

**अमृत विचार:** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार तहसील क्षेत्र में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लापरवाही पर 23 अध्यापक, शिक्षामित्र और अनुदेशक के वेतन पर रोक लगा दी गई। इन सभी की ड्यूटी बीएलओ या सहायक बीएलओ के रूप में लगाई गई थी।

खण्ड विकास अधिकारी, गंगेश्वरी के पत्र के अनुसार ,उपजिलाधिकारी और पर्यवेक्षकों के भ्रमण और निरीक्षण के दौरान ये सभी कर्मचारी गैरहाजिर मिले। इस गंभीर अनुशासनहीनता को देखते हुए समस्त 23 कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल और कठोर कार्रवाई की गई है।

इन कर्मचारियों की लापरवाही को कार्य के प्रति उदासीनता मानते हुए, खंड शिक्षा अधिकारी, गंगेश्वरी को पत्र भेजकर इन सभी का वेतन तत्काल प्रभाव से आहरित न किए जाने हेतु अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी गई है, साथ ही इनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की संस्तुति भी की गई है। उपजिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पुष्कर नाथ चौधरी ने इस मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए कड़ी चेतावनी जारी की।

उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में निर्वाचन ड्यूटी से गैरहाजिर रहने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## सभी मतदाता व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एसआईआर में लें भाग

संवाददाता, अमरोहा

**अमृत विचार:** डीएम निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में जिले में प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र को सही से भरकर हस्ताक्षर करने के बाद 4 दिसंबर तक अपने मतदेय स्थल के बीएलओ को उपलब्ध कराना है। गणना प्रपत्र को उपर्युक्त वेब पोर्टल पर ही ऑनलाइन भी भरने की सुविधा उपलब्ध है। बताया कि पोर्टल के माध्यम से सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। मतदाताओं की सुविधा के लिए टेलीफ़ोन की हेल्पलाइन भी उपलब्ध है। जनपद के एसटीडी कोड के साथ 1950 डायल करें। जिला संपर्क केंद्र पर बैठे कर्मचारियों द्वारा मतदाताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया जाता है एवं उनकी शिकायत दर्ज की जाती है। उन्होंने सभी मतदाताओं से प्रक्रिया में पूर्ण उत्साह के साथ भाग लेने एवं अपने एसआईआर का सहयोग करने की अपील भी की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके क्षेत्र के समस्त गावों के समस्त मजरों में और नगरीय क्षेत्रों में समस्त मोहल्लों, कॉलोनियों और बस्तियों में रहने वाले प्रत्येक मतदाता को गणना पत्र अवश्य उपलब्ध करा दिया जाए। इसके अलावा उन्होंने सभी जन प्रतिनिधियों एवं समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में भाग लेने की अपील की।

निधि गुप्ता, डीएम।

## हैंगिंग के चलते हुई थी रामपुर के युवक की मौत

**अमरोहा, अमृत विचार :** थाना अमरोहा देहात क्षेत्र में महिला के साथ लिव इन में रह रहे रामपुर के युवक की मौत हैंगिंग के चलते हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई। झटके से उसकी गर्दन की हड्डी भी टूट गई थी।

दरअसल थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के मोहलला बदावाला में दो दिन पहले युवक की लाश कमरे में लटकी मिली थी। उसकी पहचान लोकेश कुमार के रूप में हुई थी। रामपुर जिले के सैफनी थाना क्षेत्र के गांव चंद्रनगर निवासी लोकेश कुमार अमरोहा में किराए के मकान में रहकर प्रापर्टी डीलर के पास काम करता था। उसके साथ एक महिला लिव-इन रिलेशनशिप में थी। लोकेश का शव कमरे में खिड़की के सहारे फंदे पर लटका हुआ मिला था। सोमवार को पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजन शव को ले गए। पूछताछ के बाद पुलिस ने महिला को छोड़ दिया है। लोकेश की मौत फांसी लगाने से हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मे उसकी गर्दन टूटी पाई गई। प्रभारी निरीक्षक सनोज प्रताप ने बताया कि लोकेश की मौत के बाद महिला से पूछताछ की थी। परिजनों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है।

# बरात में कार की छत पर चढ़कर उड़ाये नोट

बरात चढ़त के दौरान नोट उड़ाते युवक। ● अमृत विचार

संवाददाता, हसनपुर

**अमृत विचार:** नगर के संभल अड्डे के निकट सोमवार की देर रात हाईवे पर बरात में शामिल युवकों ने कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए खतरनाक स्टंट किया।

बरात चढ़त के दौरान चलती कार की छत पर खड़े होकर युवकों ने सड़क पर नोटों की बरसात कर दी। नोट उड़ते ही हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और लोग तेज रफ्तार गाड़ियों के बीच सड़क पर नोट लूटने दौड़ पड़े। जिससे यातायात कई मिनट तक बाधित रहा और बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पूरी घटना राहगीरों के मोबाइल कैमरों में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है। पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान में लगी है और कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हाईवे पर ऐसी हरकतें जानलेवा हैं। ऐसा करने वालों पर पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

## एसआईआर की समयसीमा बढ़ाई जाए: कटियार

प्रेस वार्ता करते कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार कटारिया। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

**अमृत विचार:** कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया ने कहा कि मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान ने लोगों को मुश्किल में डाल रखा है। लोगों को डाटा नहीं मिल रहा है। 2003 की वोटर लिस्ट में बहुत सारे लोगों के नाम नहीं है।

जिला कांग्रेस कमेटी के कैंप कार्यालय पत्रकारों से बातचीत में ओमकार सिंह कटारिया ने कहा कि मोदी सरकार देश के लोगों से उनका वोट का अधिकार छीनना चाहती है। चुनाव आयोग इसमें सरकार की मदद कर रहा है। गणना फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर है। लोग जानकारी के अभाव में या बीएलओ की उदासीनता के चलते अपने गणना फॉर्म समय से नहीं भर पा रहे हैं। जिले में अभी तक 35-40 प्रतिशत लोगों के ही गणना फॉर्म भरे गए हैं। कहा कि चुनाव आयोग इस समय अवधि को बढ़ाए ताकि सभी लोग फॉर्म भर कर जमा कर सकें। राजपाल सैनी, हर स्वरूप प्रधान, मनोज कटारिया, राजपाल सिंह, दीपक गौतम, हरिओम पुष्कर आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

## गाली-गलौज मारपीट में पिता सहित तीन पर रिपोर्ट

**डिडौली, अमृत विचार:** थाना क्षेत्र के ककराली माफी गांव निवासी रफीकन पत्नी स्व. रहीश ने गांव के तीन लोगों पर विवाद के दौरान गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गागंव ककराली निवासी रफीकन का आरोप है कि उसकी बेटी आसमा सोमवार को दोपहर रास्ते से निकल रही थी। तभी गांव के ही अरमान, फरमान और पिता यूसुफ ने उसकी बेटी आसमा को रास्ता निकलने को लेकर रोका और अशोभनीय टिप्पणी की। बेटी ने इसकी शिकायत की तो रफीकन मौके पर पहुंची और कारण पूछा तो आरोपितों ने रास्ता आम होने की बात पर विवाद बढ़ाते हुए उसके साथ गाली-गलौज , मारपीट और जानसे मारने की धमकी दी। रफीकन की तहरीर पर पुलिस ने पिता सहित दो पुत्रों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## यमराज बने कलाकार ने दी यातायात नियमों की सीख

- एसपी ने इन्द्रा चौक पर लोगों को हेलमेट देकर यातायात के बारे में किया जागरूक

संवाददाता, गजरौला

**अमृत विचार:** यातायात माह के चलते मंगलवार को शहर के इन्द्रा चौक पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद व सीओ अंजलि कटारिया द्वारा यातायात अमरोहा पुलिस के साथ मिलकर एक व्यापक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। एसपी ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित करते हुए स्वयं एवं परिवार की सुरक्षा के लिए हेलमेट का नियमित उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। यमराज बने कालाकार ने नियम पालन के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण लापरवाही है, जिसे केवल जागरूकता और नियमों के पालन से ही रोका जा सकता है। अधिकारियों द्वारा उपस्थित वाहन चालकों व राहगीरों को गति सीमा का पालन, सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग, नशे की हालत में वाहन न चलाना, मोबाइल फोन का प्रयोग न करना, ओवरलोडिंग व ओवरस्पीडिंग से बचने जैसे महत्वपूर्ण यातायात बिंदुओं के बारे में विस्तार से बताया। वहीं यमराज बने कलाकार ने मनोरंजक एवं प्रभावी शैली में लोगों को जीवन के महत्व, सड़क हादसों के गंभीर परिणाम तथा यातायात नियमों का कठोरता से पालन करने का संदेश दिया। उनकी प्रस्तुति से आमजन पर गहरा प्रभाव पड़ा और बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम के दौरान रुककर संदेश सुनते रहे। पुलिस द्वारा यातायात माह के अंतर्गत जनपद भर में जागरूकता कार्यक्रम, हेलमेट वितरण, स्कूलों में वर्कशॉप, रैली, नुक्कड़ नाटक आदि निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में आदतों का सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके।

यातायात नियम बताता यमराज बना कलाकार, साथ में एसपी अमित कुमार आनंद। ● अमृत विचार

# कुश्ती, वॉलीबॉल में किया शानदार प्रदर्शन

- खेल स्पर्धा के समापन पर विजयी प्रतिभागियों को किया सम्मानित

संवाददाता, हसनपुर

**अमृत विचार:** हसनपुर में खेल स्पर्धा के अंतिम दिन कुश्ती, वॉलीबॉल ,फुटबॉल , भरोत्तोलन का आयोजन किया गया। खंड विकास अधिकारी विजय सक्सेना ने मां सरस्वती के प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित किया। उन्होंने खेलों को जीवन का हिस्सा बनने के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया। कहा खेल हमारे पाठ्यक्रम का नहीं जीवन का हिस्सा होना चाहिए। खेल हमें स्वस्थ बनाते हैं हमें दुनिया में एक नई पहचान दिलाते हैं।

प्रतियोगिता में सब जूनियर बालक वर्ग कुश्ती 45 किलो में आदिल प्रथम,गौरांश अग्रवाल द्वितीय। सब जूनियर बालक वर्ग कुश्ती 48 किलो में अक्षय प्रथम, कैफ द्वितीय, सब जूनियर बालक वर्ग कुश्ती 51 किलो में साहिल प्रथम, रुसान द्वितीय सब जूनियर बालक वर्ग 55 किलो कुश्ती में लक्ष प्रथम, शाहिद द्वितीय रहे। जूनियर बालक वर्ग कुश्ती 57 किलो में विपिन कुमार प्रथम, फरमान द्वितीय रहे। सीनियर वर्ग बालक कुश्ती 57 किलो हितेश नागर प्रथम। वॉलीबॉल जूनियर बालक वर्ग लॉयल फातिमा एकेडमी प्रथम,नगर हसनपुर द्वितीय वॉलीबॉल सीनियर बालक वर्ग हसनपुर प्रथम एवं गंगेश्वरी द्वितीय रहे। प्रधानाचार्य महिपाल सिंह, जिला युवा कल्याण अधिकारी ऋषि कुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अश्विनी कुमार ,गौरव कुमार ,अंकुर प्रकाश ,प्रदीप कुमार,रामसरन सुशील आनंद हाई स्कूल प्रधानाध्यापक निशांत त्यागी,शारीरिक शिक्षक डॉ संजीव चौहान,भयंकर सिंह लॉयल फातिमा एकेडमी,मनीष कुमार त्यागी आदि उपस्थित रहे।

मेडल और प्रमाणपत्र दिखाते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

## पुलिसकर्मियों पर 1.20 लाख रुपये ऐंठने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- मीट कारोबारी ने एसपी से की शिकायत, जांच के निर्देश

**अमृत विचार:** तीन सिपाहियों पर मीट कारोबारी ने 1.20 लाख रुपये ऐंठने का आरोप लगाया। एसपी से मामले की शिकायत की है।

नगर के मोहल्ला लकड़ा निवासी उबैद की मांस की दुकान है। उबैद के पास खाद्य विभाग और नगर पालिका दोनों के वैध लाइसेंस हैं। कारोबारी के अनुसार, एक माह पहले नगर कोतवाली में तैनात तीन सिपाही उनकी दुकान पर पहुंचे। सिपाहियों ने उसे जबरन कोतवाली ले जाकर किसी से मांस मंगाकर फर्जी मुकदमा दर्ज कर दिया और लाइसेंस रद्द कराने की धमकी भी दी। उसे छोड़ने के लिए सिपाहियों ने 2 लाख रुपये की मांग की, जो बाद में 1.20 लाख रुपये में तय हुई। उबैद के अनुसार उसने उधार लेकर यह रकम पुलिसकर्मियों को दी, जिसके बाद उसे उसी शाम जमानत पर रिहा कर दिया गया। अगले दिन दो सिपाही फिर उसकी दुकान पर पहुंचे और 5 हजार रुपये की मांग की। जब उसने पैसे देने में असमर्थता जताई, तो दोनों सिपाही दुकान से इलेक्ट्रॉनिक कांटा उठाकर ले गए। पुलिसकर्मियों से परेशान होकर उसने एसपी अमरोहा को शिकायती पत्र देकर आरोपी सिपाहियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने बताया कि उबैद की दुकान पर अवैध मीट मिला था जिसकी वीडियो भी बनाई गई थी। उस पर मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं एसपी ने इस संबंध में क्षेत्राधिकारी नगर को जांच हेतु निर्देशित किया है।

## लकड़ी भरते समय ट्रिपलर से गिरकर युवक घायल

**हसनपुर, अमृत विचार:** कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में ट्रैक्टर ट्रिपलर में लकड़ी भरते समय युवक गिरकर घायल हो गया। गंभीर हालत में सीएचसी से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

यह घटना हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव माझरा की है। दरअसल यहां के निवासी बाहर सिंह पुत्र जयपाल सिंह मंगलवार की सुबह अपने खेत से पेड़ों कटी लकडियों को परिजनों के साथ खेत में ट्रैक्टर ट्रिपलर में भर रहा था। लकड़ी भरते समय अचानक युवक का पैर फिसल गया और वह ओंधे मुंह नीचे आ गिरा।जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया परिजनों के द्वारा घायल युवक को नगर के सीएचसी में भर्ती कराया। जहां उपचार के बाद युवक की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

**उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड**

पंजीकृत कार्यालय: यूनिट 2009-14, 20वीं मंजिल, टॉवर - 2, मैग्नम ग्लोबल पार्क गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, सेक्टर-58, गुरुग्राम (हरियाणा)-122002

CIN: U64990HR2016PTC057984

**परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें] कब्ज़ा नोटिस**

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने **उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड** के अधिकृत अधिकारी होने के नाते वित्तीय संपत्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित का प्रवर्तन (अधिनियम, 2002 (2002 का 54)) और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की [नियम 3] के साथ पठित धारा 13(12) के तहत, प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए विवरण के अनुसार उधारकर्ता/ओं को मांग नोटिस जारी किया गया है, जिसमें संबंधित उधारकर्ताओं से उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर भुगतान की वास्तविक तिथि तक सभी लागतों, शुल्कों और खर्चों के साथ नोटिस में उल्लिखित राशि चुकाने का आह्वान किया गया है।

उक्त उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता द्वारा राशि चुकाने में विफल रहने पर, ऋणकर्ता//सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने सुरक्षा हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित वर्णित संपत्ति का **प्रतीकात्मक कब्जा** निचे दी गई तिथि को ले लिया है।

एतद द्वारा विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे संपत्ति के साथ लेनदेन न करें और संपत्ति के साथ लेनदेन उसमें निर्दिष्ट राशि के लिए पूर्ण भुगतान तक संबंधित तिथियों से अतिरिक्त ब्याज, लागत और शुल्क सहित **उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड** के अधीन होगा।

सुरक्षित संपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधान की ओर आकर्षित किया जाता है।

उधारकर्ताओं, सह-उधारकर्ताओं और गारंटरों, प्रतिभूतियों, बकाया देयताओं और धारा 13(2) के तहत भेजे गए डिमांड नोटिस और उसके तहत दावा की गई राशि और कब्जे की तारीख का विवरण निम्नानुसार दिया गया है:

| उधारकर्ता का नाम और पता, सह-उधारकर्ता गारंटर ऋण खाता संख्या और ऋण राशि | मांग सूचना दिनांक | प्रतीकात्मक कब्जे की तिथि |
|---|---|---|
| 1. बलबंत सिंह, पिता श्री डूंघर सिंह (ऋणग्राही) निवास: बारवाड़ा मझरा, भैंसिया, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश – 244001 2. सुरदेश, पत्नी श्री बलबंत सिंह (सह-ऋणग्राही) निवास: मकान संख्या 105, बारवाड़ा मझरा, भैंसला, ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश – 244001 ऋण संख्या: LXMOR04123-240031382 एवं LXMOR04123-240031549 ऋण अनुबंध तिथि: 14 दिसंबर 2023 एवं 19 दिसंबर 2023 ऋण राशि: ₹8,10,000/- एवं ₹2,00,000/- | 15-सितंबर-2025 | 21-नवंबर-2025 |
| | देय राशि रुपये में. | |
| | ₹8,24,302 + ₹1,99,685/- कुल मिलाकर राशि ₹10,23,987/- (रुपये दस लाख तेईस हज़ार नौ सौ सातासी मात्र) दिनांक 15-सितंबर-2025 तक, तथा 16-सितंबर-2025 से आगे का ब्याज एवं अन्य शुल्क अतिरिक्त देय होंगे। | |

**सुरक्षित संपत्ति का विवरण :-** संपत्ति का समस्त अंश एवं खंड जिसका मकान जिसका बिजली कनेक्शन संख्या 771725406382 है, कुल क्षेत्रफल 124.64 वर्ग मीटर, स्थित मोहल्ला बरवाड़ा मझरा, तहसील एवं जनपद मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, **सीमाएँ: पूर्व:** राजवाला का मकान, **पश्चिम:** 8 फीट चौड़ा रास्ता, **उत्तर:** 20 फीट चौड़ा रास्ता, **दक्षिण:** डॉ. बंगाली का घर

दिनांक: 26-नवंबर-2025
स्थान: गुरूग्राम, हरियाणा

प्राधिकृत अधिकारी श्री गौरव त्रिपाठी मोबाइल- 9650055701
उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्रा. लिमिटेड

दैनिक **अमृत विचार** समाचार पत्र के **स्थापना दिवस** की हार्दिक शुभकामनाएं

**भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) जिला रामपुर**

भानु प्रताप सिंह गंगवार
जिला अध्यक्ष

फरीद खां
जिला संगठन मंत्री

नीरज कुमार
नगर अध्यक्ष

सरदार अवतार सिंह
जिला उपाध्यक्ष

मुताहित खां
नगर सचिव

अब्दुल रज़्ज़ाक खान
जिला मीडिया प्रभारी

मुशीब अली खां
सदस्य

## चेयरमैन ने एसआईआर के तहत किया जागरूक

**हसनपुर, अमृत विचार:** चुनाव आयोग के निर्देश पर चल रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने नगर के विभिन्न वार्डों में भ्रमण कर मतदाताओं को जागरुक कर फार्म भरवाए गए। मंगलवार को नगर के वार्ड 2,10,12,13 एवं 16 में भ्रमण करके मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्य में लगे बीएलओ से वार्ता कर फार्म भरवाकर मतदाताओं को जागरूक किया। चेयरमैन ने कहा कि एसआईआर अभियान लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और सुदृढ़ बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने नगर वासियों से अपील करते हुए कहा कि अभियान के तहत जल्द से जल्द अपने फार्म भरवाए।

जागरूक करते राजपाल सैनी।

**कार्यालय नगर पालिका परिषद हसनपुर (अमरोहा)**

पत्रांक : 125/स्वा.वि./न.पा.परि.ह./2025-26 दिनांक : 24.11.2025

**"अति अल्पकालीन निविदा सूचना"**

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद हसनपुर (अमरोहा) राज्य वित्त आयोग/पालिका निधि/के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से अलाव जलाने हेतु सूखी लकड़ी क्रय करना चाहती है। किसी भी शासकीय विभागों में पंजीकृत ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से सूखी लकड़ी की आपूर्ति हेतु कुंटल की दरों की सीलबन्द निविदायें दिनांक 02.12.2025 को सायं 3:00 बजे तक आमंत्रित करती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02.12.2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद हसनपुर से निर्धारित शुल्क जमा करके खरीदे जा सकते है। निविदायें दिनाकं 02.12.2025 को सायं 4:00 बजे नगर पालिका परिषद हसनपुर में अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी महोदय के समक्ष खोली जायेगी। सम्बन्धित ठेकेदार/आपूर्तिकर्ता निविदा खोले जाने के समय उपस्थित हो सकते है।

| क्र.सं. | कार्य का नाम | प्रति कुंटल धनराशि | धरोहर राशि | टेन्डर मूल्य | कार्य अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | नगर हसनपुर में शीत लहर के दृष्टिगत अलाव जलाने हेतु सूखी लकड़ियों की आपूर्ति का कार्य। | – | 20000.00 | 1000.00+जी.एस.टी. अतिरिक्त | 2.5 माह/ आवश्यकतानुसार |
| 2. | नगर हसनपुर में शीत लहर के दृष्टिगत अलाव जलाने हेतु भूसी की आपूर्ति का कार्य। | – | 10000.00 | 1000.00+जी.एस.टी. अतिरिक्त | 2.5 माह/ आवश्यकतानुसार |

1. निविदा के साथ 02 प्रतिशत धरोहर राशि के रूप में नकद रसीद/डी.डी./एफ.डी.आर./एन.एस.सी./के.वी.पी. संलग्न करनी होगी।
2. बिना कारण बताये निविदा को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं होगी।
3. टेण्डर के मूल्य पर जी.एस.टी. अलग से देय होगा।
4. अधिक जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में कार्यलय के स्वास्थ्य विभाग में सम्पर्क कर सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
न.पा.परि. हसनपुर

अध्यक्ष
न.पा.परि. हसनपुर

# अमृत विचार

बुधवार, 26 नवंबर 2025




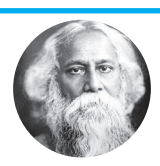

भीतर को बाहर के आक्रमण से बचाओ।

–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

## जेंटल जाइंट का जाना

धर्मेंद्र के निधन के साथ भारतीय सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय मानो समाप्त हो गया। एक महान अभिनेता का जाना, सबको उदास कर गया, क्योंकि यह उस संवेदनशील, सौम्य और करिश्माई युग का अंत है, जिसने हिंदी फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। धर्मेंद्र ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने छह दशकों तक न केवल परदे पर बल्कि दर्शकों के दिलों पर राज किया। उनके अभिनय और स्टारडम ने कई पीढ़ियों को आकार दिया। 60–70 के दशक में उभरते युवाओं के लिए वे गरिमामय, विनम्र और सहज रोमांस के प्रतीक थे। इसके बाद 80 का दशक आते-आते जब भारतीय दर्शक एक ऐसे नायक की तलाश में थे जो ताकत, मासूमियत और भावनात्मकता का अद्वितीय संगम हो, वे एक्शन हीरो के बतौर हिट हुए।

अनुपमा और हमराही जैसी फिल्मों में उनकी आंखों की गहराई और संवादों की सादगी रोमांटिक अभिनय का मानक बन गई। शोले में उनकी वीरू की भूमिका ने भारतीय सिनेमा को ऐसा चरित्र दिया, जो आज भी स्मृति और संस्कृति दोनों में जीवित है। इसी तरह युद्ध या धर्म-वीर जैसी फिल्मों में उनका तेज, ऊर्जा और प्रभावशीलता अद्वितीय रही। कॉमेडी में भी उनका सहज हास्य कौशल, कॉमिक टाइमिंग, इम्प्रोवाइजेशन दर्शकों के लिए हमेशा याद रहेगा। सत्यकाम ऐसी फिल्म थी, जिसने उनके सादगी और कलात्मक अभिनय का लोहा मनवाया। इस फिल्म में वे अपने किरदार की नैतिक दुविधाओं को जिस शांत गहराई से निभाते हैं, वह शायद ही किसी अभिनेता के लिए संभव हो। इसी तरह अनुपमा और चैते की चांदनी में उनका संयत अभिनय एक संवेदनशील अभिनेता की परिभाषा प्रस्तुत करता है। सिनेमा से बाहर निकलकर धर्मेंद्र ने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वे भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लोकसभा सांसद बने। सीमित समय के बावजूद उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में सड़कों, जल प्रबंधन और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए कार्य किया, हालांकि वे राजनीति में अपनी प्राकृतिक सहजता नहीं खोज पाए, पर उनकी नीयत और कोशिशों में ईमानदारी झलकती थी। धर्मेंद्र महज कुशल अभिनेता ही नहीं थे, वे एक अत्यंत संवेदनशील, भावुक और मानवीय व्यक्ति भी थे। सह-कलाकारों की तकलीफ में साथ खड़े होना, नए कलाकारों को प्रोत्साहन देना और निजी जीवन में परोपकारिता जैसे गुण बताते हैं कि वे क्यों एक 'जेंटल जाइंट' कहे जाते थे। उनकी विरासत बहुआयामी है। वे बतौर एक्टर विविधता, निरंतरता और गुणवत्ता के प्रतीक थे, तो एक व्यक्ति के रूप में वे प्रेम, करुणा और गरिमा की मिसाल।

आने वाले समय में भारतीय सिनेमा जब भी अपने इतिहास के गौरवशाली अध्यायों को पलटेगा, धर्मेंद्र का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके फिल्मी सफर, व्यक्तित्व और योगदान को देश अनंत काल तक याद रखेगा। हम सभी उन्हें भारतीय सिनेमा के उस अनोखे सितारे के रूप में स्वीकारते है, जिन्होंने करोड़ों लोगों के लिए आनंद, प्रेरणा और संवेदना का संसार रचा। यह सच है कि धर्मेंद्र का जाना सिनेमा के एक युग का अंत है, पर उनके अभिनय, स्टारडम तथा अनूठे व्यक्तित्व की चमक हमेशा हमारे सिनेमा प्रेमियों के दिलों में बनी रहेगी।

## प्रसंगवश

## 'हीमैन' सियासत के परदे पर कभी न बन सका हीरो

धर्मेंद्र लगभग छह दशकों तक बॉलीवुड के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर रहे। उन्होंने शोले, सत्यकाम, चुपके-चुपके, फूल और पत्थर, बंदिनी जैसी अनेक फिल्मों में यादगार किरदार निभाए, पर सियासत की दुनिया में उनका सफर छोटा और किसी भी रूप में यादगार नहीं रहा। धर्मेंद्र 2004 का लोकसभा चुनाव राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लड़े और आराम से जीत गए। जिस शख्स ने कभी सियासत की बात तक नहीं की, जो इंटरव्यू में भी कहता था कि "मुझे तो बस फिल्में बनानी और करना पसंद है", वही शख्स संसद पहुंच गया। जीत भी बड़ी शानदार मिली। करीब 60 हजार वोटों से, मगर उन्होंने फिर कभी चुनाव नहीं लड़ा। राजनीति का उनका सफर यहीं खत्म हो गया।

विवेक शुक्ला

पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

दरअसल 2004 के लोकसभा चुनाव के वक्त राजस्थान में बीजेपी की लहर थी। वाजपेयी सरकार के अंतिम वर्ष थे। बीकानेर सीट पर पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए था, जो जाट बहुल इलाके में पकड़ रखता हो और जिसकी लोकप्रियता से कांग्रेस का पुराना किला ढह जाए। जाट समुदाय में धर्मेंद्र का जबरदस्त प्रभाव था। उनकी फिल्में गांव-गांव में हिट होती थीं। 'शोले' का वीरू, 'चुपके चुपके' का डॉ. परिमल, 'यमला पगला दीवाना' का देसी जवान- ये किरदार राजस्थान के गांवों में आज भी जिंदा हैं। बीजेपी को लगा कि अगर धर्मेंद्र मैदान में उतर आए तो जीत पक्की।

खुद धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में बताया कि उनके बहुत करीबी दोस्त, बीजेपी के तत्कालीन नेता और राजस्थान के बड़े नेता (नाम उन्होंने कभी सार्वजनिक नहीं किया) बार-बार आग्रह करते रहे। बोले, "धरम जी, बस एक बार आ जाओ, इलाके के लिए बहुत कुछ कर सकते हो।" पहले तो उन्होंने साफ मना कर दिया। कहा, "मैं तो फिल्मों का आदमी हूं, मुझे ये सब नहीं आता।" मगर दोस्तों ने जिद पकड़ ली। अंत में धर्मेंद्र मान गए। शर्त सिर्फ एक थी, ज्यादा प्रचार नहीं करना पड़ेगा, न ज्यादा भाषण देने पड़ेंगे।

धर्मेंद्र का चुनाव प्रचार देखने लायक था। जहां दूसरे नेता सुबह से रात तक गांव-गांव गली-गली चिल्लाते थे, वहां धर्मेंद्र बस दो-तीन बड़ी सभाएं करते और लौट आते। कभी जीप पर खड़े होकर हाथ हिलाते, कभी मंच पर बैठकर मुस्कुराते। भाषण? वो भी दो-चार लाइन का। "भाइयो-बहनो, मैं आपका अपना हूं। आपने मुझे फिल्मों में इतना प्यार दिया, अब एक बार संसद में भेज दो।" बस। लोगों को भाषण नहीं, उनका चेहरा चाहिए था। गांव की औरतें आशीर्वाद देने आतीं, बच्चे ऑटोग्राफ मांगते। एक बार तो किसी ने मंच पर चढ़कर कहा, "हीमैन जी, बस एक डायलॉग बोल दो!" और धर्मेंद्र ने हंसते हुए बोल दिया, "कित्ता मजनू है रे!" पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। वोट उसी वक्त डल गया।

संसद में धर्मेंद्र बहुत सक्रिय सांसद नहीं थे। 14वीं लोकसभा (2004-2009) में उनकी उपस्थिति करीब 60-65% रही, जो उस समय के कई सेलिब्रिटी सांसदों से बेहतर थी, लेकिन आम सक्रिय सांसदों से कम। उन्होंने कुल 20-25 सवाल ही पूछे। ज्यादातर सवाल बीकानेर के पानी, सड़क, बिजली और किसानों की समस्याओं से जुड़े थे। वो भी लिखित में। मौखिक बहस में वो शायद ही कभी बोले हों। एक बार तो सदन में हंसी का माहौल बन गया, जब स्पीकर ने उनका नाम पुकारा और धर्मेंद्र जी उठे नहीं। बाद में पता चला कि वो शूटिंग के लिए मुंबई चले गए थे। विपक्ष ने खूब चुटकी ली, लेकिन जनता को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। बीकानेर में लोग कहते थे, "हमारे सांसद तो हीमैन हैं, बोलना क्या जरूरी है?"

# नया एसआईएफ निवेशकों के लिए नया रास्ता

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत में पिछले कुछ वर्षों में छोटे निवेशकों की भागीदारी बेहद तेज़ी से बढ़ी है। म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार आज लाखों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और SIP के माध्यम से हर महीने नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। इसी बदलते निवेश माहौल में सेबी ने छोटे निवेशकों को और सशक्त बनाने तथा उन्हें उन्नत निवेश रणनीतियों तक पहुंच दिलाने के लिए एक नई पहल की है- एसआईएफ (Specialized Investment Funds)। यह नया निवेश ढांचा मझोले निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

SIF क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? SIF दरअसल म्यूचुअल फंड नियमों के अंतर्गत बनाई गई एक नई श्रेणी है, लेकिन इसकी संरचना और रणनीतियां पारंपरिक फंडों से कहीं अधिक उन्नत हैं। SIF निवेशकों का पैसा एकत्र करके प्रोफेशनल मैनेजर्स द्वारा ऐसे तरीक़ों में निवेश किया जाता है, जिनका उद्देश्य केवल बाज़ार के ऊपर जाने पर ही नहीं, बल्कि नीचे जाने पर भी अवसर तलाशना होता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड जहां केवल long-only यानी शेयर ख़रीदकर रखने की रणनीति पर काम करते हैं, वहीं SIF में long–short equity, sector rotation, tactical investing, hybrid strategies और derivatives का उपयोग शामिल हो सकता है। इसका मतलब है कि SIF निवेशक को अधिक लचीला और गतिशील निवेश विकल्प प्रदान करता है।

SIF और सामान्य म्यूचुअल फंड के बीच सबसे बड़ा अंतर निवेश की न्यूनतम सीमा और रणनीतियों का स्तर है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड में कोई भी व्यक्ति 100 या 500 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकता है, जबकि SIF में न्यूनतम निवेश सीमा 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है। यह राशि बताती है कि SIF को उन निवेशकों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूचुअल फंड से आगे बढ़कर अधिक उन्नत रणनीतियों का लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन PMS या AIF जैसी हाई-टिकट सेवाओं की भारी लागत नहीं वहन कर सकते। PMS में जहां 50 लाख रुपये और AIF में एक करोड़ रुपये से शुरुआत होती है, वहीं SIF इन दोनों के बीच का एक संतुलित विकल्प है।

SIF की खासियत इसका रणनीतिक लचीलापन है। यह फंड बाजार में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न दोनों स्थितियो- राइज़िंग और फॉलिंग मार्केट में लाभ कमाने की कोशिश कर सकता है। उदाहरण के लिए, जब बाजार गिरता है, तब short positions और derivatives की मदद से फंड अपने निवेशक की पूंजी की रक्षा कर सकता है या मुनाफा भी कमा सकता है। वहीं, पारंपरिक म्यूचुअल फंड में यह अवसर सीमित होता है। भारत में लाखों छोटे निवेशक सीधे derivatives में जाकर बड़ा नुकसान उठाते हैं, क्योंकि उन्हें यह बाज़ार बहुत जटिल लगता है। ऐसे में SIF का सबसे बड़ा लाभ यही है कि जोखिम भरे और जटिल फैसलों को प्रोफेशनल मैनेजर्स संभालते हैं और निवेशक को तैयार रणनीति का फायदा मिलता है।

SIF का एक मजबूत पहलू यह भी है कि इसमें म्यूचुअल फंड जैसी पारदर्शिता मिलती है। NAV की नियमित घोषणा, पोर्टफोलियो अपडेट, जोखिम-मीटर, वैल्यूएशन प्रक्रिया ये सभी सुविधाएं SIF में भी उपलब्ध रहती हैं। टैक्सेशन भी काफी हद तक म्यूचुअल फंड जैसा ही है, जिससे निवेशक लंबे समय तक कुशलता से अपना पोर्टफोलियो बढ़ा सकते हैं। PMS या कई AIF में टैक्स सीधे निवेशक के हाथ में लगता है, जबकि SIF की संरचना निवेशक के लिए ज्यादा tax-efficient साबित हो सकती है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सचमुच छोटे निवेशक के लिए है? न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा होने के कारण यह निश्चित ही बहुत छोटे निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए है, जिन्होंने SIP या म्यूचुअल फंड के माध्यम से पहले ही एक अच्छा corpus बना लिया है। आज भारत में करोड़ों लोग नियमित SIP करते हैं और कई निवेशकों का पोर्टफोलियो लाखों–करोड़ों की राशि छू चुका है। उन निवेशकों के लिए SIF एक next-level उत्पाद है, जहां वे अपने पोर्टफोलियो में उन्नत रणनीतियों का छोटा हिस्सा जोड़कर दीर्घकाल में बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

छोटे भारतीय निवेशकों के लिए SIF कई तरह से फायदेमंद हो सकता है। पहला, यह उन रणनीतियों तक पहुंच दिलाता है, जो पहले सिर्फ़ बड़े निवेशकों के लिए उपलब्ध थीं। दूसरा, SIF बाजार के ऊपर–नीचे दोनों स्थितियों में अवसर पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय में returns अधिक स्थिर हो सकते हैं। तीसरा, इसमें पारदर्शिता, नियमित जानकारी और कड़े नियम निवेशक को भरोसा देते हैं। चौथा, यह mutual fund और high-end investment products के बीच एक मजबूत पुल की तरह काम करता है, जो निवेशक अब तक सिर्फ SIP कर रहे थे, उनके लिए SIF उन्नत इन्वेस्टिंग की दुनिया का सुरक्षित प्रवेश द्वार है।

फिर भी, SIF में निवेश करने से पहले सावधानी जरूरी है। यह हाई रिस्क प्रोडक्ट माना जाता है और इसकी जटिल रणनीतियों को समझना हर निवेशक के लिए आसान नहीं होता। निवेशकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका मूल पोर्टफोलियो इमरजेंसी फंड, बीमा, पारंपरिक इक्विटी और डेट फंड पहले से मजबूत हों। साथ ही, SIF को पोर्टफोलियो के केवल एक छोटे हिस्से, जैसे 5–10% में ही रखना चाहिए। इसके बिना SIF का जोखिम अधिक लग सकता है।

सेबी ने नई पहल की है– एसआईएफ। यह नया ढांचा निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

**आमने**

कांग्रेस सरकार के समय धर्मांतरण को राजनीतिक संरक्षण दिया जाता था और डोटासरा जैसे नेता ऐसे अपराधों में लिप्त लोगों को आश्रय देते थे। अगर किसी ने धर्मांतरण की हिमाकत की तो वह जेल में सड़ेगा।

–जोगाराम पटेल

मंत्री, राजस्थान सरकार

अंता उपचुनाव में हार के बाद भाजपा बौखला गई है। भाजपा असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए हिंदू-मुस्लिम का माहौल बनाना चाह रही है। मुख्यमंत्री कह रहे थे कि यह दो साल के काम का चुनाव था और अब हार के बाद वे मनगढ़ंत मुद्दे खड़े कर रहे हैं।

–गोविंद सिंह डोटासरा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान

**सामने**

# कॉप सम्मेलनः जीवाश्म ईंधन पर नहीं बनी राय

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

ब्राजील के बेलेम में 10 से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप-30) खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन जैसी उम्मीद की जा रही थी, वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ। कॉप सम्मेलन (कान्फ्रेंस आफ पार्टीज) का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों को एक साझा मंच पर लाना है, जहां वे पर्यावरण संरक्षण, ग्रीन हाउस गैसों में कमी, तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने और टिकाऊ वैश्विक विकास की दिशा में सामूहिक निर्णय लेते हैं।

आखिरी दिन जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने को लेकर जिस तरह खींचतान होती रही, वह दुनिया को बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं रही। आश्चर्यजनक है कि जिस वैश्विक योजना का जिक्र कॉप सम्मेलन के शुरुआती ड्राफ्ट में था, उसे बाद के संशोधित ड्राफ्ट से हटा ही दिया गया। इससे यह साफ है कि जीवाश्म ईंधन से जुड़े विवाद जल्द सुलझने वाले नहीं हैं। उम्मीद थी कि दुनिया के तमाम देश 'ग्लोबल वार्मिंग' के खिलाफ कोई ठोस फैसला लेंगे, लेकिन सम्मेलन धीमी रफ्तार से आगे बढ़ा और कुछ विशेष सामने नहीं आया।

इस बार हुए कॉप-30 से उम्मीदें इसलिए भी ज्यादा थीं, क्योंकि पेरिस समझौते को दस साल पूरे हो चुके हैं। यहां पेरिस जलवायु समझौता वर्ष-2015 में दुनिया के लगभग सभी देशों के बीच हुआ एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समझौता है। इसका मुख्य उद्देश्य बढ़ते वैश्विक तापमान को नियंत्रण में रखना है, ताकि धरती को जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों से बचाया जा सके। इस समझौते के तहत देश यह प्रयास करते हैं कि पृथ्वी का तापमान औद्योगिक युग से पहले की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे और संभव हो तो 1.5 डिग्री तक सीमित किया जाए।

हर देश अपनी क्षमता के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने की योजना बनाता है, जिसे एनडीसी मतलब 'नेशनली डेटेरमाइंड कंट्रीब्यूशन्स' (यह वह योजना है, जिसे हर देश खुद बनाता है कि वह कितनी ग्रीन हाउस गैसें कम करेगा, पर्यावरण की रक्षा के लिए क्या-क्या कदम उठाएगा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कैसी तैयारी करेगा) कहा जाता है। साथ ही, विकसित देश गरीब और विकासशील देशों को आर्थिक एवं तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं, ताकि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा सकें। यह समझौता पूरी दुनिया को जलवायु संकट से बचाने का सामूहिक प्रयास है।

आज पूरी दुनिया जिस गंभीर जलवायु संकट से गुजर रही है, वह किसी से छिपा नहीं है। इसके बावजूद ज्यादातर देश अब भी ग्लोबल तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और 1.5 डिग्री के लक्ष्य को हासिल करने के प्रति गंभीर नहीं दिखते। ऐसे में विकासशील देशों की स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि जलवायु संकट में उनका योगदान सबसे कम है, लेकिन नुकसान उन्हें सबसे ज्यादा झेलना पड़ रहा है। पिछले कुछ सालों से बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और असहनीय गर्मी ने मानव जीवन को चुनौती दे दी है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि विकसित देश अपने वादों को ठीक से पूरा नहीं कर रहे हैं।

हमारे देश के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस सम्मेलन में साफ कहा कि विकसित देशों को तय समय से पहले 'नेट-जीरो' लक्ष्य हासिल करना चाहिए।उनकी यह बिल्कुल उचित मांग है, क्योंकि सबसे ज्यादा प्रदूषण उन्हीं देशों ने किया है, इसलिए जिम्मेदारी भी उनकी ज्यादा बनती है। विकसित देशों में प्रदूषण का स्तर उनकी ऊंची ऊर्जा-खपत और औद्योगिक गतिविधियों के कारण स्वाभाविक रूप से अधिक रहा है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इन्हीं देशों की रही है।

आंकड़े बताते हैं कि साल 1850 से 2019 तक उत्तरी अमेरिका और यूरोप ने कुल उत्सर्जन का लगभग आधा हिस्सा पैदा किया। आज भी प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के मामले में विकसित देश काफी आगे हैं, जहां उच्च-आय वाले देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करीब 8-9 मीट्रिक टन तक है, वहीं विकासशील देशों में यह लगभग आधा होता है। यद्यपि तकनीक, नियमों और बेहतर निगरानी के कारण इन देशों ने वायु-गुणवत्ता में सुधार किए हैं और कुछ देश पीएम . प्रदूषण को विश्व स्वास्थ्य संगठन मानकों के अनुरूप रखने में सफल भी हुए हैं, फिर भी वैश्विक तापमान वृद्धि और ग्रीनहाउस गैसों की समस्या में उनका योगदान निर्णायक बना हुआ है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन की अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में विकसित देशों से अधिक जिम्मेदारी और तेज उत्सर्जन-कटौती की अपेक्षा की जाती है।

इस संबंध में, भारत ने बेहतर उदाहरण पेश किया है। विकास भी जारी है और पर्यावरण संरक्षण भी। यह काबिले-तारीफ है कि साल 2005 से अब तक भारत ने अपने कार्बन उत्सर्जन में 36% से ज्यादा कमी की है और बिजली उत्पादन में गैर-जीवाश्म स्रोतों का हिस्सा 50% से अधिक हो चुका है। हाल फिलहाल यह भी माना जा रहा है कि भारत 2070 से पहले ही नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल कर सकता है।

ब्राजील के बेलेम में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

## सोशल फोरम

# दुनियाभर के पांच सौ अर्थशास्त्रियों की अपील

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

दुनिया के पांच सौ से ज्यादा बड़े अर्थशास्त्री एक आवाज बनकर खड़े हुए हैं। वे G-20 देशों से एक ऐसे अंतर्राष्ट्रीय समूह की मांग कर रहे हैं, जो सिर्फ एक काम करे- मानव सभ्यता को तोड़ती हुई असमानता को समझे, उसकी जड़ें पहचाने और उसे कम करने के रास्ते बताए। ये अर्थशास्त्री सत्तर देशों से हैं और उनकी चिंता सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है। उन्हें डर है कि दौलत का इतना बड़ा झुकाव कुछ हाथों में लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहा है, समाजों को अस्थिर कर रहा है और लोगों के भीतर भरोसा खत्म कर रहा है।

इस अपील में ऐसे नाम शामिल हैं, जिनकी बात को दुनिया ध्यान से सुनती है। 2024 के नोबेल विजेता डैरोन अचेमोग्लू, अमेरिका की पूर्व वित्त मंत्री और फेडरल रिजर्व प्रमुख रहे जानेट येलेन, फ्रांस के अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और टैक्स विशेषज्ञ गेब्रियल जुकमैन। ये सब एक ही बात दोहरा रहे हैं कि अमीरी का यह असमान जमा होना सिर्फ आर्थिक समस्या नहीं है, यह राजनीति को भी बांट रहा है, समाज को कठोर बना रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

G-20 की हालिया पहली रिपोर्ट इस चिंता को और गहरा कर देती है। इसमें दिखाया गया है कि 2000 से 2024 तक दुनिया की नई पैदा हुई संपत्ति का 41 प्रतिशत सिर्फ सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने ले लिया, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ एक प्रतिशत मिला। इस फासले की निर्ममता को समझिए- अमीरों की औसत दौलत में तेरह लाख डॉलर का इजाफा हुआ और गरीबों के हिस्से में बढ़त नाम मात्र की, सुझाया गया है कि 'इंटरनेशनल पैनल ऑन इनएक्वालिटी' नाम से समूह बनाया जाए। इसे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन पैनल की तरह काम करना होगा।

यह असमानता को मापेगा, उसके कारणों की छानबीन करेगा और सरकारों को बताएगा कि कौन से कदम इस खाई को पाट सकते हैं। यह विचार इस सीधी सच्चाई से निकलता है कि असमानता कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। इसे नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते इच्छा और समझ दोनों मौजूद हों। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इस रिपोर्ट को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। इसमें बताया गया है कि दुनिया के 83 प्रतिशत देश, जहां 90 प्रतिशत लोग रहते हैं, गंभीर असमानता से जूझ रहे हैं और ऐसे देशों में लोकतंत्र पीछे जा रहा है।

## सामयिकी

# नए लेबर कोड और मजदूरों के अधिकार

21 नवंबर 2025 को आखिर केंद्र सरकार ने बिना श्रमिक संगठनों से चर्चा के नए चार लेबर कोड को लागू कर ही दिया है, जिसके बाद इस पर बड़ी बहस छिड़ चुकी है। कुछ तर्कों के साथ इनको श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए बनाया गया बताया गया है, तो दूसरी ओर देश की दस प्रमुख यूनियंस ने 21 नवंबर को काला दिवस मनाया और तीखी प्रतिक्रिया दी है। देश की प्रमुख यूनियंस अब 26 नवंबर को देशव्यापी विरोध दिवस मनाने की तैयारी में हैं।

पांच साल पहले बनाए गए इन लेबर कोड को केंद्र सरकार पता नहीं क्यों, लागू करने से बच रही थी, लेकिन बिहार में बीजेपी और एनडीए को मिली जीत ने सरकार का मनोबल बढ़ा दिया है, जबकि यूनियंस का मानना है कि पुरानी पेंशन को समाप्त करते समय भी इसी तरह की बातें बताई गई थीं, जबकि पुरानी पेंशन को पुनः बहाल करने की लड़ाई आज भी कर्मचारियों द्वारा पूरी ताकत से लड़ी जा रही है, यही बातें नोटबंदी, काले कृषि कानूनों और जीएसटी लागू करते समय भी बताई गईं थीं, लेकिन उनका क्या हश्र हुआ सभी ने देखा।

संजीव मेहरोत्रा

बरेली

इन चार लेबर कोड्स के लागू होने से यूनियन को मान्यता पाने के लिए 51% कर्मचारियों की सदस्यता आवश्यक है और केवल मान्यता प्राप्त यूनियन को ही सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार मिलेगा। हड़ताल से पहले 14 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है और सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में हड़ताल पर सख्त प्रतिबंध लागू होंगे, जो मालिकों का हित साधेंगे। गिग वर्कर्स और असंगठित मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा में शामिल किया गया है, (जबकि गिग वर्कर्स के काम के घंटों का कोई जिक्र ही नहीं है), लेकिन योगदान का बड़ा हिस्सा मजदूरों से ही लिया जाएगा।

कार्य समय प्रतिदिन 12 घंटे तक बढ़ाने की अनुमति है, बशर्ते साप्ताहिक सीमा 48 घंटे से अधिक न हो। इससे 12 घंटे के कार्य दिवस को परोक्ष रूप से मान्यता मिल सकेगी। नियोक्ता यानी मालिक वेतन संरचना और भत्ते तय कर सकता है, पर कथित भ्रामक फ्लोर वेज से कम वेतन नहीं दे सकता। संस्थान निश्चित अवधि के (हफ्ता, महीना आदि) अनुबंध पर कर्मचारियों को रख सकते हैं, जिससे स्थायी नौकरी का अधिकार खत्म है। नियोक्ता को सरकारी अनुमति के बिना छंटनी करने की सुविधा है, जिससे रोजगार की सुरक्षा कमजोर होती है। नियोक्ता के लिए इज़ ऑफ बिजनेस के नाम पर श्रमिक के फंडामेंटल राइट्स पर खतरा है।

कंपनी को छंटनी/बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। 300 से कम कर्मचारियों वाले सभी संस्थान मनमाने ढंग से छंटनी कर सकते हैं। ठेका मजदूरों का हिस्सा देश में 15.5% है, जो आने वाले समय में 27.9% हो जाएगा और ठेकेदार की कोई जवाबदेही नहीं होगी। जिला स्तर के लेबर कोर्ट समाप्त हो जाएंगे, जिससे मजदूरों और श्रमिकों को न्याय मिलना कठि हो जाएगा। देशभर का संगठित और असंगठित क्षेत्र का कर्मचारी और श्रमिक विपरीत रूप से प्रभावित होगा।

फिक्स्ड टर्म इंप्लायमेंट लागू होने से स्थायी रोजगार समाप्त हो जाएगा और अग्निवीर की तरह एक साल, दो साल या तीन साल के लिए श्रमिक नियुक्त होंगे। ट्रेड यूनियनों का मत है कि ये संहिताएं श्रमिकों के दशकों पुराने अधिकारों का क्षरण करती हैं। इनके लागू होने के बाद युवाओं के सपने टूटेंगे। असंतोष पैदा होगा और नाराजगी बढ़ेगी। उनका मानना है कि सरकार को व्यापक पुनर्विचार कर इन पर विस्तृत चर्चा कराया जाना चाहिए।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

# हमारी गुलाबी चुनरिया हमें लागी नजरिया...

भारत की सांस्कृतिक धरोहर उसकी लोक परंपराओं में निहित है और लोकगीत इन परंपराओं की आत्मा माने जाते हैं। जैसे ब्रज, अवधी, बुंदेलखंड और भोजपुरी की अपनी विशिष्ट लोकधारा है, वैसे ही उत्तर प्रदेश का कन्नौज क्षेत्र भी अपनी विशिष्ट कन्नौजी लोकगीत परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। कन्नौजी बोली क्षेत्र के अंतर्गत छह जिले फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, हरदोई, कानपुर, इटावा और पीलीभीत आते हैं। कन्नौजी में गाए जाने वाले ये गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन, भावनाओं, संस्कारों, रीति-रिवाजों और सामाजिक संबंधों का सजीव दस्तावेज भी हैं।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

## कन्नौजी लोकगीतों की उत्पत्ति और विशेषता

कन्नौजी लोकगीतों की जड़ें ग्रामीण समाज की मिट्टी में गहराई तक पैठी हुई हैं। ये गीत किसी एक कवि या लेखक की रचना नहीं, बल्कि जनजीवन के अनुभवों का सामूहिक रूप हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी सुनकर और गाकर इनका रूप विकसित होता रहा है। इन गीतों में न तो व्यावसायिकता है, न कृत्रिमता, ये लोकमन की सहज अभिव्यक्ति हैं। भाषा में मृदु कन्नौजी लहजा, सरलता और हास्य-विनोद का पुट इन्हें विशिष्ट बनाता है। कन्नौजी लोकगीतों की एक विशेषता यह भी है कि ये जीवन के प्रत्येक अवसर से जुड़े होते हैं- जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर्ष और विषाद दोनों ही स्थितियों में लोकगीत गाए जाते हैं। मांगलिक अवसरों के गीत कन्नौजी बोली के क्षेत्र में संस्कार गीतों का अपना महत्व है। प्रमुखता यहां पांच प्रकार के संस्कार गीत प्राप्त होते हैं- जन्म गीत, अन्न प्राशन गीत, मुंडन गीत, यज्ञोपवीत गीत और विवाह गीत। पुत्र जन्म के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों को सोहर कहा जाता है, वहीं मुंडन और अन्नप्राशन संस्कारों के अवसर पर भी सोहर गाने की परंपरा होती है। यज्ञोपवीत के समय गाए जाने वाले गीत बरुआ कहलाते हैं, जबकि विवाह के अवसर पर बन्ना और बन्नी गाने का प्रचलन है। ये मांगलिक गीत अत्यंत लोकप्रिय हैं। ऐसे गीतों में मातृभाव, हंसी-ठिठोली और भावुकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

## त्योहार और धार्मिक लोकगीत

कन्नौजी लोकजीवन में त्योहारों का बड़ा महत्व है। होली, दिवाली, रक्षाबंधन, तीज, करवाचौथ आदि पर्वों पर विशेष लोकगीत गाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त कन्नौजी क्षेत्र के मुख्य व्रत त्योहारों में शीतलाष्टमी, रामनवमी, वटसावित्री व्रत, नागपंचमी, जन्माष्टमी, हल षष्ठी, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, अनंत चौदस, लक्ष्मी व्रत, नवरात्रि का व्रत, विजय दशमी, करवाचौथ, अन्नकूट, भ्रातृद्वितीया, मकर संक्रांति, वसंत पंचमी, शिवरात्रि व होली हैं। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में पूर्णिमा का भी महत्व है। इन विविध पर्वों पर कन्नौजी भाषा में विविध लोकगीत गाए जाते हैं। एक कन्नौजी लोकगीत देखिए, जिसमें देवी मां की भक्तिन पूजा करने जाती है और बीच में ही बदरिया आती है। एक दम अंधिरिया छा जाती है- **सोने के थारी में भोजन परोसे / मइयै मिलन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै जिमाउन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै सुवाउन हम आईरे, झुकि आई अधिरिया।/ पाना पचासी, महोबे को बीड़ा। मइये रचाउन हम आरे रे, झुकि आई अंधिरिया।**

## कृषि और श्रम जीवन से जुड़े गीत

कन्नौजी समाज का जीवन मूलतः कृषि आधारित है, इसलिए खेती-बाड़ी, वर्षा, फसल कटाई, बैल और हल से जुड़े अनेक गीत मिलते हैं। ये गीत खेतों में काम करते समय गाए जाते हैं, जिससे श्रम का बोझ हल्का होता है और सामूहिकता की भावना बढ़ती है।
**बरखा आई ओ रे साथी, बइठै न अब घर मा।/ खेतन में पानी भरि आयो, चलो लगावई धान। ऐसे गीतों में किसान की मेहनत, आशा और प्रकृति के प्रति आदर झलकता है।**

## सोहर और बन्नी

सोहर- धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी / रेडियो की आवाज सुन सासु दौड़ी आवेंगी।/उनको भी हलके से कंगन बनवाना मेरे राजा जी/ पांच के बनवाना पचास के बताना जी/ धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी।
एक बन्नी - बन्नी नादान बजावे हरमोनिया/दादी के कमरे बजावे हरमोनिया।/ छेड़ें तान हंसे सारी दुनिया/ बन्नो नादान हंसे सारी दुनिया। महिलाएं समूह में बैठकर इन गीतों को गाती हैं और उनमें स्थानीय शब्दावली, पारिवारिक संबंधों और ग्रामीण जीवन के प्रतीक झलकते हैं।

## भावात्मक और प्रेमपरक गीत

कन्नौजी लोकगीतों में प्रेम, विरह और सौंदर्य की भावनाएं भी प्रमुखता से मिलती हैं। **मेरा रेशमी दुपट्टा जरा गोटा लगा दो/ जरा गोटा लगा दो... सोने की थाली में भोजन बनाए/ मेरा जेमन वाला दूर बसा/ कोई जल्दी बुला दो...**
कभी ये गीत सीधी सच्ची प्रेमाभिव्यक्ति होते हैं,

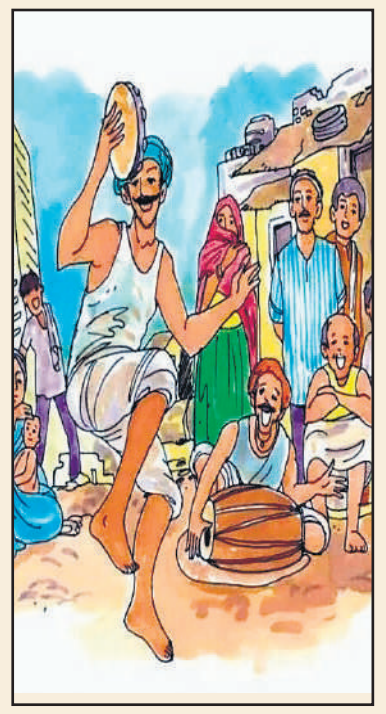

तो कभी सांकेतिक और रूपकात्मक। स्त्री का विरह, पति की प्रतीक्षा, साजन की विदाई- ये सब विषय बार-बार आते हैं।
**साउन लागे आज सुहावन जी।/ एजी कोइ घटा दबी हई कोर।/ नन्हीं-नन्हीं बुंदियन मेंह बरसी रहे।/ एजी कोई पवन चले सईजोर।** ऐसे गीतों में भाषा की मिठास और भावनाओं की गहराई दोनों अद्भुत रूप से मिलती हैं।

## सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

कन्नौजी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना के दर्पण हैं। इन गीतों से समाज की संरचना, नारी की भूमिका, नैतिक मूल्यों और लोकाचारों की झलक मिलती है। इनके माध्यम से लोकसंस्कृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होती रही है। महिलाओं के लिए ये गीत स्व-अभिव्यक्ति का साधन हैं - वे अपनी भावनाएं, पीड़ा, आनंद और आकांक्षाएं इन्हीं गीतों में व्यक्त करती हैं।
स्व-अभिव्यक्ति का एक उदाहरण देखें, जिसमें ससुराल की पीड़ा भी अभिव्यक्त होती है-
**हमारी गुलाबी चुनरिया, हमें लागी नजरिया।/ सासु हमारी जन्म की बैरिन/ हमसे करामैं रसुइया, मेरी बारी उमरिया/ जेठानी हमारी जन्म की बैरिन/हमसे भरामैं गगरिया, मेरी बारी उमरिया...**
इस प्रकार कह सकते हैं कि कन्नौजी लोकगीत उत्तर भारत की समृद्ध लोकपरंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। इन गीतों में जीवन की गंध है, मिट्टी की महक है और इंसान की सहज भावनाओं की सच्चाई है। आज जब आधुनिकता और तकनीक के प्रभाव से लोकसंगीत का स्वर क्षीण हो रहा है, तब इन लोकगीतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। कन्नौजी लोकगीत न केवल कान्यकुब्ज क्षेत्र की पहचान हैं, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति की जीवंत धरोहर भी हैं। इन गीतों को सुनना, गाना और सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

---

आर्ट गैलरी

# मकबूल के घोड़े

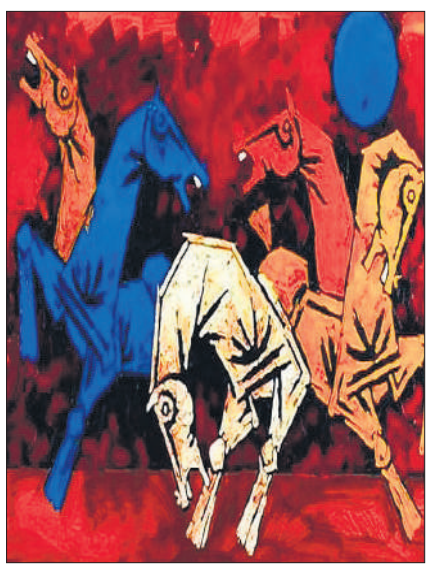

मकबूल फिदा हुसैन के सबसे आइकॉनिक मोटिफ्स में घोड़ों को बनाना शामिल है, जो भारतीय कल्चर में गहरा सिंबॉलिज्म रखते हैं। हुसैन की पेंटिंग्स में, घोड़ों को तेजी और एनर्जी के साथ दिखाया गया है। बोल्ड, एब्स्ट्रैक्ट रूपों में जो मूवमेंट और जिंदादिली का एहसास कराते हैं। ये चित्रण सिर्फ दिखाने से कहीं आगे जाते हैं और भारतीय समाज और संस्कृति के अलग-अलग पहलुओं को दिखाते हुए, सिंबल के दायरे में जाते हैं। हुसैन के घोड़ों की पेंटिंग्स का एक मतलब यह है कि वे आजादी और ताकत का प्रतीक हैं, जो कलाकार की आजादी और खुद को जाहिर करने की अपनी इच्छा को दिखाते हैं।

मकबूल फिदा हुसैन, जिन्हें अक्सर भारत का पिकासो कहा जाता है। वह अपनी शानदार और डायनेमिक पेंटिंग्स के लिए मशहूर हैं, जो भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को दिखाती हैं। मकबूल (एमएफ हुसैन), 20वीं-21वीं सदी के भारत के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली कलाकारों में से एक थे। उनकी पेंटिंग्स में भारतीय संस्कृति, इतिहास और समकालीन जीवन के विषयों को प्रमुखता से दर्शाया गया, जिसमें घोड़े, गायें और भारतीय देवी-देवता अक्सर नजर आते हैं। 17 सितंबर, 1915 को महाराष्ट्र के पंढरपुर में जन्मे हुसैन ने भारतीय आधुनिक कला को एक नई दिशा दी। हुसैन का कलात्मक सफर 1940 के दशक में शुरू हुआ। कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री, पद्म भूषण और 1991 में पद्म विभूषण, भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था। 9 जून, 2011 को लंदन में उनका निधन हो गया।

पेंटर मकबूल फिदा हुसैन

---

रंग-तरंग

# हुमायूं टॉम्ब की नर्सरी में लोककला एवं जनजातीय शिल्प महोत्सव

राजधानी दिल्ली में सालभर विशेष कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन होता रहता है। बीते दिनों जहां भारत मंडपम में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, वहीं निजामुद्दीन दरगाह के करीब बने हुमायूं टॉम्ब की सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महोत्सम में लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी कला के प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया।

**सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम की झलक :**
सुंदर नर्सरी, दिल्ली का मुगल उद्यान है, जिसे अब एक जीवंत स्थल में बदल दिया गया है। यहां शिल्प बाजारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कैफे का आयोजन होता है। यह सिर्फ एक पिकनिक स्थल नहीं, बल्कि अब यहां विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां होती हैं, जिनमें "शिल्प ग्राम" भी शामिल है।
**कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर भी पहुंचे :**
प्रदर्शनी में शिल्प कला क्षेत्र के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर मधुबनी चित्रकला, वरली चित्रकला, गोंड चित्रकला और भील चित्रकला, टेराकोटा शिल्प, बांस शिल्प, सुलेख, सिक्की घास बुनाई, सुलेख - लकड़ी की नक्काशी और पेपरमैची शिल्प पर इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
**कई तरह के मधुबनी पेंटिंग्स की दिखीं कलाकृतियां :**
बिहार की मधुबनी पेंटिंग को गत्तों के ढांचों पर उभारने वाली अनुभा बताती हैं कि उनको इस प्रदर्शनी में आकर काफी अच्छा लगा। वह मुल्तानी मिट्टी और कागज को मिलाकर, जो मॉडल तैयार करती हैं, फिर उस पर मधुबनी पेंटिंग को उभारने का काम करती हैं। यह हुनर उनको विरासत में प्राप्त हुआ है। इस काम को उन्होंने अपनी दादी से सीखा है, जो शादी के उपरांत उनके लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है।
**सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग करना आयोजन का उद्देश्य :**
लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव की संयोजक सुमन दूंगा ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से, हमारा उद्देश्य युवा मन को प्रेरित करना, हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग देना और गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देना रहा।

**कोविड की दस्तक के बाद संक्रमितों के लिए संजीवनी साबित हुआ 300 बेड अस्पताल**

# बस एक प्रयास ... फिर सरकारी तंत्र की रीढ़ बनेगा 300 बेड अस्पताल

वर्ष 2019 में जब कोविड ने दस्तक दी तो जिले में त्राहि-त्राहि मच गई, उस दौरान शासन के आदेश पर 300 बेड अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाने के निर्देश दिए गए। 300 बेड से सुसज्जित इस अस्पताल में हजारों संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज मिलने से नई जिंदगी मिली लेकिन यहां मरीजों की भर्ती प्रक्रिया आरंभ नहीं हो सकी है। हालांकि जल्द से जल्द इसका संचालन सुपर स्पेशिलिटी रुप में हो सके इसके लिए जन प्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक व स्वास्थ्य विभाग के अफसर भी शासन तक लगातार पत्राचार कर रहे हैं।

## जल्द मिलेगी ट्रामा विंग की सौगात

निजी ही नहीं सरकारी सेवाओं में भी बरेली जिला किसी मायने में पीछे नहीं है, हालांकि सुविधाएं मिलने में भले ही अभी वक्त है बीते वर्षों में जहां मरीज सरकारी सुविधा लेने से कतराते थे. लेकिन अब इन सुविधाओं में भी व्यापक सुधार हो रहा है। जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है लेकिन बहुत जल्द ही ऐसे मरीजों को जिला अस्पताल स्थित ट्रामा विंग में ही इलाज मिलेगा। इस विंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है, यहां शासन स्तर से स्टाफ की तैनाती भी की जा रही है। जल्द ही इसका संचालन भी आरंभ कर दिया जाएगा। संचालन का प्रयास अफसर युद्ध स्तर पर कर रहे हैं। ट्रामा विंग में इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के साथ आर्थो और सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। ऑपरेशन थिएटर, एक्सरे रूम और पैथोलॉजी लैब होगी। छह बेड का आईसीयू होगा। साथ ही दो नर्सिंग स्टेशन और एक रिकार्ड रूम भी बनाया जाएगा।

## 15 वार्ड, आईसीयू समेत अन्य सुविधा चाक चौबंद

जिला व महिला अस्पताल में अलावा मरीजों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए शासन ने तीन सौ बेड के लिए दिल खोलकर धनराशि खर्च की। मार्च 2013 से इस अस्पताल को बनाने का प्रोजेक्ट शुरू हुआ। करीब 10 साल बाद कोविड काल में इसे कोविड अस्पताल बनाया गया। तत्कालीन कमिश्नर संयुक्ता समद्दार ने यहां ओपीडी संचालन कराने का आदेश दिया उस दौरान से ही यहां ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज मिल रहा है लेकिन भर्ती प्रक्रिया आरंभ न होने से गंभीर मरीजों को गैर अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा है। बस एक प्रयास पुरजोर तरीके से शासन और प्रशासन की ओर से दिया जाए तो ये अस्पताल गंभीर मरीजों को संजीवनी देने में सबसे अहम कड़ी साबित होगा। इतना ही नहीं यहां मरीजों को भर्ती करने के साथ ही बेड, उपकरण, वार्ड समेत अन्य संसाधन भी मौजूद हैं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

**मेरा शहर-मेरी प्रेरणा**

## ये हर मरीज के जख्मों का हैं मरहम... तभी तो कहलाती है सिस्टर जी

जब हम किसी भी अस्पताल में मरीज या फिर तीमारदार बनकर जाते हैं तो सबसे पहले डॉक्टर मरीज का इलाज देकर चले जाते हैं लेकिन एक ऐसा व्यक्तित्व भी है जो कि मरीज के पास हर मिनट और घंटे में साये की तरह आंखों में सेवाभाव लिए मरीज की मरहम पट्टी करता है। जी हां वो होता है नर्सिंग स्टाफ। नर्स एक मां, एक बहन के रूप में मरीजों की सेवा करती हैं। इस रिश्ते को बखूबी निभाने के चलते ही इस प्रोफेशन से जुड़ी महिलाओं को सिस्टर का उपनाम दिया गया है। नर्स मरीजों के बाहरी जख्म से लेकर उनकी संवेदनाओं पर भी मरहम लगाती हैं। आधुनिक नर्सिंग की जननी कही जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल भी मरीजों की सेवा परिवार से बढ़कर करती थीं।

### हाईटेक पैथोलॉजी लैब अब शहर में

बरेली की स्वास्थ्य सेवाओं में हाईटेक पैथोलॉजी लैब का भी योगदान अहम है। विशेषज्ञों के अनुसार, बीते पांच वर्ष तक लिवर, गुर्दा, हृदय समेत अन्य अंगों से जुड़ी जांचों के लिए भी सिर्फ दो से तीन लैब ही सहारा थीं, लेकिन अब यहां प्रतिष्ठित 8 लैब के कलेक्शन सेंटर और मिनी डायग्नोस्टिक केंद्र भी खुल गए हैं, जहां हार्मोन्स की जांचे, कैंसर की ट्यूमर मार्कर, गंभीर आंखों की बीमारी के दौरान किए जाने वाले सिरम एंटीएमोजी व एंटी एनमो टेस्ट के साथ ही अन्य जांच की सुविधा की उपलब्ध हैं।

### बरेली से निकलते हैं हजारों नर्सिंग पुरोधा

जिले में 8 से अधिक नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग के साथ ही पीजी नर्सिंग की डिग्री लेकर हर साल हजारों नर्सिंग पुरोधा जिले के साथ ही दूर दराज के क्षेत्रों में बरेली में मिली दीक्षा की लौ से अपने भविष्य की चमक बढ़ा रहे हैं।

## सरकारी डॉक्टर बनने की चाह ने बुलंदियों तक पहुंचाया, अभी भी जारी सेवा भाव

सिविल लाइंस निवासी डॉ. एसके गर्ग ने 1988 में लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (अब केजीएमयू) से एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण की, इसके बाद इसी कॉलेज से विशेषज्ञता में एमडी चेस्ट की पढ़ाई की। डॉ. गर्ग बताते हैं कि मेरे पिता सोहन लाल सरकारी विभाग में इंजीनियर थे, लेकिन दादा मुझे पिता की तरह ही इंजीनियर बनने को प्रेरित करते लेकिन पिता जब भी किसी सरकारी अस्पताल में निर्माण संबंधी कार्य के लिए जाते तो एक डॉक्टर को देखकर प्रभावित होते थे और मुझे डॉक्टर बनने के लिए कहा करते थे। मैंने वर्ष 1988 में चेस्ट फिजिशियन की पढ़ाई पूरी करते ही स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं आरंभ कर दीं। डॉ. सुधीर कुमार गर्ग शाहजहांपुर और बरेली में बतौर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात रहे। लेकिन उन्होने इन शीर्षस्थ पदों पर आसीन होने से पहले ही एक डॉक्टर और मरीज के प्रति सेवा के भाव को सार्थक कर दिया था। डॉ. गर्ग बतातें हैं कि वर्ष 1998 से 2004 तक बरेली जिला अस्पताल में टीबी वार्ड प्रभारी रहकर मरीजों का इलाज किया, वहीं 2017 से 2020 तक बरेली में ही जिला क्षय रोग अधिकारी रहते हुए व्यापक रुप से अभियान चलाकर 50 हजार से अधिक टीबी के लक्षण वाले रोगी नोटिफाई किए। जो कि अब तक सबसे अधिक आंकड़ा है। इतना ही नहीं बरेली के अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (एडी हेल्थ) के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वर्ष 2022 से ही घर पर ही क्लीनिक खोलकर टीबी रोगियों का नि:शुल्क इलाज करना आरंभ कर दिया जो कि वर्तमान में भी जारी है। चौपुला चौराहा स्थित अपने निजी निवास पर रोजाना 30 से 40 मरीजों को क्लीनिक पर ही इलाज दे रहे हैं।

### पिता की चाह को पूरा किया सरकारी सेवा कर पाया मुकाम

डॉ. साधना अग्रवाल ने कार्यकाल में काफी अच्छा काम किया। साधना अग्रवाल ने जीएसबीएल कानपुर से एमबीबीएस किया है। उन्होंने बतौर डॉक्टर स्वास्थ्य विभाग में 16 अगस्त 1990 को कार्य शुरू किया और वर्ष 2025 में निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुईं। पति डॉ. एसके गर्ग के साथ ही अपने आवास पर उनके क्लीनिक पर मरीजों को परामर्श देने में सहयोग कर रही हैं।

## कोरोना हुआ भयावह तो डॉ. सुबोध बने ढाल

बीसवीं शताब्दी की सबसे भयावह बीमारी कोरोना ने जब पैर पसारना शुरू किया तो बड़े- बड़े लोगों की हिम्मत जवाब दे गई। लोग घरों में कैद हो गए, वाहन थम गए। ऐसे में कुछ ऐसे कोरोना योद्धा ने मिसाल पेश की जो अन्य के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है इस लिस्ट में एक नाम है डॉ. सुबोध शर्मा का जिन्होंने कोविड काल में रामपुर के सीएमओ की जिम्मेदारी निभाते हुए लोगों को भयानक बीमारी से मुक्त करने के लिए अपनी टीम के साथ दिन- रात मेहनत की। डॉ. सुबोध शर्मा ने एमबीबीएस और एमडी की डिग्री पूरी करने के बाद बतौर डॉक्टर लोगों की जो सेवा देनी शुरू की, वह 30 अप्रैल 2025 तक जारी रही है।

**प्रदेश में चमका महिला अस्पताल, जिला अस्पताल की बदली तस्वीर** : कहते हैं न कि जोड़ी भगवान बनाते हैं ऐसे ही डॉक्टर दंपति है डॉ. सुबोध और डॉ. अलका शर्मा जिन्हें सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए जाना जाता है। डॉ. अलका शर्मा ने सेवाओं में रहते हुए लोगों को रोगमुक्त बनाने का काम किया। सरकारी सेवाओं में आने के बाद उन्होने सीएचसी बहेड़ी में बतौर एलएमओ सेवाएं आरंभ कीं। 2016 में शासन ने उन्हें बरेली के जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका की जिम्मेदारी दी। बस फिर क्या था, अस्पताल की धुंधली तस्वीर को साफ करने में जुट गई। मेहनत रंग लाई और महिला अस्पताल को नेशनल क्वलिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड प्रमाणित कर प्रदेश में अस्पताल की पहचान बनाई। वर्ष 2022 में वह जिला अस्पताल बरेली की अपर निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक बनीं, यहां नई सड़कों का निर्माण, ऑक्सीजन प्लांट, मरीजों को दिया जाने वाले भोजन प्रणाली में सुधार के साथ कई उत्कृष्ट कार्य उनकी पहचान बनें।

**सुविधा**

## इलाज ही नहीं हर साल निकलते हैं हजारों हेल्थ के पुरोधा

बरेली को चिकित्सा क्षेत्र का हब इसलिए हीं नहीं कहा जाता है कि यहां तीन मेडिकल कॉलेज होने साथ ही बड़ी संख्या में निजी अस्पताल हैं बल्कि यहां बीते सालों से हर साल हजारों की संख्या में मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर दूर-दराज में बरेली का नाम रोशन कर रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ को जोड़ने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे रणनीतिक रूप से बसा, उत्तर प्रदेश का आठवां और भारत का 50वां सबसे बड़ा शहरी केंद्र होने के नाते, क्षेत्रीय परिदृश्य में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखता है। उत्तर प्रदेश चिकित्सा आयोग के सदस्य और वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमेंद्र महेश्वरी बताते हैं कि तीन मेडिकल कॉलेज, आठ आयुर्वेदिक कॉलेज और लगभग एक दर्जन से अधिक नर्सिंग कॉलेज होने के कारण, एक प्रसिद्ध चिकित्सा केंद्र के रूप में स्थापित है। इसके अलावा, एक चिकित्सा पर्यटन स्थल के रूप में, बरेली विदेशी रोगियों की भी सेवा करता है, जहां हृदय बाईपास सर्जरी से लेकर किडनी प्रत्यारोपण तक, विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।

# बरेली में जटिल हड्डी रोगों का मिल रहा उपचार

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली का आर्थोपेडिक्स विभाग लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों से जुड़ी बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए समर्पित है। यह विभाग नई तकनीकों और अच्छी देखभाल के ज़रिए इलाज के स्तर को और बेहतर बना रहा है। स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में भी बरेली में तेज़ी से बदलाव देखने को मिले हैं। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल इस बदलाव को लाने वाले एक मुख्य विशेषज्ञ के तौर पर सामने आए हैं। उन्होंने ऑपरेशन के नए तरीकों, जैसे- छोटे चीरे वाली (मिनिमली-इनवेसिव), दूरबीन वाली (एंडोस्कोपिक) और रोबोट की मदद से होने वाली प्रक्रियाओं के स्तर को बहुत ऊंचा कर दिया है।

आर्थोपेडिक्स विभाग की टीम के साथ डॉक्टर वरुण अग्रवाल।

डॉ. अग्रवाल ने यहां देश का पहला ऐसा इंटीग्रेटेड स्पाइन सेंटर शुरू किया है, जहां एक साथ तीन आधुनिक तकनीकें मौजूद हैं। सर्जरी में सटीकता लाने के लिए रोबोटिक सिस्टम का उपयोग, ऑपरेशन के दौरान सही रास्ता दिखाने वाली आधुनिक तकनीक 3डी नेविगेशन, हाई-क्वालिटी इमेजिंग इन तकनीकों में शामिल है। नई तकनीकों से रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन, जोड़ बदलने (टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट) की सर्जरी, छोटे चीरे वाले फ्रैक्चर ऑपरेशन और टेढ़ेपन को ठीक करने जैसे जटिल ऑपरेशन ज़्यादा सटीक और सुरक्षित हो गए हैं।

डॉ. वरुण बताते हैं कि हमारी ट्रॉमा केयर यूनिट 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। यह तेज़ गति से होने वाली दुर्घटनाओं और कई चोटों वाले मुश्किल मामलों को संभालने में सक्षम है। यहां डॉक्टरों की टीम गोल्डन आवर (चोट लगने के बाद का सबसे ज़रूरी समय) में तुरंत इलाज शुरू कर देती है। हम सिर्फ बरेली ही नहीं, बल्कि आस-पास के ज़िलों, उत्तराखंड के दूरदराज़ इलाकों और भारत-नेपाल सीमा से आने वाले मरीज़ों का भी इलाज कर रहे हैं। लोग यहां आधुनिक, भरोसेमंद और जटिल हड्डी रोग के इलाज के लिए आते हैं।

डॉ वरुण बताते हैं कि हमारा मिशन हर जगह अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसके लिए, हम नियमित रूप से गांव-गांव जाकर कैंप लगाते हैं, मोबाइल जांच सेवाएं देते हैं और मुफ़्त ऑपरेशन प्रोग्राम चलाते हैं, ताकि ग़रीब लोग भी शहरों जैसी अच्छी सुविधाएं पा सकें। डॉ. वरुण अग्रवाल के मार्गदर्शन में टीम ने गांवों और छोटे शहरों में बहुत सारे मुफ़्त स्पाइन हेल्थ कैंप लगाए हैं। इन कैंपों से उन मरीजों तक मदद पहुंची जो शहरों के अस्पतालों तक नहीं आ पाते।

## राजश्री मेडिकल कॉलेज को विवि बनाने का लक्ष्य



**बरेली** समेत आसपास के जिले के लोगों को बेहतरीन और उच्च गुणवत्ता परक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 2014 में स्थापित राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को विश्वविद्यालय बनाने का लक्ष्य 2026 तक निर्धारित किया गया है। राजश्री मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहन बंसल ने बताया राजश्री मेडिकल कॉलेज के विश्वविद्यालय बनने से यहां सुविधाओं में विस्तार होगा। विभिन्न कोर्सों के साथ ही फैकल्टी में वृद्धि होगी। विभिन्न संस्थानों से समझौता होगा, जिससे यहां पढ़ने वाले छात्रों और इलाज करने आने वाले मरीजों को काफी लाभ होगा।



रोहन बंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर
राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल

राजश्री मेडिकल कॉलेज की स्थापना राजश्री एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल और सचिव राकेश कुमार अग्रवाल ने 2014 में मानव सेवा के लिए की थी जो अपने उद्देश्य को बखूबी अंजाम दे रहा है। यहां पर छात्रों को मेडिकल के क्षेत्र में दक्ष बनाने के साथ ही एक हजार पचास बेड का "सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का संचालन हो रहा है। इस समय यहां एमबीबीएस की 250, जीएनएम 40 सीटें, एएनएम की 40 सीटें। बीएससी नर्सिंग 100, पोस्ट बीएसएसी नर्सिंग 40, एमएससी नर्सिंग 20 सीटें। लैब टेक्नीशियन में 30, ओटी टेक्नीशियन में 30, फिजियोथेरेपी 30, डिप्लोमा इन सैनिटेशन की 30 समेत कई अन्य कोर्स में छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई कराई जा रही है।

# ... ताकि मरीजों को मिल सके रोशन जहां

कहते हैं न कि डॉक्टर का जीवन मरीजों के लिए समर्पित होता है, लेकिन कम उम्र में अगर आप एक कुशल विशेषज्ञ डॉक्टर बन जाते हैं इस दुनिया की चकाचौंध विदेशों तक जगमगाती है लेकिन कुछ ऐसे भी युवा डॉक्टर है जिन्होने अपनी जन्म स्थली को ही कर्मभूमि बना लिया और अन्य के लिए प्रेरणा बन गए। हम बात कर रहे हैं मंडल के अनुभवी वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. दिव्य अग्रवाल की। उन्होने वर्ष 2021 में दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) से रेटिना विशेषज्ञता की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब उनके वरिष्ठों ने उनकी कार्यकुशलता देखी तो एम्स में ही सेवाएं देने के लिए तमाम अनुरोध किए लेकिन डा. दिव्य के मन में अपने जन्म स्थान के लिए एक अलग ही सेवा भाव था, उन्होने वर्ष 2022 में बरेली आकर विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर में मरीजों का इलाज आरंभ किया जो कि निरंतर जारी है। डॉ. दिव्य बतातें हैं कि मंडल में रेटिना के ऑपरेशन की उन्नत मशीन की कमी एवं रेटिना सर्जन की कमी होने से मरीजों को दिल्ली लखनऊ के चक्कर लगाने होते थे, जिससे उनके मन में टीस थी, बस इसलिए ही उन्होने बरेली आने का फैसला किया।

डॉ. दिव्य ने दिल्ली स्थित एम्स से नेत्र विज्ञान में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है, जहां उन्हें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कई स्वर्ण पदक प्राप्त हुए हैं। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली से विट्रोरेटिना, यूविया और आरओपी में अपनी दीर्घकालिक फेलोशिप पूरी की है। उन्होंने पद्मश्री प्रो. अतुल कुमार के मार्गदर्शन में अपनी वरिष्ठ रेजिडेंसी पूरी की। इतना ही नहीं डॉ. दिव्या के प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 100 से अधिक प्रकाशन हैं और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई शोधपत्र व संकाय वार्ताएं प्रस्तुत की हैं।



### अब नहीं लगानी होगी दूर -दराज की दौड़

डॉ. दिव्य बताते हैं कि पहले नेत्र रोगियों को गंभीर समस्या होने पर दूर-दराज के क्षेत्रों में इलाज के लिए जाना पड़ रहा था इसका मुख्य कारण ये था कि बीते वर्षों में इलाज की आधुनिक तकनीक और मशीनों का बरेली में अभाव था लेकिन अब शहर के स्टेडियम रोड के एकता नगर स्थित विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर के साथ ही अन्य केंद्रों पर भी रेटिना बीमारियों के सभी इलाज, रेटिनल इंजेक्शन, जर्मनी की लेटेस्ट मशीन द्वारा रेटिना की जांच, एंजियोग्राफी, अत्याधुनिक लेज़र मशीन द्वारा रेटिनल लेज़र तकनीक से इलाज, इस तकनीक से इलाज में मरीज के जल्दी स्वस्थ होने के साथ ही इलाज में दर्द का एहसास तक नहीं होता है इतना ही नही अब शहर में ही अमेरिका की विटरेक्टॉमी मशीन जो कि पर्दे के ऑपरेशन के लिए सर्वोत्तम मशीन है जिससे बिना टांके के परदे के ऑपरेशन सुरक्षित तरीके से किए जा रहे हैं।

### स्क्रीन टाइम बच्चों को बांट रहा मायोपिया

डॉ. दिव्य बताते हैं कि दिनों दिन सोशल मीडिया का चलन बढ़ रहा है हर वर्ग इसकी चपेट में है, लेकिन सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों की आंखों पर पड़ रहा है। बच्चे मायोपिया बीमारी से ग्रसित मिल रहे है जिसका मुख्य कारण है अधिक स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधियों का कम होना। लेकिन समय पर विशेषज्ञ की सलाह लेने से इससे बचाव हो सकता है।

### हर धुंधलापन मोतियाबिंद नहीं होता

डॉ. दिव्य बताते हैं कि मधुमेह यानि डायबिटिज से ग्रसित मरीजों को रोशनी कम होने की समस्या अधिक होती है, लेकिन अधिकांश लोग ये समझ लेते हैं कि ये मोतियाबिंद है, कई बार मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने से भी आंखों की रोशनी कम ही रहती है। इसलिए ये जानना जरुरी है कि हर धुंधलापन, मोतियाबिंद ही नहीं होता ये डायबिटिक रेटिनोपैथी भी हो सकती है। इसलिए हर डायबिटिक मरीज को हर साल नेत्र विशेषज्ञ से जांच अवश्य करानी चाहिए। आंखों के आगे काले धब्बे दिखने पर या चमक का कारण पर्दे की कमजोरी होता है, ऐसे में रेटिनल डिचेमेंट के खतरे से बचने के लिए रेटिना विशेषज्ञ की सलाह जरुरी है।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-2)

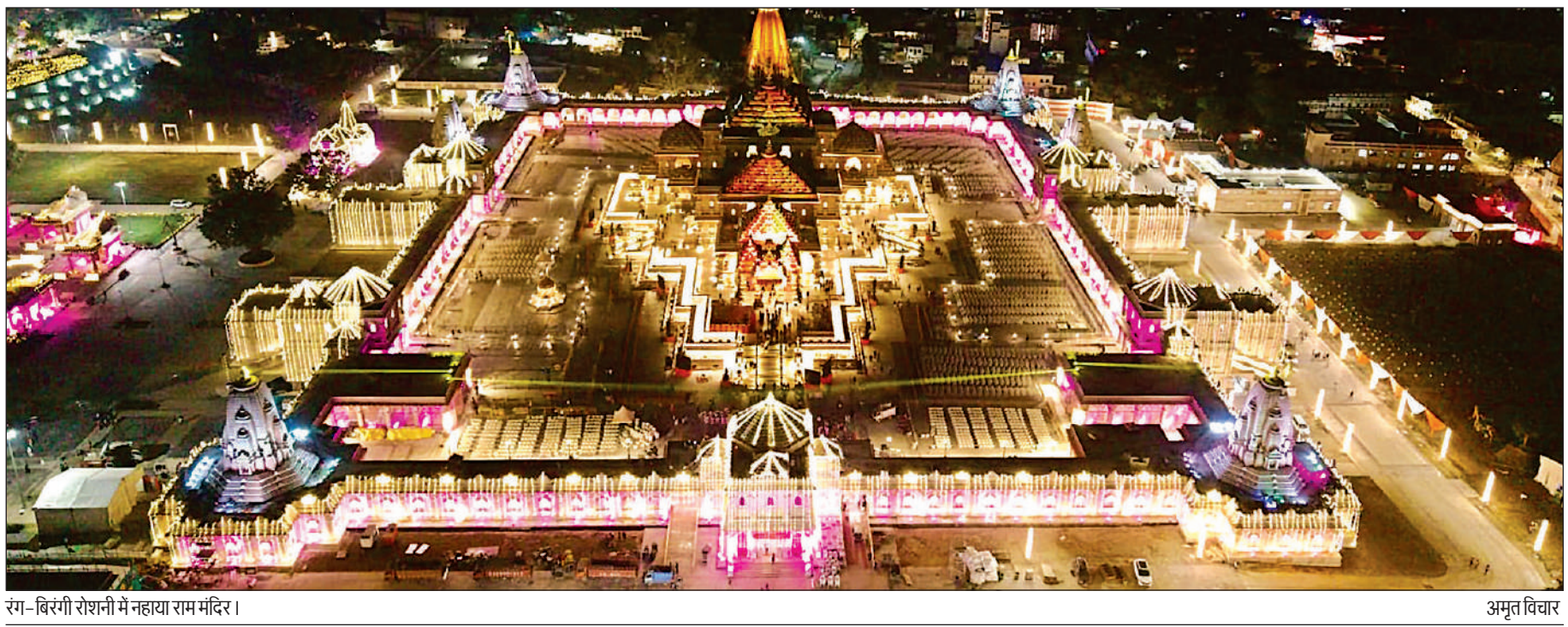

रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया राम मंदिर। अमृत विचार

अतिथियों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

निषाद चौराहे पर तिरंगा लहरातीं महिलाएं। अमृत विचार

# ध्वजारोहण होते ही जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी रामनगरी

## मठ-मंदिरों में बजे घंटे-घड़ियाल, भगवान की उतारी गयी आरती, बांटा गया प्रसाद

हाथ में त्रिशूल लेकर जय श्रीराम का उद्घोष करता साधु। अमृत विचार

रामधुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु। अमृत विचार

**अयोध्या कार्यालय**

**अमृत विचार :** राम मंदिर का भव्य प्रांगण, सुबह करीब 11:52 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मौजूदगी में जैसे ही बटन दबाया, धर्म ध्वजा धीरे-धीरे कर ऊपर जाने लगी। तीन मिनट में भगवा ध्वज राम मंदिर के शिखर पर लहराकर मंदिर निर्माण की पूर्णता का संदेश देने लगा। यह दृश्य देखकर राम मंदिर प्रांगण में बैठे करीब सात हजार लोग, शहर में करीब 50 स्थानों पर लगी एलईडी, मंदिरों व घरों की छतों समेत पूरे विश्व में टीवी के माध्यम यह ऐतिहासिक दृश्य देख रहे लोगों को भक्ति भाव से ओतप्रोत कर दिया। मंदिर प्रांगण ही नहीं पूरी अयोध्या जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी। रामपथ, धर्मपथ समेत पूरे शहर के लोग सड़कों पर आ गए व मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। अयोध्या के बुजुर्ग संत राम स्वरूप दास, पटवा मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास, राघव मंदिर के संत रंजीव शरण दास ने कहा कि आज के इस पल का गवाह बनकर हम अयोध्यावासी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। प्रसाद विक्रेता राकेश गुप्त, केशरीनंदन गुप्ता, राजेश गुप्त, ओंकार गुप्त, राम नाम संकीर्तन करने वाले वैभव तिवारी, अुतल दास आदि हनुमानगढ़ी के पास श्रद्धालुओं को लड्डू बांटते दिखे। अपनी छतों से मंदिर के शिखर पर ध्वज लहराते देख खुशी मनाने वाले रायगंज निवासी स्वाति, प्रीति, गुंजन, गौरी, स्तुति, दंतधावनकुंड नई कॉलोनी निवासी केडी मिश्र आदि ने कहा कि मोदी-योगी ने वह किया है जो पूर्व में कोई नहीं कर सका। श्रावस्ती से आए राजेंद्र पांडेय, विश्वनाथ जायसवाल ने कहा कि मोदी और योगी ने अयोध्या का गौरव वापस दिलाया है।

लता चौक पर रामधुन पर नाचते साधु। अमृत विचार

### सांस्कृतिक उत्सव में बदला समारोह

बिहार के गोपालगंज से हनुमान जी की वेशभूषा में पहुंचे एक रामभक्त ने अपने नृत्य और गायन से माहौल को भक्ति रस में रंग दिया। दिल्ली से आई श्रद्धालु महिलाएं मधु, धारणा, संतोष और पूजा ने कहा कि राम मंदिर परिसर पहुंचते ही उन्हें देवलोक जैसी अनुभूति हुई। संत रमाकांत शर्मा, जो 25 वर्षों से अयोध्या आते रहे हैं, ने कहा कि अयोध्या आधुनिक भी हुई है और अपनी त्रेतायुगीन झलक भी पा चुकी है। ढोल और मंजीरों के मधुर स्वरों के बीच संतों की टोली ने इस आयोजन को एक दिव्य सांस्कृतिक पर्व में परिवर्तित कर दिया।

# सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे श्रीराम आए हैं...

फूलों से सजे राम मंदिर द्वार के सामने जय श्रीराम का उद्घोष करते भक्त। अमृत विचार

**विशाल तिवारी, अयोध्या**

**अमृत विचार :** रामनगरी मंगलवार को फिर त्रेतायुग में लौट आई। अलौकिक, अद्भुत और अप्रतिम सौंदर्य से पूरा शहर राममय हो उठा। सारा वातावरण सुगंधित पुष्पों की महक से सराबोर था। पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर बज रहे भजन सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे प्रभु श्रीराम आए हैं..., लोगों को भक्ति के सागर में गोते लगवा रहे थे।

रामपथ समेत नगर के प्रमुख मार्गों पर लगी गेंदा और आम के पत्तों की मालाएं पूरे वातावरण को धार्मिक रंग में रंग रही थीं। राम मंदिर के वीआईपी प्रवेश द्वार जगदगुरु आद्य शंकराचार्य, जगीगुरु रामानंदाचार्य मार्ग समेत प्रवेश का प्रमुख मार्ग श्रीराम जन्मभूमि पथ पर बना भव्य द्वार किसी खास आयोजन का गवाह बन रहा था। मुख्य चौक-चौराहों पर केसरिया, पीले, लाल और सफेद फूलों की लड़ी इतनी सुंदर लग रही थी कि दूर से देखने पर लगता था मानो पूरा शहर सोने-चांदी के आभूषणों से सजा हो। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में गर्भगृह से लेकर मुख्य द्वार तक, हर तरफ गेंदे, गुलाब, चमेली और बेला के फूलों का ऐसा समां बंधा कि हवा में भी मिठास घुल गई। हनुमानगढ़ी के पास बेगूसराय से आए रत्नेश राय, अमिता राय, कुमकुम, मीरा आदि बोले वाह, यह है राजा राम की नगरी के ठाठ, लग रहा है आज सच में त्रेतायुग लौट आया। श्रृंगार हाट में बलिया से आए मीनाक्षी, देवनारायन, श्रीनाथ, राजकुमारी आदि ने कहा कि पूरा शहर फूलों से महक रहा है, हवा में भी राम नाम की सुगंध है। तुलसी उद्यान के पास गोंडा से आई बुजुर्ग बीना पांडेय बोलीं मैंने इतना सुंदर दृश्य कभी नहीं देखा। लता चौक के पास खड़े युवा श्रद्धालु आयुष, आर्यन, प्रशांत, शुभम ने कहा ये फूल, ये सुगंध, यह भक्ति भाव सब कुछ कह रहा है कि राम हमारे बीच हैं। रेलवे स्टेशन पर मिले रीवा के संजीव व उनकी पत्नी सुमन ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भी बताया जाएगा कि जब राम अपने घर लौटे, तो अयोध्या ने उनका कैसे स्वागत किया।

राम मंदिर परिसर से प्रसाद लेकर लौटीं महिलाएं। अमृत विचार

रामपथ पर पीएम मोदी को हर कोई अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते दिखा।

पीएम मोदी का स्वागत करते बटुक। अमृत विचार

ध्वजारोहण करने के लिए जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

# राम भेद से नहीं, भाव से ही जुड़ते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

- अयोध्यावासियों के जीवन में समृद्धता के लिए चल रहा काम
- भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा राम मंदिर का दिव्य प्रांगण

**अयोध्या कार्यालय**

**अमृत विचार :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए व्यक्ति का कुल नहीं, भक्ति महत्वपूर्ण है। उन्हें मोक्ष नहीं, मूल्य प्रिय है। उन्हें शक्ति नहीं, सहयोग महान लगता है। आज हम भी इसी भावना से आगे बढ़ रहे हैं। वह मंगलवार को श्रीरामजन्म भूमि परिसर स्थित मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। राम मंदिर का दिव्य प्रांगण भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा है। यहां सप्त मंदिर, मां शबरी, निषादराज गुह्य का भी मंदिर है। यहां एक ही स्थान पर मां अहिल्या, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य और संत तुलसीदास हैं। रामलला के साथ-साथ इन ऋषियों के भी दर्शन यहीं होते हैं। जटायु व गिलहरी की मूर्ति भी बड़े संकल्पों की सिद्धि के लिए हर छोटे से छोटे प्रयास के महत्व को दिखाती है।

प्रधानमंत्री मोदी को रामलला की प्रतिमा भेंट करते मुख्यमंत्री। साथ में मौजूद राज्यपाल।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मंदिर आस्था के साथ मित्रता, कर्तव्य व सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को शक्ति देते हैं। हमारे 11 वर्षों में महिला, दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, श्रमिक, युवा हर वर्ग को विकास के केंद्र में रखा गया है। जब देश का हर व्यक्ति, वर्ग, क्षेत्र सशक्त होगा, तब संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगेगा। 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, तब सबके प्रयास से ही हमें विकसित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि रामपथ, भक्तिपथ व जन्मभूमि पथ से नई अयोध्या के दर्शन होते हैं। अयोध्या में भव्य एयरपोर्ट, शानदार रेलवे स्टेशन है। वंदे भारत-अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें अयोध्या को देश की अन्य जगहों से जोड़ रही है। अयोध्यावासियों को सुविधाएं मिले, उनके जीवन में समृद्धि आए, इसके लिए निरंतर काम चल रहा है। जबसे प्राण-प्रतिष्ठा हुई है, तबसे आज तक करीब 45 करोड़ श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आ चुके हैं। इससे अयोध्या व आसपास के लोगों की आय में वृद्धि हुई है। विकास के पैमाने में अयोध्या कभी बहुत पीछे थी, लेकिन आज यूपी के अग्रणी शहरों में एक है।

### श्रीराम के व्यवहार को करना होगा आत्मसात

पीएम ने कहा हमें राम व उनके व्यक्तित्व को सीखना होगा। उनके व्यवहार को आत्मसात करना होगा। राम यानी आदर्श, राम यानी मर्यादा, राम यानी जीवन का सर्वोच्च चरित्र, राम यानी सत्य-पराक्रम का संगम। राम यानी धर्मपथ पर चलने वाला व्यक्तित्व, राम यानी जनता के सुख को सर्वोपरि रखना, राम यानी धर्म और क्षमा का दरिया, राम यानी ज्ञान व विवेक की पराकाष्ठा, राम यानी कोमलता में दृढ़ता, राम यानी कृतज्ञता का उदाहरण, राम यानी श्रेष्ठ संगति का चयन, राम यानी विनम्रता में महाबल, राम यानी सत्य का अडिग संकल्प, राम यानी जागरूक, अनुशासित व निष्कपट मन। राम सिर्फ व्यक्ति नहीं, राम मूल्य हैं, मर्यादा हैं।

बटन दबाकर ध्वजारोहण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत। अमृत विचार

# आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस : मोहन भागवत

**अयोध्या कार्यालय**

**अमृत विचार :** श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज के आरोहण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है। कृतार्थता का दिवस है।

आज हमारे संकल्प की पुनरावृत्ति का दिवस है, जिसे हमारे पूर्वजों ने हमें दिया है। कहा कि जितने लोगों ने सपना देखा, प्रयास किए, प्राण अर्पित किए, आज उनकी स्वर्गस्थ आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक सिंघल जी को शांति मिली होगी। उन्होंने कहा कि मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष पंचमी पर मंगलवार को विवाह पंचमी के पावन अवसर पर अयोध्या धाम सहित संपूर्ण विश्व प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पूर्णत्व का साक्षी बना है। महंत रामचंद्र दास जी महाराज, डालमिया जी समेत कितने ही संत, गृहस्थ एवं विद्यार्थियों ने प्राणार्पण किया, पसीना बहाया।

उन्होंने कहा कि जो पीछे रहे, वे भी यही इच्छा व्यक्त करते थे कि मंदिर बनेगा जो अब बन गया है। आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण भी हो गया। निश्चित तौर पर यह एक ऐतिहासिक व पूर्णत्व का क्षण है।

**भारतवर्ष के लोगों से दुनिया सीखे जीवन जीने का तरीका:** आरएसएस सर संघचालक ने कहा, "एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः" अर्थात इस देश में जन्मे अग्रजन्मा ऐसा जीवन जिएं कि दुनिया उनसे प्रेरणा लें। "स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः" यानी पृथ्वी के समस्त मानव भारतवासियों के चरित्र से जीवन की विद्या सीखें। उन्होंने कहा कि परम वैभव सम्पन्न, सबके लिए खुशी और शांति बांटने वाला तथा विकास का सुफल देने वाला भारतवर्ष हमें खड़ा करना है। यही विश्व की अपेक्षा और हमारा कर्तव्य भी है।

उन्होंने कहा कि श्रीरामलला विराजमान हैं, उनसे प्रेरणा लेकर कार्य की गति हम आगे बढ़ाएं। कहा कि जैसा सपना उन्होंने देखा था, उससे भी अधिक भव्य और सुंदर मंदिर आज बन गया है। सभी सनातन धर्मावलंबियों और भारतवर्ष के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे हृदय में तप का सृजन करे यही कामना है।

ध्वजारोहण समारोह में अतिथियों को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख।

### ओंकार से होता है सत्य का प्रतिनिधित्व

डॉ. भागवत के अनुसार, हिंदू समाज ने लगातार 500 वर्षों और बाद के दीर्घ आंदोलन में अपने इस स्वत्व को सिद्ध किया। रामलला आ गए, मंदिर बन गया। यही बात सत्य पर आधारित धर्म को लेकर भी है। सत्य का प्रतिनिधित्व ओंकार से होता है। वही ओंकार संपूर्ण विश्व को देने वाला भारत हमें खड़ा करना है। इस प्रतीक को ध्यान में रखते हुए सभी विपरीत परिस्थितियों में हमें एकजुट होकर सतत कार्य करना होगा।

# राम मंदिर में नौ घंटे के बाद हुए रामलला के दर्शन

**अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार:** राम मंदिर में मंगलवार को नौ घंटे के बाद श्रद्धालुओं को राम मंदिर में रामलला का दर्शन प्रारंभ हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच भक्तों को मंदिर परिसर में प्रवेश दिया गया। लगभग सात घंटे तक चले दर्शन में एक लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। सुरक्षा के कारण आने वाले श्रद्धालुओं को परकोटा और अन्य सप्त ऋषि मंदिर में दर्शन प्राप्त नहीं हो सके। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक दिसंबर के अंतिम सप्ताह से संपूर्ण मंदिर परिसर का दर्शन प्राप्त हों सकेंगे। राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के बाद दोपहर तीन बजे से ट्रस्ट ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि आज राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम के निमित्त सुबह से ही श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन नहीं प्राप्त हो सके थे। इस दौरान परिसर में आए अतिथियों को भी सुगमता से राम मंदिर में दर्शन कराये गये।

### ध्वजारोहण सकुशल संपन्न प्रशासन ने ली राहत की सांस

**अयोध्या, अमृत विचार :** श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया। प्रशासन ने राहत की सांस ली। ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन से पुलिस तक के लोग महीने भर से तैयारी कर रहे थे। ध्वजारोहण कार्यक्रम में सबसे अहम् मुद्दा सुरक्षा व्यवस्था था। सतर्कता की जिम्मेदारी को लेकर अधिकारी हलकान रहे। फिलहाल ध्वजारोहण के साथ पीएम मोदी का कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया।

### एक्स पर ट्रेंड करता रहा हैशटैग अयोध्या और श्रीराम

**अयोध्या, अमृत विचार :** अयोध्या के राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह पर देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों की नजर रही। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या पहुंचते ही आभासी दुनिया में वह छा गए। सोशल मीडिया के सबसे बड़े प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर दिन भर हैशटैग अयोध्या व हैशटैग श्रीराम ट्रेंड करता रहा। यही नहीं अन्य प्लेटफार्म पर भी ध्वजारोहण की तस्वीरें छाई रहीं। वाट्सएप डीपी से लेकर फेसबुक पेज पर सिर्फ राम मंदिर की ही चर्चा रही।

| बाजार | सेंसेक्स ↓ | निफ्टी ↓ |
|---|---|---|
| बंद हुआ | 84,587.01 | 25,884.80 |
| गिरावट | 313.70 | 74.70 |
| प्रतिशत में | 0.37 | 0.42 |

सोना 1,28,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,60,800 प्रति किलो

अमृत विचार
मुरादाबाद, बुधवार, 26 नवंबर 2025
www.amritvichar.com



## बिजनेस ब्रीफ

### यात्रा ऑनलाइन ने ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन बनाया

**नई दिल्ली।** ऑनलाइन यात्रा सेवा कंपनी यात्रा ऑनलाइन लिमिटेड ने मंगलवार को अपने नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की। कंपनी ने सह-संस्थापक और सीईओ ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया है। यात्रा ऑनलाइन ने शेयर बाजारों को बताया कि कंपनी ने सिद्धार्थ गुप्ता को नया सीईओ बनाया है। श्रृंगी, जो शुरुआत से ही सीईओ हैं, इस नई भूमिका में यात्रा के दीर्घावधि के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएंगे, जिसमें वैश्विक विस्तार, नवोन्मेषण और शेयरधारकों के लिए मूल्यवर्धन शामिल है।

### नंद किशोर बने क्रिस्टल क्रॉप के मानद चेयरमैन

**नई दिल्ली।** कृषि रसायन बनाने वाली कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने अपने संस्थापक नंद किशोर अग्रवाल को मानद चेयरमैन बनाया। उनके पुत्र अंकुर को कार्यकारी चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। नेतृत्व में यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब कंपनी कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलते वैश्विक माहौल के बीच फसल सुरक्षा, बीज, जैव प्रौद्योगिकी और हरित खेती के समाधान क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। कंपनी ने कहा कि नंद किशोर अग्रवाल, जिन्होंने चार दशक पहले कंपनी शुरू की थी, रणनीतिक सलाह देंगे और शिक्षा, आजीविका और सतत विकास में परमार्थ कार्यों पर ध्यान देंगे।

### छोटे चाय उत्पादकों ने की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग

**कोलकाता।** कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनकी वृद्धि को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है। सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने पत्र में कहा कि छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) कुल चाय उत्पादन में 50% का योगदान देते हैं। एसटीजी को हरी चाय की पत्तियों की अस्थिर कीमतों, कर्ज तक सीमित पहुंच और सही वैज्ञानिक समर्थन के मामले में परेशानी झेलती हैं। इससे कई एसटीजी मालिक कर्ज में फंसे हैं। पत्र में कहा गया है कि एसटीजी द्वारा उगाई हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम स्थिर मूल्य तय होना चाहिए।

# भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान

## इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने उच्च व वैश्विक वृद्धि और अमेरिकी शुल्क के कम प्रभाव पर बढ़ाया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी दर 6.8 प्रतिशत से बढ़ने की जताई है उम्मीद जो गत वर्ष की वृद्धि से अधिक

रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। जून तिमाही में उच्च वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि के कम प्रभाव को देखते हुए यह अनुमान बढ़ाया गया है। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी सालाना आधार पर सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह उसके पिछले अनुमान 6.3 प्रतिशत (जुलाई, 2025 में जारी) से 0.7 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8% रही जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि का आधिकारिक आंकड़ा 28 नवंबर को जारी किया जाएगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि जुलाई, 2025 में उसके अंतिम अनुमान के बाद से घरेलू और वैश्विक दोनों परिदृश्यों में काफी बदलाव आया है। अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि के कारण अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य प्रमुख बाधाएं हैं। भारत पर अगस्त, 2025 से जो शुल्क लगाया गया है, वह सबसे अधिक में से एक है। रेटिंग एजेंसी के मुख्य अर्थशास्त्री और सार्वजनिक वित्त मामलों के प्रमुख देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि जुलाई के अनुमान के बाद से आर्थिक परिस्थितियां काफी अनुकूल हुई हैं। इनमें उम्मीद से अधिक तेजी से मुद्रास्फीति में गिरावट, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक मजदूरी दर में वृद्धि और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना शामिल हैं। आर्थिक वृद्धि अनुमान में तीव्र वृद्धि के दो प्रमुख कारण हैं। जून तिमाही में अपेक्षा से अधिक तीव्र जीडीपी वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि का प्रभाव पहले के अनुमान से कम होना है।

इंडिया रेटिंग्स ने जुलाई में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि दर 6.3% रहने का अनुमान लगाया था और इसके लिए शुल्क युद्ध और किसी भी पूंजी निकासी के प्रमुख जोखिम को जिम्मेदार ठहराया था। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की वृद्धि दर के लिए जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। एजेंसी ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में तेजी और सर्दियों के महीनों में अनुकूल मौसम की स्थिति जीडीपी वृद्धि को सात प्रतिशत से ऊपर ले जाने की क्षमता रखती है। हालांकि, अगर मांग में सुधार (उपभोग और निवेश) अपेक्षा से कमजोर रहा, तो इससे जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट आ सकती है।

### 4,000 अरब डॉलर को पार कर जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था : नागेश्वरन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि भूराजनीति में 'बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव' के साथ, वैश्विक व्यवस्था में भारत की जगह बनाए रखने के लिए आर्थिक वृद्धि बहुत जरूरी है। भारत अभी करीब 3,900 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। नागेश्वरन ने मंगलवार को आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च, 2025 के अंत में 3,900 अरब डॉलर थी और चालू वित्त वर्ष में यह पहले ही 4,000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है।

# जन विश्वास विधेयक के पर कर रहे काम : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने का प्रयास जारी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिये छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है।

केंद्रीय उद्योग मंत्री घरेलू व्यापारियों के सम्मेलन में कहा कि जन विश्वास विधेयक-3 की तैयारी चल रही है। जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक-2025, जो जीवन और व्यापार को आसान बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त करने की कोशिश करता है, अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और एक प्रवर समिति को भेजा गया था। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट जमा करने का काम सौंपा गया है। इस कानून का पहला संस्करण 2023 में लागू किया गया था। इसमें 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन के जरिये छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त किया गया था।

### एक देश, एक लाइसेंस के मुद्दे पर मांगी रूपरेखा

गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करे और मंत्रालय को उसकी जानकारी दे। व्यापारियों द्वारा उठाए गए 'एक देश, एक लाइसेंस' के मुद्दे पर, मंत्री ने उनसे इसके लिए एक रूपरेखा जमा करने को कहा। उन्होंने कहा कि वह इसे महाराष्ट्र जैसे राज्यों के साथ साझा करेंगे, क्योंकि यह राज्य का विषय है।

# आयकर, जीएसटी कटौती से अतिरिक्त राजकोषीय समर्थन की गुंजाइश सीमित

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा- कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर किया

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में आयकर और जीएसटी में की गई कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर कर दिया है, जिससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त वित्तीय समर्थन देने की गुंजाइश सीमित हो गई है। मूडीज रेटिंग्स के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी (सरकारी जोखिम) मार्टिन पेट्च ने कहा कि राजस्व वृद्धि अपेक्षा से काफी कमजोर रही है। पिछले महीनों में जो कर कटौती हुई है, उसका भी राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है। इसी वजह से वित्तीय सशक्तीकरण पर दबाव बढ़ा है और अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की गुंजाइश घट गई है।

महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के मुताबिक, सितंबर, 2025 के अंत तक शुद्ध कर राजस्व घटकर 12.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.65 लाख करोड़ रुपये था। यह सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान का सिर्फ 43.3 प्रतिशत है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ था। सरकार ने इस वर्ष बजट में नए कर ढांचे के तहत आयकर छूट सीमा सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया था। इससे मध्यम वर्ग को लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें भी घटा दी गईं, जिससे उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती हुईं और मांग बढ़ाने का प्रयास किया गया। पेट्च ने कहा कि मुद्रास्फीति घटने और मौद्रिक नीति में नरमी से घरेलू उपभोग के और मजबूत होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून में नीतिगत ब्याज दरों में 0.50% की कटौती कर उन्हें 5.5% के तीन वर्ष के निचले स्तर पर ला दिया था। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति गिरकर 0.25% के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि घरेलू खपत और अवसंरचना निवेश भारत की आर्थिक वृद्धि के मुख्य कारक बने हुए हैं और यह अमेरिका द्वारा लगाए 50 प्रतिशत आयात शुल्क के असर को काफी हद तक संतुलित करेंगे।

# सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

- विदेशी पूंजी की निकासी से सेंसेक्स 314 अंक टूटा
- आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से आई गिरावट

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 75 अंक की गिरावट आई।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 363.98 अंक तक नीचे आ गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 नुकसान में जबकि छह लाभ में रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 74.70 अंक की गिरावट के साथ 25,884.80 अंक पर आ गया। शुक्रवार से अब तक तीन सत्रों में निफ्टी 307 अंक से अधिक की गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे आ गया है। जबकि सेंसेक्स 1,045 अंक लुढ़का है। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, इटर्नल, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,171.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 4,512.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बीएसई स्मॉलकैप 0.20% लाभ में जबकि मिडकैप 0.19% बढ़त में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी 0.75, बीएसई केंद्रित आईटी (0.64), टिकाऊ उपभोक्ता सामान (0.53), टेक (0.39), ऊर्जा (0.32), वाहन (0.25) और जन केंद्रित सेवाओं से जुड़ी इकाइयों में 0.25% की गिरावट रही। रियल्टी, जिंस, स्वास्थ्य, दूरसंचार, पूंजीगत वस्तुएं और धातु में बढ़त दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार अच्छी बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत टूटकर 62.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक अनुबंधों की समाप्ति के दिन घरेलू बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा।

### निवेशकों के 33,000 करोड़ रुपये डूबे

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों को बाजार में आई गिरावट से 33,000 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। उनकी कुल पूंजी घटकर 469.35 लाख करोड़ रुपये रह गई जो पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 469.68 लाख करोड़ रुपये रही।

## राष्ट्रीय

# धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट

## सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह कैसा संदेश, यह तो सैन्य अधिकारी की घोर अनुशासनहीनता

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व ईसाई अधिकारी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें सशस्त्र बलों से उसकी बर्खास्तगी को चुनौती दी गई थी। अधिकारी ने अपनी तैनाती वाले स्थल पर मंदिर के गर्भगृह में रेजिमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया था, जिसके बाद उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें सेना की कार्रवाई को बरकरार रखा गया था। अदालत ने कहा कि सैमुअल कमलेसन का आचरण सैन्य अनुशासन के अनुरूप नहीं था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह किस तरह का संदेश दे रहे हैं? उन्हें तो बस इसी लिए बाहर कर देना चाहिए था। यह किसी सैन्य अधिकारी द्वारा की गई घोर अनुशासनहीनता है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व करने वाले को उदाहरण पेश करना चाहिए। आप अपने सैनिकों का अपमान कर रहे हैं। जब एक पादरी ने आपको सलाह दी, तो आपने उसे वहीं छोड़ दिया। आप इसको लेकर अपनी निजी समझ नहीं रख सकते कि आपका धर्म क्या अनुमति देता है। वह भी वर्दी पहले हुए। कमलेसन के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनके मुवक्किल को उनकी तैनाती स्थल पर स्थित मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश से इन्कार करने के एकमात्र कृत्य के लिए सेवा से बर्खास्त किया गया था। उन्होंने यह कहते हुए गर्भगृह में प्रवेश करने से इन्कार कर दिया था कि यह उनके ईसाई धर्म का उल्लंघन है। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि क्या एक अनुशासित बल में इस तरह का आचरण जायज है? उन्होंने कहा कि एक सैन्य नेतृत्वकर्ता अपने सैनिकों के साथ उस जगह जाने से कैसे इनकार कर सकता है जिसे वे पवित्र मानते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि सिख सैनिकों की मौजूदगी को देखते हुए रेजिमेंट में एक गुरुद्वारा भी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप भले ही 100 चीजों में उत्कृष्ट हों, लेकिन भारतीय सेना अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है... आप अपने ही सैनिकों की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहे हैं। जब अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि नोटिस जारी नहीं करना समाज के लिए एक गलत संदेश होगा, तो पीठ ने कहा कि इससे एक कड़ा संदेश जाएगा।

सिख कर्मियों वाली स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' थे कमलेसन : वर्ष 2017 में तीसरी कैवलरी रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले कमलेसन को सिख कर्मियों वाली बी स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' के रूप में तैनात किया गया था। रेजिमेंट में एक मंदिर और एक गुरुद्वारा था, लेकिन कोई "सर्व धर्म स्थल" या चर्च नहीं था। कमलेसन ने दावा किया था कि वह साप्ताहिक धार्मिक परेड के लिए दोनों स्थानों पर सैनिकों के साथ गए, लेकिन धार्मिक अन्तरात्मा का हवाला देते हुए "आरती, हवन या पूजा" के दौरान गर्भगृह में प्रवेश करने से परहेज किया। सेना ने कहा था कि अधिकारी ने अनिवार्य रेजिमेंटल परेड में शामिल होने से बार-बार इनकार किया और वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे अनुशासन के महत्व पर सलाह देने के कई प्रयास किए।

### नफरती भाषण वाली हर घटना की नहीं हो सकती निगरानी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश भर में घृणा भाषण की हर घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी रखने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि इसके लिए कानूनी उपाय, पुलिस थाने और उच्च न्यायालय मौजूद हैं। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की, जो एक खास समुदाय के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार के कथित आह्वान का मुद्दा उठाने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हम इस याचिका के मद्देनजर कानून नहीं बना रहे हैं। निश्चिंत रहें, हम इस देश के किसी भी इलाके में होने वाली हर छोटी घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। उच्च न्यायालय हैं, पुलिस थाने हैं, कानूनी उपाय हैं। वे पहले से ही मौजूद हैं। शीर्ष अदालत ने शुरू में आवेदक से कहा था कि वह अपनी शिकायत के साथ संबंधित उच्च न्यायालय जाए। पीठ ने आवेदक की ओर से मामले में पेश हुए वकील से कहा कि यह अदालत पूरे देश में ऐसे सभी मामलों पर कैसे नजर रख सकती है? आप अधिकारियों से संपर्क करें। उन्हें कार्रवाई करने दें, नहीं तो उच्च न्यायालय जाएं। वकील ने कहा कि उन्होंने एक लंबित रिट याचिका में एक आवेदन दाखिल किया है जिसमें घृणा भाषण का मुद्दा उठाया गया है।

### एसआईआर के खिलाफ नई याचिका पर जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने एमडीएमके संस्थापक और पूर्व राज्यसभा सदस्य वाइको की उस अर्जी पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा, जिसमें तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अर्जी को 2 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। वाइको ने राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कहा है कि यह अधिसूचना समानता के अधिकार समेत कई मौलिक अधिकारों और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करती है। माकपा और टीवीके जैसे राजनीतिक दलों तथा अभिनेता विजय ने भी तमिलनाडु में एसआईआर को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने 11 नवंबर को द्रमुक, माकपा, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की अर्जी पर निर्वाचन आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे, जिनमें तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती दी गई थी।

# बंगाल : बीएलओ ने रातभर धरना दिया

कोलकाता, एजेंसी

- प्रदर्शनकारी बोले- जब तक सीईओ व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं करते, तब तक जारी रहेगा धरना

बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) के एक वर्ग ने पूरी रात पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के अंदर बिताई और तब तक वहां से जाने से इन्कार कर दिया, जब तक कि सीईओ मनोज अग्रवाल उनसे मुलाकात नहीं करते और उनकी मांगों को स्वीकार नहीं कर लेते।

वे राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 'अत्यधिक कार्य भार' को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। उनमें से कई लोग सोमवार शाम से ही वहां प्रदर्शन कर रहे हैं तथा उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से शहर के मध्य भाग में बीबीडी बाग तक मार्च के बाद शुरू हुआ गतिरोध जारी है, जहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है।

नवगठित बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों द्वारा रात भर धरना सोमवार दोपहर को शुरू हुआ और मंगलवार सुबह तक चला। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक अग्रवाल व्यक्तिगत रूप से उनसे मुलाकात नहीं करते, तब तक वे नहीं हटेंगे। लंबे गतिरोध के बाद पुलिस ने 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को अपना ज्ञापन सौंपने के लिए कार्यालय में प्रवेश की अनुमति दे दी, जिससे कुछ देर के लिए तनाव कम हुआ। लेकिन इसके तुरंत बाद फिर से अशांति फैल गई।

शाम करीब साढ़े चार बजे ज्ञापन सौंपे जाने से ठीक पहले कई समिति सदस्य सीईओ के कक्ष के बाहर बैठ गए और मांग करने लगे कि अग्रवाल खुद ज्ञापन स्वीकार करें। इसके बाद नारेबाजी शुरू हो गई और इमारत की तीसरी मंजिल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। जैसे ही पुलिस कर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को केबिन क्षेत्र से बाहर निकाला, उपायुक्त (मध्य) इंदिरा मुखोपाध्याय मौके पर पहुंचीं।

जल्द ही प्रदर्शनकारी कार्यालय के अंदर फिर से इकट्ठा हो गए और अपना धरना शुरू कर दिया। रात तक सात सदस्य परिसर के अंदर ही रहे, जिनमें संयोजक मोइदुल इस्लाम भी शामिल थे, जो एक स्कूल शिक्षक हैं, लेकिन बीएलओ नहीं हैं।

सोमवार को अग्रवाल ने पत्रकारों से कहा कि हर प्रतिनिधिमंडल से मिलना उनके लिए ''संभव नहीं'' है और इस उद्देश्य के लिए दो उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी उपलब्ध हैं। समिति ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अग्रवाल रात करीब 11.40 बजे पुलिस सुरक्षा में दफ्तर से बाहर निकले और टकराव पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेकिन प्रदर्शनकारी अड़े रहे।

### भाजपा कार्यकर्ता और बीएलओ आमने-सामने

**कोलकाता।** कोलकाता में सोमवार रात उस समय नाटकीय घटनाक्रम हुआ जब भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह का पश्चिम बंगाल के सीईओ कार्यालय के सामने बीएलओ के फोरम के प्रदर्शनकारी सदस्यों से आमना-सामना हो गया। इस दौरान पुलिस ने बीच-बचाव किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के कई सदस्य सोमवार को दोपहर से ही सीईओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे थे। मामला तब बिगड़ गया जब कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पार्षद सजल घोष के नेतृत्व में 50 भाजपा कार्यकर्ता रात 11 बजे मौके पर पहुंचे और सीईओ कार्यालय में बंद चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराकर एसआईआर प्रक्रिया को रोकने के टीएमसी के कथित प्रयास के खिलाफ नारे लगाने लगे।

## दिल्ली पुलिस ने नारे लगाने के लिए प्राथमिकी में जोड़ी धारा

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने रविवार को इंडिया गेट पर प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान माओवादी समर्थक नारे लगाने और पुलिसकर्मियों पर मिर्ची स्प्रे करने वालों पर दर्ज एक प्राथमिकी में 'राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध अपमानजनक आरोप और दावे' से संबंधित धाराएं लगाई हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि मिर्ची स्प्रे छिड़कने के लिए गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों के समूह ने मारे गए माओवादी नेता माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगाए थे। पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं- एक कर्तव्य पथ थाने में छह प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और दूसरी संसद मार्ग थाने में 17 लोगों के खिलाफ।

# शिक्षिका ने पांच साल के छात्र को पेड़ से लटकाया, स्कूल को नोटिस

सूरजपुर, एजेंसी

- अधिकारियों ने स्कूल से शिक्षिका को निकाला, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल
- वीडियो में पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के एक निजी स्कूल में पांच वर्षीय छात्र को उसकी शिक्षिका ने दंडित करने के लिए कथित तौर पर पेड़ से लटका दिया। इस घटना को लेकर अधिकारियों ने स्कूल प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटना के बाद शिक्षिका को स्कूल से निकाल दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया गया है। मौके पर दो महिलाएं मौजूद हैं, जो इसे रिकॉर्ड कर रहे व्यक्ति को डांट रही हैं। सोमवार को स्कूल के केजी-टू के छात्र के इस वीडियो के सामने आने के बाद सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अजय मिश्रा ने बताया कि रामानुज नगर ब्लॉक के नारायणपुर गांव में स्थित स्कूल में शिक्षा विभाग के दल को तत्काल जांच के लिए भेजा गया है।

मिश्रा ने बताया कि सोमवार शाम को मिली शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा दो दिन में जवाब मांगा गया है। स्कूल का जवाब मिलने के बाद नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल के संचालक सुभाष शिवहरे ने शिक्षिका की इस हरकत को सही ठहराने की कोशिश करते हुए बताया कि शिक्षिका ने बच्चे को अनुशासित करने के लिए ऐसा किया था। जब यह घटना हुई तब मैं वहां नहीं था। डीईओ कार्यालय से जानकारी मिलने के बाद मैं आज यहां आया हूं। शिक्षिका ने बच्चे को डराने और पढ़ाई करने के लिए उसकी टी-शर्ट का इस्तेमाल करके उसे पेड़ से लटकाने की कोशिश की। शिवहरे ने कहा कि बच्चा कक्षा में शैतानी कर रहा था और दूसरे बच्चों को मार रहा था।

## देश की रक्षा को हम तैयार...

सेना की त्रिशक्ति कोर के सैनिक सिक्किम में 14,000 फीट की ऊंचाई पर आर्मी मार्शल आर्ट्स के रूटीन प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निकट-युद्ध की तैयारी मज़बूत हो रही है।

## ज्वालामुखी : पृथ्वी की शक्ति का प्रदर्शन

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि जान-माल की हानि और वायुमंडलीय परिवर्तन, लेकिन यह भूमि के निर्माण, खनिज संसाधनों के स्रोत और मिट्टी की उर्वरता में भी योगदान कर सकता है। इस लेख में, हम ज्वालामुखी के बारे में विस्तार से जानेंगे, जिसमें इसके निर्माण, प्रकार, विशेषताएं और प्रभाव शामिल हैं।

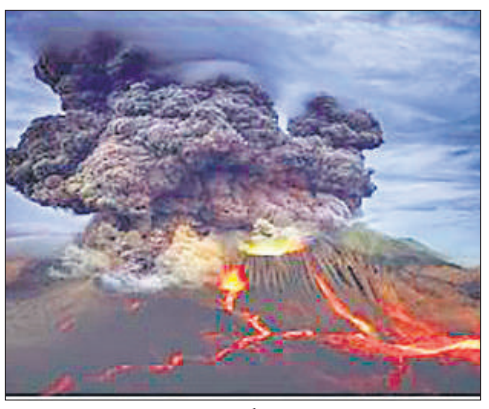

### ज्वालामुखी आखिर हैं क्या

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, लेकिन यह भूमि के निर्माण में भी योगदान करता है।

### ज्वालामुखी की विशेषताएं

- **लावा :** ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा पिघली हुई चट्टान होती है जो सतह पर जमकर ठोस हो जाती है।
- **ज्वालामुखी गैसें :** ज्वालामुखी से निकलने वाली गैसें जैसे कि सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में मिलती हैं।
- **पिरोक्लास्टिक्स :** ज्वालामुखी से निकलने वाले पिरोक्लास्टिक्स जैसे कि राख और लावा के टुकड़े वायुमंडल में मिलते हैं।

### फायदे भी कई हैं

- **भूमि का निर्माण :** ज्वालामुखी के विस्फोट से नई भूमि का निर्माण हो सकता है, जिससे द्वीपों और पहाड़ों का निर्माण होता है।
- **खनिज संसाधनों का स्रोत :** ज्वालामुखी के विस्फोट से खनिज संसाधनों का स्रोत बनता है, जैसे कि तांबा, जस्ता, और सोना।
- **मिट्टी की उर्वरता :** ज्वालामुखी के विस्फोट से मिट्टी की उर्वरता बढ़ सकती है, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।

### निर्माण कैसे होता है

ज्वालामुखी तब बनते हैं जब पृथ्वी की पपड़ी के नीचे मैग्मा जमा होता है और दबाव बढ़ने पर यह सतह पर निकलता है। यह दबाव प्लेट टेक्टोनिक्स, मेंटल प्लम और हॉटस्पॉट के कारण हो सकता है। ज्वालामुखी कई प्रकार के होते हैं। शील्ड ज्वालामुखी : ये शील्ड जैसे दिखते हैं। स्ट्रैटोवोल्केनो : ये स्ट्रैटो जैसे दिखते हैं। कैल्डेरा : ये कैल्डेरा जैसे दिखते हैं।

### प्रमुख सक्रिय ज्वालामुखी

- **जापान :** माउंट असो, सकुराजिमा, माउंट फूजी, और याकुशिमा
- **अमेरिका :** अलास्का, हवाई, और कैस्केड्स में कई एक्टिव
- **रूस :** कामचटका पेनिनसुला और कुरील में कई एक्टिव ज्वालामुखी
- **चिली :** विलारिका, लस्कर, और ओहोस देल सालाडो ज्वालामुखी
- **पापुआ न्यू गिनी :** मनाम, करकर, और लांगिला ज्वालामुखी
- **इक्वाडोर :** कोटोपैक्सी, सांगे, तुंगुरहुआ, और रेवेन्टाडोर ज्वालामुखी
- **आइसलैंड :** हेक्ला, कटला, ग्रिम्सवोटन।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### कोर्ट ने बोल्सोनारो की कैद बरकरार रखा

**ब्रासीलिया।** ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो द्वारा नजरबंदी के दौरान अपने 'एंकल मॉनिटर' को तोड़ने की कोशिश करने की बात स्वीकार करने के बाद उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उनकी कैद को बरकरार रखा। 'एंकल मॉनिटर' टखने पर लगाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते हैं जिनका उपयोग अदालतों द्वारा निगरानी के लिए किया जाता है, ताकि किसी व्यक्ति के स्थान और गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके। इन्हें कारावास के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

### हिज्बुल्ला कमांडर के संस्कार में जुटे हजारों

**बेरूत।** लेबनान में सोमवार को हजारों लोग चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला के शीर्ष सैन्य कमांडर के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जो एक दिन पहले बेरूत में इजराइली हवाई हमले में मारा गया था। हिज्बुल्ला के शीर्ष कमांडर हयथम तबतबाई की अंतिम यात्रा में उसके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। तबतबाई और हिज्बुल्ला के दो अन्य सदस्यों को बेरूत के दक्षिण में उस कब्रिस्तान में दफनाया गया जहां संगठन के लड़ाकों को दफनाया जाता है।

### काफिले पर हमला, 5 अधिकारियों की मौत

**अदन।** बंदूकधारियों ने सोमवार को ताइज प्रांत के गवर्नर के काफिले पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सुरक्षा अधिकारी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। प्रांत के प्रवक्ता मोहम्मद अब्देल-रहमान ने बताया कि ताइज को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली सड़क पर नबील शमसान को निशाना बना हमला किया गया। गोलीबारी में दो हमलावर मारे गए।

### अपमानजनक पोस्ट का आरोपी पकड़ा

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाने और एक महिला समाचार एंकर के खिलाफ अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में मुंबई से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया आरोपी की पहचान जम्मू निवासी चेत कमल प्रकाश के रूप में हुई है।

# भारत में जहाज निर्माण, नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता

## रक्षा विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

- **भारत को अलग बनाता है एकीकृत जहाज निर्माण तंत्र**

**नई दिल्ली, एजेंसी**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक रक्षा कंपनियों से भारत के जीवंत जहाज निर्माण उद्योग में अवसरों का लाभ उठाने और अगली पीढ़ी की समुद्री क्षमताओं का सह-विकास करने का मंगलवार को आह्वान किया। एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारत में जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और समुद्री नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता है क्योंकि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग पहले ही विमानवाहक पोत, अनुसंधान पोत और वाणिज्यिक जहाज बना चुका है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत को जो चीज़ वास्तव में अलग बनाती है, वह है इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र। उन्होंने कहा कि भारत को वास्तव में अलग बनाने वाला इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र है। सिंह ने कहा कि अवधारणा डिज़ाइन और मॉड्यूलर निर्माण से लेकर रख रखाव, मरम्मत तक, जहाज निर्माण प्रक्रिया का हर चरण स्वदेशी रूप से विकसित और क्रियान्वित किया जाता है। सिंह रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में मुख्य भाषण दे रहे थे, जिसमें भारतीय जहाज निर्माण उद्योग की क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया।

रक्षामंत्री ने उद्योग के हितधारकों, विदेशी साझेदारों, प्रतिनिधियों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) द्वारा समर्थित हमारे सार्वजनिक और निजी शिपयार्ड ने एक मजबूत मूल्य श्रृंखला बनाई है, जो इस्पात, प्रणोदन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर और उन्नत लड़ाकू प्रणालियों तक फैली हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग, जिसमें उत्साही सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और गतिशील निजी क्षेत्र के साझेदार शामिल हैं, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल जहाज, बल्कि विश्वास, न केवल साजो सामान, बल्कि साझेदारियां बनाकर समुद्री सदी को आकार देने में मदद के लिए तैयार है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत का जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र अनेक विश्वस्तरीय प्लेटफॉर्म की ताकत पर टिका है जो तकनीकी परिपक्वता और औद्योगिक गहराई को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियां और स्टील्थ फ्रिगेट और विध्वंसक जहाज जैसी प्रमुख परियोजनाएं न केवल देश की नौसैनिक ताकत को रेखांकित करती हैं, बल्कि डिजाइन क्षमता और स्वचालन को भी बढ़ाती हैं। सिंह ने कहा कि हम विमानवाहक पोतों से लेकर उन्नत अनुसंधान पोतों और ऊर्जा-कुशल वाणिज्यिक जहाजों तक की आपूर्ति करने में सक्षम हैं।

नई दिल्ली में समुद्री नवाचार पर संगोष्ठी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सम्मानित किया गया। इस मौके पर जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

### सोशल मंच पर साझा रक्षामंत्री का पत्र फर्जी

**नई दिल्ली।** सूचना प्रसारण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह को लिखा गया कथित पत्र फर्जी है और लोगों को इस तरह की अपुष्ट सामग्रियों को साझा करने से बचना चाहिए। फैक्ट चेक हैंडल से जारी एक पोस्ट में कहा है कि सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया जा रहा है जो कथित तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा है।

## यूक्रेन पर रूसी हमले में 6की मौत

**कीव, एजेंसी**

रूस द्वारा मंगलवार को यूक्रेन में इमारतों और ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। वहीं यूक्रेन द्वारा दक्षिणी रूस में किए गए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और कई घरों को नुकसान पहुंचा। राजधानी कीव के कुछ हिस्सों में पानी और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। 'टेलीग्राम' पर पोस्ट एक वीडियो फुटेज में कीव के पूर्वी जिले दिनप्रोव्स्की में नौ मंजिला एक आवासीय इमारत में भीषण आग दिख रही है।

मेयर विटाली कित्श्को ने बताया कि दिनप्रोव्स्की में दो लोग मारे गए व पांच घायल हुए जबकि मध्य पेचेर्स्क जिले में एक अन्य आवासीय इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। कीव के पश्चिमी जिले में एक इमारत पर हुए हमले में चार लोग मारे गए और तीन अन्य लोग घायल हो गए। ओडेसा क्षेत्र में ऊर्जा व बंदरगाह अवसंरचना पर रूसी हमले में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए।

रूस के दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र में देर रात यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए।

## बांग्लादेश को एक लाख टन चावल भेजेगा पाकिस्तान

**कराची।** बांग्लादेश को पाकिस्तान एक लाख टन चावल निर्यात करेगा। यह पिछले वर्ष अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के बीच बेहतर हुए व्यापार संबंधों को दर्शाता है। टीसीपी के एक अधिकारी ने बताया कि इसके लिए पिछले सप्ताह 'ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान' (टीसीपी) द्वारा निविदा जारी की गई थी। यह पाकिस्तान से बांग्लादेश को भेजी जाने वाली चावल की अब तक की सबसे बड़ी खेप है। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों द्वारा चावल आयात के साथ सरकारी स्तर पर व्यापार शुरू करने के बाद 50,000 टन चावल की पहली खेप निर्यात की गयी। एक प्रमुख चावल निर्यातक ने कहा कि अगर बांग्लादेश के साथ व्यापार बढ़ता है तो यह कारोबार के लिए अच्छा होगा।

## पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किया हवाई हमला

**काबुल, एजेंसी**

- **पूर्वी प्रांत में देर रात हुए हमले में नौ बच्चों सहित 10 मारे गए**

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने मंगलवार को पाकिस्तान पर तीन पूर्वी प्रांतों में देर रात हवाई हमले करने का आरोप लगाया, जिसमें नौ बच्चों सहित 10 नागरिक मारे गए। यह हमले दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव का संकेत है। अफगान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान ने खोस्त प्रांत में एक नागरिक के घर पर बमबारी की, जिसमें नौ बच्चों और एक महिला की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि कुनार और पक्तिका प्रांतों में भी हमले किए गए, जिनमें चार अन्य लोग घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना और सरकार ने इस आरोप पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर में एक दिन पहले हुए एक घातक हमले के बाद यह नया घटनाक्रम सामने आया है। पेशावर में दो आत्मघाती हमलावरों और एक बंदूकधारी हमलावर ने पुलिस बल के मुख्यालय पर हमला किया था। सोमवार सुबह हुए इस हमले में तीन अधिकारी मारे गए और 11 अन्य लोग घायल हो गए।

पेशावर हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन शक पाकिस्तानी तालिबान या तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, एक अलग समूह है लेकिन अफगान तालिबान के साथ इसका घनिष्ठ संबंध है और इसके कई नेता अफगानिस्तान में छिपे हुए हैं।

## बीबीसी चेयरमैन से हुई पूछताछ

**लंदन।** बीबीसी के चेयरमैन ने सोमवार को स्वीकार किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के भ्रामक संपादन पर प्रतिक्रिया देने में कंपनी ने बहुत धीमा रुख अपनाया लेकिन उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि प्रसारक की निष्पक्षता को उसके अपने ही बोर्ड के भीतर से कमजोर किया जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में बीबीसी के महानिदेशक व समाचार प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया था और ट्रंप ने अरबों डॉलर का मुकदमा करने की धमकी दी थी, जिसके बाद सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित कंपनी के चेयरमैन से सांसदों ने पूछताछ की थी।

## पाकिस्तान से भागकर कच्छ पहुंचा प्रेमी युगल

**कच्छ, एजेंसी**

- **सीमा सुरक्षा बल ने हिरासत में लिया, जांच शुरू**

पाकिस्तान के एक नागरिक और उसकी प्रेमिका अपने घर से कथित तौर पर भागने के बाद गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा तक पहुंच गए जहां सुरक्षा बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रेमी-प्रेमिका का यह यह पैदल ही यहां तक पहुंच गए थे।

पुलिस के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करने के बाद यहां पहुंचे पोपट (24) और गौरी (20) को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने हिरासत में ले लिया। बालासर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पोपट और गौरी अंतर्राष्ट्रीय सीमा से आठ किलोमीटर दूर पाकिस्तान स्थित गांव से रविवार रात भाग गए थे। दोनों ने पैदल ही यह दूरी तय की थी। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने खंभा संख्या 1016 के समीप गश्त के दौरान दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान युगल ने बताया कि उनके परिवार उनकी शादी के खिलाफ थे जिस वजह से वे घर से भाग आए। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियां जांच करेंगी।

## यहूदियों को भारत से लाने की इजराइल की मंजूरी

**यरुशलम।** इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से शेष सभी 5,800 यहूदियों को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन यहूदियों को आमतौर पर बेनी मेनाशे कहा जाता है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के अलियाह (आव्रजन) को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को रविवार को मंजूरी दे दी। इस निर्णय से 2030 तक समुदाय के लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 को 2026 में लाने की मंजूरी मिल गई है।

## अरुणाचल हमेशा भारत में ही रहेगा

**ईटानगर, एजेंसी**

- **मुख्यमंत्री ने महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर रोकने की निंदा की**

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन के आव्रजन अधिकारियों द्वारा राज्य की एक महिला के साथ किए गए अस्वीकार्य और डराने वाले व्यवहार की मंगलवार को निंदा की। महिला को शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर लगभग 18 घंटे तक रोक कर रखा गया क्योंकि अधिकारियों ने उसका भारतीय पासपोर्ट को मान्यता देने से इनकार कर दिया था।

खांडू ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक के साथ हुई इस घटना से वह 'गहरा सदमा' महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चीन के अधिकारियों का व्यवहार 'अपमान और नस्लीय उपहास' के समान है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। कोई भी आरोप निराधार और आपत्तिजनक है।

### चीन ने उत्पीड़न से किया इनकार

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को इन आरोपों को गलत बताया कि अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर परेशान किया गया। चीन ने कहा कि चीनी आव्रजन अधिकारियों ने जो कार्रवाई की, वह कानून और नियमों के मुताबिक थी। थोंगडोक के साथ हुई इस घटना पर जवाब मांगने पर, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दावा किया कि उक्त महिला के साथ किसी भी तरह के अनिवार्य कदम, हिरासत या उत्पीड़न नहीं हुआ। माओ ने कहा कि एयरलाइन ने उनके लिए विश्राम और खाने-पीने की व्यवस्था भी की थी।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 27 नवंबर 00.01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

### आज का पंचांग

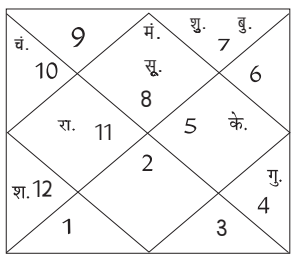


**दिशाशूल**- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
**चन्द्रबल**-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
**ताराबल**- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
**नक्षत्र**- श्रवण 27 नवंबर 01.32 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

**मेष** — आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। अपने सौंदर्य और रहन-सहन पर अत्यधिक ध्यान देंगे। छात्र गुरुजनों के प्रति निष्ठा भाव रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी राय से लोग सहमत नहीं होंगे। निर्माण कार्यों में प्रगति होने के योग बन रहे हैं।

**वृष** — आज संपत्ति विवाद सुलझाए जा सकते हैं। अपने सिद्धांतों से किसी भी तरह समझौता न करें। दूसरो के व्यक्तिगत मामलों से दूरी बनाकर रखें। अपने भावों की अभिव्यक्ति प्रेमीजन से कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को विजय मिल सकती है।

**मिथुन** — आज किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा। आवश्यक कार्यों में विलंब हो सकता है। यदि आपका स्वतंत्र व्यवसाय है, तो अपने ऑडिट पर नजर बनाए रखें। बदलते मौसम को लेकर सेहत का ध्यान विशेष रूप से रखें।

**कर्क** — आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन काफी अच्छा रहने वाला है। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। कुछ नए एवं रोचक अनुभव आपको प्राप्त होने वाले हैं। उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। आप अपने शौक पर अत्यधिक धन खर्च करेंगे।

**सिंह** — आज आत्मविश्वास एवं आशाओं से भरपूर रहेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। मन में विचारों का प्रवाह बढ़ेगा। दूर की यात्रा करने से आपको बचना चाहिए। कुछ मित्र प्रवृत्ति के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

**कन्या** — आज कम मेहनत से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यशैली को नया रूप देने का प्रयास करेंगे। दोस्तों के साथ बात करके अच्छा महसूस करेंगे। प्रेमी जन के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे। युवा अपने करियर को लेकर चिंतित रहेंगे।

**तुला** — आज घर में किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सामाजिक कार्यों में आप सहभागिता दिखाएंगे। धन संबंधित कार्यों को लेकर आप निर्णय बदल सकते हैं। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण नुकसान हो सकता है।

**वृश्चिक** — आज आईटी से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। परिवार में आपको प्रशंसा मिलेगी। आपके सुझावों से लोगों को अत्यंत लाभ मिलेगा। व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। बच्चों को अच्छी सीख दें।

**धनु** — आज घरेलू चिंताओं का असर कार्य पर पड़ सकता है। मन की उथल-पुथल को शांत करने का प्रयास करें। विपरीत परिस्थितियों से घबराने के बजाय उनका समाधान खोजें। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी के कारण आपके काम अटक सकते हैं।

**मकर** — आज परिवार और कारोबार में संतुलन बनाकर रखें। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। व्यवसाय में साझेदारों से आपको अत्यधिक लाभ मिलेगा। दूसरों के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा।

**कुंभ** — आज मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोग बहुत मेहनत करेंगे। कारोबार में विस्तार के लिए उधार लेना चाह रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। आपको लोगों के साथ संवाद अच्छा रखना चाहिए। विवाह जैसे आयोजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं।

**मीन** — आज रोजगार में परिवर्तन करने के लिए समय अच्छा नहीं है। युवा वर्ग को किसी नौकरी आदि के इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लव लाइफ काफी अच्छी रहेगी। अधिकारियों का रुख आपके प्रति सकारात्मक रहेगा।

## सुडोकू-172

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | | | | | | |
| | | | | | | 6 | | |
| | | | 7 | | | | | |
| | 6 | | | | | | | |
| | | | | | | | | 3 |
| | | | | 3 | | | | |
| | | 9 | | | | | | 5 |
| | | | | | 4 | | | |
| | | | | | | | | 1 |

### सुडोकू - 171 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 8 | 4 | 9 | 1 | 2 | 7 | 6 | 3 |
| 3 | 7 | 1 | 6 | 8 | 4 | 9 | 2 | 5 |
| 2 | 9 | 6 | 3 | 5 | 7 | 1 | 4 | 8 |
| 1 | 2 | 3 | 8 | 9 | 6 | 5 | 7 | 4 |
| 6 | 4 | 8 | 7 | 2 | 5 | 3 | 9 | 1 |
| 7 | 5 | 9 | 4 | 3 | 1 | 2 | 8 | 6 |
| 9 | 3 | 7 | 1 | 6 | 8 | 4 | 5 | 2 |
| 8 | 1 | 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 3 | 7 |
| 4 | 6 | 2 | 5 | 7 | 3 | 8 | 1 | 9 |

ओलंपिक में निराशा के बाद कड़ी मेहनत के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा मुश्किल था। मैंने कुछ समय के लिए ब्रेक लिया, लेकिन वापसी पर भी मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था। मैं बहुत सी चीजों से निपट रहा था और फिट नहीं होने के बावजूद टूर्नामेंटों में प्रतिस्पर्धा कर रहा था।
–लक्ष्य सेन, बैटमिंटन खिलाड़ी


# स्टेडियम

मुरादाबाद, बुधवार 26 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com


## हाईलाइट

### जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सुमित नागला

**चेंगडू :** भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2-6, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिए पुरुष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे। नागल को शुरुआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई। उनका आवेदन खारिज होने के बाद उन्हें चीनी अधिकारियों से सार्वजनिक तौर पर अपील करनी पड़ी।

### स्पेन, जापान को जूनियर हॉकी विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

**मदुरै :** दो बार की कांस्य पदक विजेता स्पेन को जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है और उनके कोच ने कहा कि टीम पूरी तैयारी के साथ उतरी है। स्पेन और ऑस्ट्रिया की टीमें मंगलवार को यहां पहुंची जबकि जापान और चिली की टीमें चेन्नई पहुंची हैं। स्पेन के कोच ओरियोल पुइग टोरास ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि हम काफी रोमांचित हैं और इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर गौरवान्वित भी। हमारी तैयारियां अच्छी चल रही है और मेरा मानना है कि हमारे पास शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम है। स्पेन ने 2003 कुआलालम्पुर जूनियर विश्व कप में भारत को हराकर कांस्य पदक जीता था। स्पेन को पूल डी में बेल्जियम, नामीबिया और मिस्र के साथ रखा गया है।

### मंधाना के अकाउंट से शादी से पहले के पोस्ट गायब

**नई दिल्ली :** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ अपनी शादी से पहले के जश्न से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। उनके पिता के अस्पताल में भर्ती होने से मुख्य समारोह अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। स्मृति और पलाश 23 नवंबर को महाराष्ट्र में इस क्रिकेटर के गृहनगर सांगली में शादी करने वाले थे। स्मृति के पिता के दिल की बीमारी से अस्पताल में भर्ती होने के बाद समारोह रोक दिया गया। हालांकि सगाई और दूसरे जश्न से पहले के वायरल सोशल मीडिया पोस्ट स्मृति के पेज से गायब होने के बाद इस जोड़ी 0अब उनके पेज पर नहीं दिख रहा जिसमें स्मृति भारतीय टीम की अपनी कुछ साथियों के साथ 'लगे रहो मुन्नाभाई' के गाने 'समझो हो ही गया' पर नाच रही थीं।

### साइकिलिस्ट मीनाक्षी ने विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता

**जयपुर।** गुरु नानक देव विवि की साइकिलिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने मंगलवार को महिला व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में 2025 खेलो इंडिया विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता। शिवाजी विवि की काजोल सरगर ने भारोत्तोलन के महिला 48 किग्रा वर्ग का स्वर्ण जीता जबकि लवली यूनिवर्सिटी की साक्षी ने निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साइकिलिंग ने पदार्पण किया है और रोड स्पर्धाओं में वापसी कर रहीं 2022 एशियाई खेलों की टीम परसुइट स्पर्धा की कांस्य पदक विजेता मीनाक्षी ने पहला स्वर्ण पदक जीता।

# असंभव लक्ष्य के सामने लड़खड़ाया भारत

## दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराया, भारतीय टीम ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 27 रन बनाएं

गुवाहाटी, एजेंसी

जिस पिच की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल प्रवृत्ति का दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया ,उस पर भारतीय बल्लेबाज दूसरी पारी में भी जूझते नजर आए। इससे उनकी टीम पर दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराने लग गया है। दो मैच की शृंखला में पहले ही पीछे चल रहे भारत ने 549 रन के लगभग असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15.5 ओवर में दो विकेट पर 27 रन बनाए हैं और लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए उसे अब 522 रन की जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीका में इससे पहले अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की। उसका आकर्षण ट्रिस्टन स्टब्स की पारी रही। इस युवा बल्लेबाज ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (68 गेंद पर 49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (69 गेंद पर नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था। कोलकाता में पहला टेस्ट 30 रन से जीतने के बाद शृंखला में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका ने रक्षात्मक रवैया अपनाया और अपनी पारी समाप्त घोषित करने में देर लगाई। भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उसके दोनों सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13) और केएल राहुल (06) दस ओवर और 21 रन के अंदर पवेलियन में विराजमान थे।

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में भारतीय बल्लेबाज के आउट होने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी।

जायसवाल ने पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मार्को यानसन की तेजी से उठती गेंद पर कट करने के प्रयास में विकेट के पीछे कैच दिया जबकि राहुल ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर पूरी तरह से गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। दिन का खेल समाप्त होने के समय साई सुदर्शन दो और नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव चार रन पर खेल रहे थे। पिच पर दरार पड़ गई हैं जिससे स्पिन गेंदबाजों को टर्न मिलना शुरू हो गया है। ऐसे में अगर भारत हार्मर एंड कंपनी के सामने मैच बचाने में सफल रहता है तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय बल्लेबाजों के हाल के समय में स्पिनरों के सामने खराब रिकार्ड को देखते हुए ऐसी संभावना कम ही नजर आती है। पहली पारी में एक रन से अर्धशतक से चूकने वाले स्टब्स ने भारत के सबसे सफल गेंदबाज रविंद्र जडेजा पर छक्का जड़कर अपना स्कोर 90 रन के पार पहुंचाया लेकिन इसी ओवर में स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हो गए। इसके तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने पारी समाप्त घोषित कर दी।

जडेजा ने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। डि जॉर्जी और स्टब्स ने मैच पर दक्षिण अफ्रीका की पकड़ और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। डि जॉर्जी ने चार चौके और एक छक्का लगाया। इन दोनों ने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ कई स्वीप शॉट लगाए। जडेजा ने डि जॉर्जी को पगबाधा आउट करके उन्हें अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। एक निश्चित समय के बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों के हाव भाव से लग रहा था कि वे दूसरे सत्र के समाप्त होने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद पारी घोषित होने की उम्मीद थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेलटन (64 गेंदों पर 35 रन) और एडेन मारक्रम (84 गेंदों पर 29 रन) ने एक बार फिर अर्धशतकीय साझेदारी की, लेकिन जडेजा ने दोनों को आउट कर दिया। रिकेलटन गेंद की पिच तक पहुंचने की कोशिश में बहुत करीब आ गए और कवर के ऊपर से लगाई गई उनकी ड्राइव को मोहम्मद सिराज ने छलांग लगाकर कैच में बदल दिया। मारक्रम के लिए जडेजा ने थोड़ी धीमी गति की गेंद की जिसे बल्लेबाज ने आगे बढ़कर रक्षात्मक रूप से खेलने का प्रयास किया लेकिन गेंद तेजी से घूमकर बल्ले का किनारा लेते हुए ऑफ-स्टंप पर जा लगी। वाशिंगटन ने इसके बाद बावुमा (03) को आउट किया, जिनकी उछाल लेती गेंद बल्लेबाज के दस्तानों को चूमकर लेग स्लिप में खड़े नीतीश कुमार रेड्डी के सुरक्षित हाथों में चली गई।

### यह शृंखला गंवाने का हम पर असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अगली शृंखला आठ महीने बाद : जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में संभावित हार का अगले साल अगस्त में श्रीलंका में होने वाली टेस्ट शृंखला पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दूसरे टेस्ट में ड्रॉ कराना युवा टीम के लिए 'जीत' जैसा होगा। भारत का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की शृंखला गंवाना तय है क्योंकि आखिरी दिन 549 रन का लक्ष्य हासिल करना नामुमकिन होगा। चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद जडेजा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसका अगली शृंखला पर कोई असर पड़ेगा। लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर कोई भी शृंखला हारना नहीं चाहता, विशेषकर भारत में। उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। हम टेस्ट मैच बचाने की कोशिश करेंगे। अगर हम शृंखला नहीं भी जीत रहे हैं तो भी हम मैच ड्रॉ कर सकें जो हमारे लिए जीत की तरह की स्थिति होगी।

### भारत

**27/2** (दूसरी पारी) (15.5 ओवर)

- यशस्वी का वेरेन बो यानसेन 13
- लोकेश राहुल बो हार्मर 06
- साई सुदर्शन खेल रहे हैं 02
- कुलदीप यादव खेल रहे हैं 04

गेंदबाजी : यानसेन 5-2-14-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 3 .5-2-1-1, महाराज 3-1-5-0

### दक्षिण अफ्रीका

**260/5** (दूसरी पारी) (78.3 ओवर)

- रेयान का सिराज बो जडेजा 35
- ऐडन मारक्रम बो जडेजा 29
- ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा 94
- तेम्बा बावुमा का रेड्डी बो वाशिंगटन 03
- टोनी डि जॉर्जी पगबाधा बो जडेजा 49
- वियान मुल्डर नाबाद 35

**गेंदबाजी :** बुमराह 6-0-22-0, सिराज 5-1-19-0, जडेजा 28 .3-3-62-4, कुलदीप 12-0-48-0, वाशिंगटन 22-2-67-1, जायसवाल 1-0-9-0,रेड्डी 4-0-24-0

### जायसवाल को कट शॉट से करना पड़े परहेज : स्टेन

**गुवाहाटी।** दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने यशस्वी जायसवाल को अपने शानदार कट शॉट को कुछ समय के लिए उसी तरह से छोड़ने की सलाह दी जैसे कि सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया में ड्राइव शॉट का त्याग किया था। जायसवाल मंगलवार को दूसरे टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में एक बार फिर से कट शॉट खेलने की कोशिश में मार्को यानसेन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्तानों में चली गयी। स्टेन ने कहा कि यह उनका पसंदीदा शॉट है और इस तरह के शॉट से परहेज करना मुश्किल है। जब आप गेंद को अपने क्षेत्र में देखते हैं, तो आप उसे खेलने के लिए जाते हैं। उन्हें हालांकि इससे बचने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि सचिन ने एक बार ऑस्ट्रेलिया में अपने खेल से ड्राइव शॉट हटा दिया था। जायसवाल को यह भी कहना पड़ सकता है कि जब तक गेंद किसी खास क्षेत्र में न हो तो वह उसे खेले ही ना। ऐसी गेंदों पर उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर भरोसा करना होगा। भारत को जीत के लिए 549 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते समय सलामी जोड़ी से मजबूत शुरुआत की उम्मीद थी लेकिन जायसवाल उछाल लेती गेंद पर कट शॉट खेलने के लालच में विकेटकीपर काइल वेरेन को कैच दे बैठे। स्टेन ने कहा कि वह दायें हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से इस शॉट को खेल लेते है लेकिन मार्को यानसेन जैसे बायें हाथ के तेज गेंदबाज की गेंद उनकी उम्मीद से ज्यादा शरीर के करीब होती है।

### भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : रैना

**नई दिल्ली।** भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा शृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है। दो मैचों की इस शृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा कि गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा।

# हार्दिक की वापसी, आईपीएल से पहले खिलाड़ियों के पास चमकने का मौका

हैदराबाद, एजेंसी

**सैयद मुश्ताक ट्रॉफी**

चोट के बाद वापसी कर रहे हार्दिक पंड्या पर बुधवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में सभी की नजरें होंगी जबकि प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर आईपीएल की नीलामी से पहले अच्छा प्रदर्शन करके ध्यान खींचना चाहेंगे।

हार्दिक ने सितंबर में एशिया कप के दौरान चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। फरवरी मार्च में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले हार्दिक सिर्फ टी-20 प्रारूप ही खेलेंगे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू हो रही टी-20 शृंखला से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का उनके पास यह टूर्नामेंट ही एक मौका है। टूर्नामेंट हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता और लखनऊ में खेला जायेगा। शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम गत चैम्पियन के तौर पर उतरेगी। बड़ौदा की टीम आठ दिसंबर तक सात ग्रुप मैच खेलेगी और मुख्य कोच मुकुंद परमार को पंड्या के अधिकांश मैचों में खेलने की उम्मीद है। परमार ने कहा कि वह अभी टीम से जुड़ा नहीं है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह अधिकांश मैच खेलेगा। उसकी मौजूदगी से टीम का मनोबल बढेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी मुंबई के लिए अधिकांश ग्रुप मैच खेलेंगे। शिवम दुबे भी मुंबई टीम का हिस्सा है।

वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को तमिलनाडु का कप्तान बनाया गया है जो ग्रुप चरण में खेलेंगे। केरल के कप्तान संजू सैमसन भी ग्रुप चरण में नजर आएंगे। एक समय भारतीय क्रिकेट में भविष्य का सितारा माने जा रहे पृथ्वी साव को पिछले साल नीलामी में किसी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। अब वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लिये खेलते हैं।

## भारत अजलन शाह कप हॉकी में बेल्जियम से 2-3 से हारा

**इपोह (मलेशिया)।** भारत ने मंगलवार को बारिश से प्रभावित सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के मैच में डटकर मुकाबला किया लेकिन आखिर में वह बेल्जियम से 2-3 से हार गया।

भारत के लिए अभिषेक (33वें मिनट) और शिलानंद लाकड़ा (57वें) ने, जबकि बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17वें और 57वें) और निकोलस डी केर्पेल (45वें) ने गोल किए। डिफेंडर संजय की अगुवाई में भारत ने छह टीमों की प्रतियोगिता में रविवार को तीन बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ पहला मैच 1-0 से जीता था। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला।

इसके बाद उसने जल्द ही दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल कर लिया। लेकिन दोनों अवसरों पर भारतीय रक्षापंक्ति ने डटकर मुकाबला किया और सुनिश्चित किया कि पहले क्वार्टर के अंत तक वे बराबरी पर रहें। भारतीय गोलकीपर पवन ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह 17वें मिनट में रोमन डुवेकोट को गोल करने से नहीं रोक पाए जिससे बेल्जियम ने बढ़त ली। भारत ने दूसरे हाफ में गोल से स्कोर बराबर कर दिया।

**सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप**

# भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार:** सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में मंगलवार को महिला व पुरुष युगल के मुख्य ड्रा के पहले दौर के मुकाबले खेले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने कई वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जाली और गायत्री गोपीचंद ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछली विजेता इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया की चेंग सू हूई और तैन झिंग वाई की जोड़ी को 1 घंटे 14 मिनट चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 19-21, 22-20, 21-9 से हराया। पहला गेम बढ़त में रहने के बावजूद हारने के बाद त्रिशा-गायत्री ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम लगातार जीते। यह मुकाबला दिन के महिला युगल के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से रहा।

पिछली उपविजेता व दूसरी वरीय जोड़ी साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय ने भारत के ही स्वर्णराज बोरा व निबिर रंजन को 21-8, 21-17 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

यूपी की खिलाड़ी श्रुति मिश्रा अपनी साथी प्रिया कोंजेंगबम के साथ जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में पहुंचीं। इन दोनों ने भारत की ही समृद्धि सिंह व रीवा को 21-8, 21-11 से हराया। हालांकि यूपी की अन्य जोड़ी समृद्धि सिंह और तनीषा सिंह पहले दौर में ही बाहर हो गई।

चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येव्हेनिया कांतमिर ने भारत की तनीषा सिंह व साक्षी गहलावत को 21-9, 21-19 से हराया। पुरुष युगल की तर्ज पर महिला युगल में भी कई मुकाबले एकतरफा रहे।

### पुरुष युगल : भारतीय जोड़ियों का दबदबा

पांचवीं वरीय भारतीय जोड़ी एमआर अर्जुन व हरिहरन अम्साकरुनन ने भारत के आयुष मखीजा व सुजय तंबोली को 21-11, 21-13 से मात दी। चीनी ताइपे की चौथी वरीय जोड़ी ह्वांग जुई-शुआन व झी-वेई हे ने भारत के शशांक छेत्री व नितिन कुमार को 21-19, 21-15 से हराया। भारत के विप्लव कुवले व विराज कुवले ने कड़े मुकाबले में अपने हमवतन आदित्य दिवाकर व केविन थंगम को 22-20, 16-21, 21-19 से हराया।

### क्वालीफायर के परिणाम

क्वालीफायर में कई भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रा में जगह पक्की की।

**पुरुष एकल :** अभिनव ठाकुर, ओर्जित चालिहा,आर्य, भरत राघव,

**महिला एकल :** प्रकृति भारत, अदिता राव, अलीशा नायक,

**मिश्रित युगल :** मिथिलेश पी. कृष्णन व वरना, विशाखा टोप्पो व भव्य छाबड़ा, सी. लालरामसंगा व तारिनी सूरी, नितिन एचवी व श्रीनिधि नारायण

**पुरुष युगल :** भव्य छाबड़ा व परम चौधरी, मयंक राणा व आर्यन, असिथ सूर्या व गणेश, आयुष अग्रवाल व दक्ष गौतम।

**महिला युगल :** आरती सारा सुनील व वी. विश्वनाथ, जेनिथ व लिखिता श्रीवास्तव, वीआर नारधाना व ऋद्धिवंशी रामास्वामी।

# राष्ट्रमंडल खेल 2030 : भारत की मेजबानी पर मुहर लगने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2010 में दिल्ली में हुए थे राष्ट्रमंडल खेल, अब अहमदाबाद में आयोजन की तैयारी

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करने को लेकर आश्वस्त भारत की बोली को बुधवार को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा में औपचारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी, जो देश की वैश्विक बहु-खेल केंद्र बनने की महत्वाकांक्षी योजना में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। बुधवार की आम सभा में राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड की सिफारिशों पर मुहर लगाने की औपचारिकता पूरी की जाएगी। ये सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की निगरानी में एक प्रक्रिया के बाद की गई थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की ओर से कहा गया है कि आमसभा के दौरान राष्ट्रमंडल के सदस्य 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के संबंध में अंतिम फैसला करेंगे, जिसके बाद भारत की ओर से एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें अहमदाबाद में खेलों के लिए उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया जाएगा। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे होने की उम्मीद है। भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोग करेंगे।

**टी-20 विश्व कप का कार्यक्रम** | 15 फरवरी को दोनों टीमों का कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा आमना सामना

# भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप के लिए एक ही ग्रुप में

मुंबई, एजेंसी

चिर-प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान को 2026 पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में रखा गया है और मंगलवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के बीच टूर्नामेंट के लिए हुए समझौते के अनुसार पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।

मौजूदा चैंपियन भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगा और उसके बाद 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया से भिड़ेगा। टीम इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए कोलंबो जायेगी और फिर 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। यह टूर्नामेंट सात फरवरी से आठ मार्च तक आठ स्थलों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, कोलंबो और कैंडी में 55 मैच होंगे। आईसीसी अध्यक्ष जय शर्मा ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम का अनावरण करते हुए यह घोषणा की। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान शामिल हैं, जबकि ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली शामिल हैं। ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई शामिल हैं।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा को इस विश्व कप के लिए टूर्नामेंट दूत नियुक्त किया गया। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 में हुए पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। रोहित ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 32.01 की औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। रोहित ने पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हुए विश्व कप में भारत की जीत के बाद खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास ले लिया था। भारत ने तब 11 साल के लंबे अंतराल के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी।

### डब्ल्यूपीएल में दीप्ति, गौड़, चरणी को मोटी राशि मिलने की उम्मीद

**नई दिल्ली।** लॉरा वोलवार्ट और भारत की विश्व कप में जीत की नायिका दीप्ति शर्मा सहित कई शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर गुरुवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में आकर्षण का केंद्र होंगी, जबकि घरेलू खिलाड़ी क्रांति गौड़ और श्री चरणी को भी मोटी धनराशि मिलने की उम्मीद है। कुल 277 खिलाड़ी (194 भारतीय और 83 विदेशी) पहली बार होने वाली इस मेगा नीलामी का हिस्सा होंगे। पांच टीमें अधिकतम 73 स्थानों को भरने की कोशिश करेंगी, जिनमें 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे। कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। वनडे विश्व कप जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों की भारी मांग होगी। टूर्नामेंट की प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट दीप्ति शर्मा पर अच्छी बोली लगने की संभावना है। उन्हें विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज़ कर दिया था।